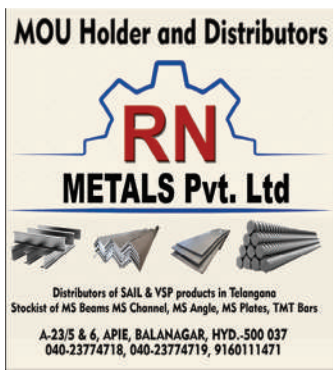

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 15 जनवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-15

चीरहरण-चरित्र हनन

अभिनेत्री ट्रोल - पत्रकारों समेत 73 फंसे

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)

साइबराबाद पुलिस की साइबर अपराध शाखा ने एक तेलुगु अभिनेत्री द्वारा ऑनलाइन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने के बाद सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और पत्रकारों सहित 73 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अपनी शिकायत में अभिनेत्री अनुसूया भारद्वाज ने कहा कि ऑनलाइन उत्पीड़न 22 दिसंबर, 2025 को शुरू हुआ, जब तेलुगु अभिनेता शिवाजी ने कहा कि महिलाओं को साड़ी या पूरे शरीर को ढंकने वाले वस्त्र पहनने चाहिए और सुंदरता पूर्ण पहनावे में निहित है, न कि शारीरिक आकर्षण दिखाने में। इन टिप्पणियों की व्यापक निंदा हुई।

ऑनलाइन उत्पीड़न 22 दिसंबर, 2025 को शुरू हुआ, जब तेलुगु अभिनेता शिवाजी ने कहा कि महिलाओं को साड़ी या पूरे शरीर को ढंकने वाले वस्त्र पहनने चाहिए और सुंदरता पूर्ण पहनावे में निहित है, न कि शारीरिक आकर्षण दिखाने में।

23 दिसंबर को मीडियाकर्मियों ने भारद्वाज से इस पर प्रतिक्रिया माँगी, जिस पर अभिनेत्री ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजी पसंद का समर्थन किया। 40 वर्षीय अभिनेत्री ने अपनी शिकायत में कहा कि तेलुगु फिल्म उद्योग में महिलाओं की व्यक्तिगत स्वतंत्रता के समर्थन में टेलीविजन पर टिप्पणी करने के बाद वे बड़े पैमाने पर मानहानिपूर्ण टिप्पणियों का केंद्र बन गईं। हालाँकि अगले दिन, शिवाजी ने उनके विचारों पर चर्चा करने के लिए उनसे संपर्क किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कई टेलीविजन एंकरों, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और यूट्यूब चैनलों ने इस बीच अपमानजनक भाषा का उपयोग किया, जिसमें उनके शरीर का ''घृणित और अपमानजनक तरीके'' से वर्णन किया गया। इसके अतिरिक्त, उनके खिलाफ एआई - जनित (एआई) अश्लील कंटेंट भी पोस्ट किया गया, जिससे विभिन्न प्लेटफार्मों पर अपमान का एक बड़ा सिलसिला शुरू हो गया।

अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि उनमें से कुछ ने उन्हें यौन उत्पीड़न और अश्लील संदेश भी भेजे। एक टीवी चैनल के एंकरों और अन्यों द्वारा अभिनेत्री को कथित तौर पर परेशान करने की खबरों के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 75 (यौन उत्पीड़न), 79 (किसी महिला की गरिमा को अपमानित करने के उद्देश्य से शब्द, हावभाव या कार्य), 336(4) (प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने के उद्देश्य से जालसाजी), 351 (आपराधिक धमकी) और 356 (मानहानि) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66-ई और 67 के तहत मामला दर्ज किया।

आरोपियों में हैदराबाद के टेलीविजन एंकर, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और यूट्यूब चैनल के लोग शामिल हैं। 22 पन्नों की प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) में मीडिया पेशेवरों के नाम भी दर्ज हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वे आपत्तिजनक सामग्री को हटाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को पत्र लिखेंगे।

आईएएस-मंत्री मामले में संपादक अरेस्ट

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद पुलिस के सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) ने मंगलवार, 13 जनवरी की देर रात एनटीवी के इनपुट एडिटर और वरिष्ठ पत्रकार दोंतू रमेश सहित रिपोर्टर परिपूर्णा चारी और सुधीर को एक आईएएस महिला अधिकारी और तेलंगाना के सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटीरेड्डी वेंकट रेड्डी से संबंधित एक विवादास्पद समाचार रिपोर्ट के सिलसिले में गिरफ्तार किया।

स्थानीय चैनलों ने मंत्री कोमाटीरेड्डी के एक महिला आईएएस अधिकारी के साथ कथित तौर पर ''अफेयर'' में शामिल होने की खबरें प्रसारित कीं, जिसके चलते देर रात पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया।

रमेश को हैदराबाद हवाई अड्डे से उस समय पकड़ा गया जब वे अपने परिवार के साथ छुट्टियां मनाने जा रहे थे।

सज्जनार ने पत्रकारों की आधी रात को हुई गिरफ्तारी का बचाव किया

प्रेस से बात करते हुए, हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त, वीसी सज्जनार ने आधी रात को हुई गिरफ्तारी का बचाव करते हुए कहा कि पत्रकार कथित तौर पर जाँच से भागने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा, जब हमने उन्हें थाने बुलाया, तो उन्होंने आने को कहा। उसके बाद उन्होंने अपने मोबाइल बंद कर दिए और बैंकॉक का टिकट बुक करा लिया। अगर उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है, तो वे किससे भाग रहे हैं?

गिरफ्तारी से पहले नोटिस क्यों नहीं दिया गया, यह पूछे जाने पर कमिश्नर ने कहा, जब पुलिस आपको बुलाए, तो आपको थाने में उपस्थित होना चाहिए। कानून का सम्मान करें।

उन्होंने समाचार रिपोर्ट की निंदा करते हुए आईएएस महिला अधिकारी की मानहानि का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, आप एक महिला अधिकारी के खिलाफ निराधार समाचार रिपोर्ट प्रकाशित करते हैं। उनके और उनके परिवार के लिए यह कितना तनावपूर्ण होगा? उन्होंने अंत में कहा, ''कानून अपना काम करेगा।''

मामला क्या है?

हाल ही में, स्थानीय चैनलों ने कोमाटीरेड्डी के एक महिला आईएएस अधिकारी के साथ कथित तौर पर ''अफेयर'' में शामिल होने की खबरें प्रसारित कीं, जिसके चलते मंत्री को प्रतिक्रिया जारी करनी पड़ी ।

यह गिरफ्तारी विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन द्वारा 8 जनवरी को दर्ज कराई गई शिकायत के बाद हुई है, जिसमें उन्होंने रिपोर्ट को ''पूरी तरह से झूठी, मनगढ़ंत और निराधार'' बताया है। तेलंगाना आईएएस और आईपीएस अधिकारी संघ ने एनटीवी, तेलुगु स्क्राइब, एमआर मीडिया तेलंगाना, प्राइम9 तेलंगाना, पीवीन्यूज, सिग्नल टीवी, वोल्गा टाइम्स, मिररटाईऑफिशियल और टीन्यूज तेलुगु सहित कई निजी समाचार चैनलों के खिलाफ भी शिकायत दर्ज कराई है।

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 75 (यौन उत्पीड़न), 78 (पीछा करना), 79 (शब्द, हावभाव, ध्वनि या ▶10 पर

शहर की सड़कों पर 'परफेक्ट' ड्राइवर?

ड्राइविंग लाइसेंस परीक्षा में 98% पास!

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने एक दिन पहले पुलिस को यह निर्देश दिया कि वाहनों के रजिस्ट्रेशन के समय

उन्हें सीधे वाहन मालिकों से जोड़ा जाए और एक ऑटो-डेबिट सिस्टम लागू किया जाए और इस व्यवस्था के तहत यदि कोई ट्रैफिक नियम तोड़ा जाता है, तो जुर्माने की राशि सीधे वाहन मालिक के बैंक खाते से काट ली जाए। शराब पीकर वाहन चलाने और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के मामलों में सख्ती बरतने के निर्देश देते हुए उन्होंने ट्रैफिक फाइन पर दी जाने वाली सभी प्रकार की छूट को समाप्त करने का भी आदेश दिया और कहा कि नियम तोड़ने वालों के खिलाफ बिना किसी रियायत के कार्रवाई की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि तेज रफ्तार और अन्य उल्लंघनों पर चालान तो काटा जाता है, लेकिन साल के अंत में जुर्माने में छूट दे दी जाती है। इससे लोगों में यह धारणा बन जाती है कि अंततः चालान माफ हो जाएगा, और वे नियमों को हल्के में लेने लगते हैं। उन्होंने इस प्रवृत्ति पर कड़ा रुख अपनाने की जरूरत बताई। हालांकि मुख्यमंत्री के इस विचार पर मिलीजुली प्रतिक्रिया आई, कुछ ने इसे जनता के बैंक खातों में सेंधमारी बताया तो किसी ने निजता पर हमला। खैर, इन सबके बीच आई एक रिपोर्ट कुछ और ही कह रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2025 में हैदराबाद में 2.3 लाख आवेदकों में से 2.25 लाख ने पहली ही कोशिश में ड्राइविंग टेस्ट पास कर लिया। दोबारा परीक्षा देने आए 5,000 से ज़्यादा लोगों में से महज 78 ही फिर असफल रहे। यह 98% पास दर देश के किसी भी महानगर से ऊपर हैमुंबई और दिल्ली जैसे शहर 80-90% के आसपास झूल रहे हैं। परंतु इस 'शानदार' आँकड़े के बीच पिछले साल ▶10 पर

मकर संक्रांति की बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं

सभी सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंटों और हॉकरों को शुभ-लाभ की ओर से मकर-संक्रांति की बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रबंधक

अवकाश सूचना

मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में शुभ-लाभ कार्यालय **गुरुवार दि. 15 जनवरी 2026 को अवकाश** पर रहेगा। अतः अगला अंक शनिवार दि. 17 जनवरी 2026 को प्रकाशित होगा।

कार्टून कॉर्नर

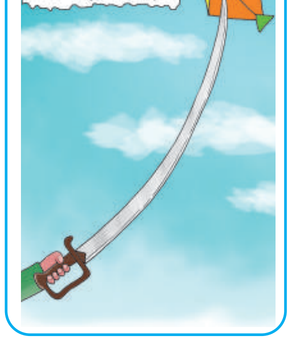

कुत्तों का नरसंहार

कामारेड्डी में 600 से अधिक की हत्या, पशु प्रेमियों में आक्रोश

कामारेड्डी, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कामारेड्डी ज़िले के माचारेड्डी पुलिस स्टेशन सीमा के अंतर्गत पल्वंचा मंडल मुख्यालय तथा फ़रीदपेट, बंडारम ईश्वरपल्ली, भवानीपेट और वाडी गाँवों में एक सप्ताह के भीतर 600 से अधिक स्ट्रीट डॉग्स को कथित रूप से मारे जाने का सनसनीखेज़ मामला सामने आया है। पशु अधिकार कार्यकर्ता मूला राजानी, अनुपोलू अनिता, भानु प्रकाश, गोवर्धन आदि ने माचारेड्डी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि नवनिर्वाचित सरपंचों की निगरानी में ये जनहत्यायें हुईं।

पुलिस ने दफन स्थलों पर पंचनामा कर मामला दर्ज किया

पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि आरोपों के आधार पर आईपीसी और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत मुक़दमा दर्ज कर लिया गया है। टीमों ने कुत्तों के दफनाए जाने की संभावित जगहों की पहचान कर वहाँ पंचनामा किया और शवों की विसरा जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजा है।

ऐसा चुनावी वादा पूरा करने के लिए किया गया

ग्रामीण सूत्रों के अनुसार, कुछ उम्मीदवारों ने चुनाव प्रचार के दौरान स्ट्रीट डॉग्स के उपद्रव से मुक्ति का वादा किया था। जीतने के बाद सरपंचों ने यह कदम उठाया और कथित रूप से ज़हरीली इंजेक्शन दिलवाकर कुत्तों को मारा गया।

पशु कल्याण संगठनों ने की सख़्त कार्रवाई की माँग

इंडियन फेडरेशन ऑफ़ एनिमल राइट्स, ब्लू क्रॉस समेत कई संगठनों ने इसे सामूहिक पशु क्रूरता करार देते हुए दोषियों के ख़िलाफ़ ▶10 पर

अमेरिका ने लेबनान, मिस्र और जार्डन में मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े संगठनों को आतंकी घोषित किया

वाशिंगटन,14 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए लेबनान, मिस्र और जार्डन में मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े तीन संगठनों को आतंकवादी संगठन घोषित किया है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जारी कार्यकारी आदेश के तहत शुरुआती कार्रवाई के रूप में उठाया गया है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक बयान में कहा कि यह निर्णय उन मुस्लिम ब्रदरहुड इकाइयों की गतिविधियों और क्षमताओं को समाप्त करने की दिशा में पहला कदम है, जो अमेरिका के लिए खतरा मानी जा रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन इस दिशा में आगे भी सख्त कदम उठाता रहेगा। निर्णय के तहत अमेरिकी विदेश विभाग ने लेबनानी मुस्लिम ब्रदरहुड को विदेशी आतंकवादी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) की श्रेणी में रखा है। इसके साथ ही संगठन के प्रमुख मोहम्मद फवजी तक़्कोश को भी एसडीजीटी घोषित किया गया है। अमेरिकी वित्त विभाग ने मिस्र और जार्डन की मुस्लिम ब्रदरहुड इकाइयों को एसडीजीटी के रूप में नामित किया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इन दोनों संगठनों पर हमास को भौतिक और वित्तीय सहायता देने के आरोप हैं। रुबियो ने कहा कि यह कार्रवाई एक व्यापक और सतत अभियान की शुरुआत है, जिसका उद्देश्य दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़ी हिंसक और अस्थिरता फैलाने वाली गतिविधियों पर रोक लगाना है। उन्होंने कहा कि अमेरिका प्रतिबंधों और अन्य उपायों के जरिए इन संगठनों पर दबाव बनाए रखेगा। इन नामांकन के बाद संबंधित संगठनों और व्यक्तियों पर कड़े कानूनी और आर्थिक प्रतिबंध लागू होंगे। इनमें अमेरिकी नागरिकों के साथ लेन-देन पर रोक, संपत्तियों को फ्रीज करना और अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर पाबंदियां शामिल हैं। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि इन कदमों का उद्देश्य आतंकी नेटवर्क की फंडिंग और संचालन क्षमताओं को कमजोर करना है। यह घोषणा राष्ट्रपति ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश के बाद आई है, जिसमें अमेरिकी एजेंसियों को ऐसे संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे।

न्यूज ब्रीफ

सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने तमिल समुदाय को पोंगल की शुभकामनाएं दीं

सिंगापुर। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लारेंस वोंग ने तमिल समुदाय को पोंगल पर्व की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हमारा तमिल समुदाय जिस पोंगल पर्व को मनाता है, वह परिवार के साथ एकजुट होने, कृतज्ञता व्यक्त करने, अपनी पारंपरिक जड़ों का सम्मान करने और आने वाले आशावादी वर्ष का स्वागत करने का उपयुक्त समय है। सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने कहा, इस अवसर पर मैं सभी को पोंगल की शुभकामनाएं देता हूं। पोंगल पर्व की भावना का अनुभव करने के लिए लिटिल इंडिया या इंडियन हेरिटेज सेंटर में कुछ समय अवश्य बिताएं। उल्लेखनीय है कि भारत के तमिलनाडु में पोंगल पर्व कल ताई थिरुनाल के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए पारंपरिक तरीके से नए मिट्टी के बर्तन में पोंगल बनाकर खुशी और उत्साह के साथ त्योहार मनाया जाता है। तमिलनाडु में पोंगल पर्व चार दिन तक (भोगी, थाई पोंगल, मट्टू पोंगल और काणुम पोंगल) धूमधाम से मनाया जाता है। इस क्रम में आज भोगी पर्व मनाया जा रहा है।

उत्तरी माली में नाइजर नदी में नाव डूबी, 38 की मौत

बमाको (माली)। उत्तरी माली के टिम्बकटू में नाइजर नदी में एक फेरी नाव (बोट) चट्टानों से टकराकर डूब गई। इस हादसे में दर्जनों लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों और मृतकों के रिश्तेदारों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा गुरुवार को डिरे शहर में हुआ। स्थानीय अधिकारियों ने अभी तक आधिकारिक तौर पर मरने वालों की संख्या जारी नहीं की है, लेकिन इलाके के निवासी और पूर्व नेशनल असेंबली के डिप्टी अल्काइडी टूरे ने 38 लोगों की मौत हो गई और 23 को बचा लिया गया। अमेरिका के एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, डिरे नवासी मूसा अग अल्मोबारक ट्राओरे ने बताया कि उन्होंने इस हादसे में अपने परिवार के 21 सदस्यों को खो दिया। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि नाव में किसान सवार थे। यह हादसा रात को हुआ। इस इलाके में अल-कायदा के आतंकवादियों के हमलों को रोकने के लिए सुरक्षा उपायों के कारण रात को डाकिंग पर प्रतिबंध लगा है। ट्राओरे ने कहा कि नाव का चालक सुबह तक इंतजार नहीं करना चाहता था और उसने दूसरी जगह किनारे आने की कोशिश की, जहां नाव चट्टानों से टकराकर डूब गई। माली अपने पड़ोसी बुर्किना फासो और नाइजर के साथ मिलकर कई दशकों से आतंकवादियों से लड़ रहा है। अल-कायदा समर्थित जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन (समूह के आतंकवादी माली के टिम्बकटू इलाके में सक्रिय हैं। नाइजर नदी पर फेरी नावों से जुड़े हादसे आम बात हैं।

थाईलैंड के राजा राम की लाइफस्टाइल कर सकती है अरबपतियों को हैरान

लंदन। दुनिया में जब बात शाही शानो शौकत और राजसी ठाठ की आती है, तो थाईलैंड के राजा महा

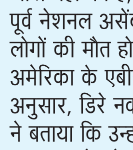

वजिरालोंगकोर्न का कोई मुकाबला नहीं है। उनकी लग्जरी लाइफस्टाइल किसी भी अरबपति को हैरान कर सकती है। यही वजह है कि उन्हें दुनिया का सबसे अमीर राजा माना जाता है। थाईलैंड के राजा महा वजिरालोंगकोर्न एक नाम राजा राम भी है। राजा राम की कुल संपत्ति का अनुमान करीब 50 अरब डालर, यानी लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपये लगाया जाता है। उनकी संपत्तियों की देखरेख क्राउन प्रापर्टी ब्यूरो करता है, जिस पर साल 2018 में राजा ने खुद नियंत्रण हासिल कर लिया था। इसके बाद से यह संस्था सीधे राजा के अधीन काम करने लगी। पूरे थाईलैंड में फैली उनकी संपत्तियों से हर साल हजारों करोड़ रुपये की आमदनी होती है, जो उनकी अपार दौलत की एक बड़ी वजह है। राजा राम की कमाई का सबसे बड़ा जरिया उनकी जमीनें और उनसे मिलने वाला किराया है। एक अनुमान के अनुसार, उनके पास करीब 6,560 हेक्टेयर, यानी 16,210 एकड़ जमीन और उससे जुड़ी संपत्तियां हैं। इन जमीनों पर बनी 40 हजार से ज्यादा प्रापर्टीज से किराये के समझौते किए गए हैं। इनमें से करीब 17 हजार प्रापर्टी सिर्फ बैंकाक में हैं, जिनमें होटल, कामर्शियल बिल्डिंग, महल और रिजार्ट शामिल हैं। इनसे होने वाली आय हर साल हजारों करोड़ रुपये तक पहुंच जाती है।

ईरान की हिंसा पर लारीजानी ने ट्रंप व नेतन्याहू को बताया असली कातिल

तेहरान,14 जनवरी (एजेंसियां)।

ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों ने अब एक बेहद हिंसक और भयावह मोड़ ले लिया है। पिछले दो हफ्तों से जारी इस उथल-पुथल में मरने वालों की संख्या आधिकारिक तौर पर 2,000 के पार पहुंच गई है, जिसके बाद अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी ने मंगलवार को एक कड़ा बयान जारी करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को ईरानी जनता का मुख्य हत्यारा करार दिया है। लारीजानी का यह हमला तब आया जब राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान में हो रहे रक्तपात के विरोध में ईरानी अधिकारियों के साथ प्रस्तावित सभी बैठकें रद्द कर दीं और प्रदर्शनकारियों को सरकारी संस्थानों पर कब्जा करने का आह्वान किया। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव और पूर्व संसद अध्यक्ष अली लारीजानी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सीधे तौर पर वाशिंगटन और तेल अवीव को इस अशांति का जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने अपनी पोस्ट में स्पष्ट रूप से लिखा, हम ईरानी जनता के असली कातिलों के नाम घोषित करते हैं। पहला ट्रंप और दूसरा नेतन्याहू। लारीजानी ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इजरायल सुनियोजित तरीके से देश के भीतर अस्थिरता पैदा कर रहे हैं और हिंसा भड़का रहे हैं। दूसरी ओर, डोनाल्ड ट्रंप के एक हालिया संदेश ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में खलबली मचा दी है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर प्रदर्शनकारियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा, ईरानी देशभक्तों, विरोध जारी रखो। अपने संस्थानों पर कब्जा कर लो ! मदद आ रही है। हालांकि ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह मदद सैन्य होगी या आर्थिक, लेकिन उनके इस बयान ने आग में घी डालने का काम किया है। एक साक्षात्कार के दौरान ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी कि यदि प्रदर्शनकारियों को फांसी देने का सिलसिला शुरू हुआ, तो अमेरिका बेहद कड़ी कार्रवाई करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक निर्दोषों की हत्याएं नहीं रुकतीं, ईरान के साथ किसी भी स्तर की बातचीत संभव नहीं है। मानवाधिकार संस्थाओं और स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, ईरान में स्थिति अब गृहयुद्ध जैसी होती जा रही है। कार्यकर्ताओं का दावा है कि अब तक कम से कम 2,003 लोग मारे गए हैं।

जब कुत्ते बने युद्ध का सबसे खौफनाक हथियार, 500 साल पहले स्पेन ने ऐसे रची विजय की कहानी

वाशिंगटन। युद्ध के बारे में बहुत सुना होगा, कभी सुना है कि कुत्तों के दम पर युद्ध लड़ा गया हो लेकिन ऐसा हुआ है और ये कारनामा आज से करीब 500 साल पहले जब स्पेन ने नई दुनिया में अपने साम्राज्य का विस्तार शुरू किया था। उस वक्त लड़ने के आधुनिक साधन नहीं थे, सेना के पास सिर्फ तलवारें, तोपें, घोड़े और बंदूकें होते थे। हालांकि उन्होंने अपने साथ एक ऐसा असाधारण हथियार रखा हुआ है, जिसे देखकर दुश्मनों का खून जम जाता था। उसके पास जो हथियार मौजूद था, वो जिंदा था। ये हथियार कुछ और नहीं बल्कि युद्ध के लिए पाले गए कुत्ते थे। जानकारी के मुताबिक ये आम कुत्ते नहीं थे। जब वे युद्ध के मैदान में खड़े होते थे, तो घोड़े-हाथियों से भी ज्यादा खतरनाक होते थे। इनका डील-डौल ऐसा था कि देखने वाले शेर समझते थे। ये थे यूरोप से लाए गए विशालकाय, आक्रामक और जानलेवा नस्लें के कुत्ते जो इंसान को फाड़कर खा जाएं। स्पेनिश सेनाओं ने इन्हें सैनिकों की तरह ट्रेनिंग दी और जंग के मैदान में उतार दिया। स्पेनिश एलानो और बुलमास्टिफ जैसे खतरनाक नस्ल के कुत्ते, उन जगहों पर भी पहुंच जाते थे, जहां तलवारें नहीं पहुंच पाती थीं और घोड़े लड़खड़ा जाते थे। जहां के खूंखार कुत्ते दौड़ते थे, अपने पीछे खौफ, चीखें और मौत छोड़ जाते थे। इन कुत्तों का इस्तेमाल सिर्फ लड़ने के लिए नहीं बल्कि डर को हथियार बनाने की रणनीति के तहत किया जाता था। दरअसल स्थानीय लोग छोटे, शांत इंसानों के साथ रहने वाले जानवरों को जानते थे लेकिन जब उनके सामने पहली बार ये भयानक झपटते विशाल कुत्ते आए, तो उन्हें लगा ये कुत्ते नहीं बल्कि शेर हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पेरू की सेना के कर्नल और लेखक कार्लोस एनरिक फ्रेयर कहते हैं कि कुत्ता सिर्फ जानवर नहीं था, वह एक पूरी युद्ध प्रणाली था उसकी ट्रेनिंग, उसका आकार और उसे नियंत्रित करने वाला इंसान सब मिलकर एक हथियार बन जाते थे। फ्रेयर का उपन्यास लैंड आफ डाग्स इतिहास की यही पुरानी परतें खोलता है। ये कहानी है एक ऐसे डाग ट्रेनर की है, जो पेरू विजय के दौरान स्पेनिश सेना के कुत्तों को लड़ाई के लिए तैयार करता है और उनसे एक गहरा रिश्ता भी बना लेता है। इस इतिहास पर दस्तावेज बहुत कम हैं और तस्वीरें तो न के बराबर हैं। हालांकि फ्रेयर को पुराने इतिहासकारों की किताबें मिलीं।

ट्रंप प्रशासन ने एक साल में एक लाख से ज्यादा विदेशी नागरिकों के वीजा किए रद्द

वाशिंगटन,14 जनवरी (एजेंसियां)।

ट्रंप प्रशासन ने एक साल में एक लाख से ज्यादा विदेशी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिया हैं। यह अब तक का सबसे बड़ा कदम है, जो सीमा सुरक्षा और जनता की सुरक्षा को मजबूत करने के तहत उठाया है। अमेरिकी विदेश विभाग के मुख्य उप प्रवक्ता टामी पिगाट ने कहा कि ट्रंप प्रशासन की सबसे बड़ी प्राथमिकता अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा करना और संप्रभुता को बनाए रखना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई पिछले सालों की तुलना में कहीं ज्यादा सख्त है। उन्होंने कहा कि एक साल से भी कम समय में, विदेश विभाग ने विदेशी नागरिकों के 100,000 से ज़्यादा वीजा रद्द कर दिए हैं जो एक नया रिकार्ड है और 2024 के बाद से रद्द किए जाने में 150 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी है। विदेश विभाग के बयान में कहा गया है कि जिन विदेशी नागरिकों के वीजा रद्द किए गए हैं उन पर कई तरह के अपराधों का आरोप था या उन्हें दोषी ठहराया गया था।

ट्रंप प्रशासन का कहना है कि वीज़ा रद्द होने के मामलों में बढ़ोतरी की वजह जांच और निगरानी की नई और सख्त व्यवस्था है, जिसे राष्ट्रपति

यह कदम अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा और संप्रभुता को बनाए रखने उठाया

डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में शुरू किया गया।

विदेश विभाग का हाल ही में लान्च किया गया कंटीन्यूअस वेटिंग सेंटर यह सुनिश्चित करता है कि अमेरिकी धरती पर सभी विदेशी नागरिक हमारे कानूनों का पालन करें और जो लोग अमेरिकी नागरिकों के लिए खतरा पैदा करते हैं, उनके वीज़ा तुरंत रद्द कर दिए जाएं।

अधिकारियों के मुताबिक पहले जांच केवल वीज़ा आवेदन या अमेरिका में प्रवेश के समय होती थी, लेकिन अब इस नई व्यवस्था से बाद में भी निगरानी रखी जाती है। इससे किसी अपराध में नाम आने पर तुरंत कार्रवाई संभव हो पाती है। पिगाट ने कहा कि यह नीति देश की सुरक्षा को लेकर प्रशासन की व्यापक सोच को दिखाती है। हालांकि बयान में यह नहीं बताया गया कि सबसे ज्यादा वीजा किन देशों के लोगों के रद्द किए गए या इनमें कितने पर्यटक, छात्र या लंबे समय से रहने वाले लोग शामिल थे।

वैज्ञानिकों को समुद्र की तलहटी में मिली सड़क जैसी संरचना

लंदन। वैज्ञानिकों को यहां हवाई द्वीपों में समुद्र के नीचे ऐसा रहस्यमय नज़ारा देखने को मिला, जिसने न सिर्फ शोधकर्ताओं को हैरान कर दिया, बल्कि आम लोगों की कल्पना को भी नई उड़ान दे दी। समुद्र की तलहटी में एक पथरीली संरचना दिखाई दी, जो देखने में किसी सड़क जैसी लग रही थी, और जिसे लोग येलो ब्रिक रोड' कहने लगे। यह चौंकाने वाली खोज साल 2022 में सामने आई, जब वैज्ञानिक हवाई द्वीपों के उत्तर में स्थित एक गहरे समुद्री इलाके का अध्ययन कर रहे थे। यह इलाका समुद्र की सतह से करीब 3,000 मीटर से भी ज्यादा गहराई में मौजूद है। जब शोधकर्ताओं ने पानी के नीचे कैमरों की मदद से वहां की तस्वीरें देखीं, तो उन्हें एक ऐसी संरचना नजर आई, जो बिल्कुल पीली ईंटों से बनी सड़क जैसी दिख रही थी। यही वजह रही कि लोगों ने इसकी तुलना मशहूर परीकथा विज़ार्ड आफ़ ओज़' की येलो ब्रिक रोड से कर दी। यह खोज ओसन एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट के रिसर्च पोत ई/वी न्यूटिलस के जरिए की गई थी। वैज्ञानिकों की टीम उस वक्त पीएमएनएम क्षेत्र में स्थित लिलि ओकालानी रिज्ड का सर्वे कर रही थी। यह इलाका दुनिया के सबसे बड़े समुद्री संरक्षण क्षेत्रों में से एक माना जाता है और हैरानी की बात यह है कि इसके समुद्री तल का अब तक सिर्फ लगभग 3 प्रतिशत हिस्सा ही खोजा जा सका है।

आईएमएफ की रिपोर्ट में खुलासा, पाक की सरकारी कंपनियां घाटे में, रक्षा बजट 20 प्रतिशत बढ़ाया

इस्लामाबाद,14 जनवरी (एजेंसियां)।

वर्तमान में पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था गंभीर संकट में है। सेना प्रमुख मुल्ला मुरीन का पाकिस्तान कंगाली की कगार पर खड़ा हुआ है। इंटरनेशनल मानिटरिंग फंड (आईएमएफ) देश को कर्ज इसलिए देता है कि वहां आर्थिक सुधार करे और पुराने कर्ज चुकाने की रणनीति बनाए। हालांकि राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी और लंबे समय से चल रहे आर्थिक संकट के बीच पाकिस्तान की सरकारी कंपनियां लगातार घाटे में जा रही हैं। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इन कंपनियों का शुद्ध घाटा 300 प्रतिशत तक बढ़ गया है, जबकि करदाताओं के पैसे से दी जाने वाली मदद 2.1 ट्रिलियन रुपये तक पहुँच गई है। वित्त वर्ष 2025 में सरकारी कंपनियों का कुल राजस्व 1.4 ट्रिलियन से घटकर 12.4 ट्रिलियन रुपये रह गया, और कुल शुद्ध घाटा 30.6 अरब से बढ़कर 122.9 अरब रुपये हो गया। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और बिजली वितरण कंपनियां अभी भी भारी घाटे में चल रही हैं। रिपोर्ट में इस स्थिति को भयानक संरचनात्मक विफलता कहा गया है, जो लगातार सार्वजनिक संसाधनों को खा रही है और आर्थिक स्थिरता को कमजोर कर रही है। रिपोर्ट में इस बात का ज़िक किया गया हैं कि गरीबों की जेब कट रही है जबकि अमीरों की कमाई बढ़ रही है। सरकार

कागजी तौर पर जीडीपी बढ़ाने वाले क्षेत्रों, जैसे रियल एस्टेट, को बढ़ावा दे रही है। इससे अमीर वर्ग अपनी संपत्ति बढ़ाता है, लेकिन वास्तविक निवेश नहीं होता। 2019 के बाद से सबसे गरीब 20 प्रतिशत परिवारों की मासिक आय में 12 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि अमीर वर्ग की आय में 7 प्रतिशत वृद्धि हुई है। वहीं आम लोगों की बचत 66 प्रतिशत घट गई है, और स्वास्थ्य व शिक्षा पर खर्च में 19 प्रतिशत की कमी हुई है। पाकिस्तान पर जून 2025 तक 80.6 ट्रिलियन रुपये का कर्ज है, और कर्ज-से-जीडीपी अनुपात 70 प्रतिशत तक पहुँच गया है। धीमी आर्थिक वृद्धि के कारण कर्ज हर दिन बढ़ रहा है। पाकिस्तान ने 2025 में अपना रक्षा बजट 20 प्रतिशत बढ़ा दिया, और कर्ज चुकाने के लिए हथियारों की बिक्री और चीन की मदद जैसी रणनीतियाँ अपनाई, लेकिन इससे आम जनता को कोई राहत नहीं मिल रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, सरकारी कंपनियों का लगातार घाटे में जाना, गरीबों की घटती आय और बढ़ता कर्ज पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर खतरे का संकेत है।

ट्रंप का दावा-ईरान में 12,000 प्रदर्शनकारी मारे गए, मदद भेजने की घोषणा

वाशिंगटन,14 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान की इस्लामिक सरकार के आदेश पर वहां प्रदर्शनकारियों के साथ हिंसा की जा रही है। मरने वालों की संख्या बढ़कर 12,000 हो गई है। ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों को आश्वस्त किया कि वह मदद भेज रहे हैं। कुछ देर पहले की गई इस घोषणा में यह साफ नहीं किया गया है कि यह मदद किस प्रकार की होगी।

ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट में इस सारे घटनाक्रम पर अहम जानकारी दी गई है। इसमें ट्रंप प्रशासन की हलचल के अलावा ईरान के निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी के हवाले से भी स्थिति पर टिप्पणी की गई है। पहलवी ने मंगलवार को कहा कि ईरान में अशांति के कारण मरने वालों की संख्या हाल के दिनों में बढ़ गई है। उन्होंने अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से प्रदर्शनकारियों का समर्थन देने का आग्रह किया।

फाक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार पहलवी ने कहा, दुखद खबर यह है कि पिछले दो दिनों में मरने वालों की संख्या बढ़ गई है। यह 9/11 के आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों की संख्या से चार गुना ज्यादा है। अब तक जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार कम से कम 12,000 लोग मारे गए हैं। उन्होंने कहा, निहत्थे प्रदर्शनकारियों को मारने के लिए सैन्य हथियारों, एके-47, बख्तरबंद ट्रकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। उनके शव बुलडोजर से उठाए जा रहे हैं।

ईरान इंटरनेशनल के संपादकीय बोर्ड ने सूत्रों और मेडिकल डेटा की समीक्षा के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला कि आठ और नौ जनवरी की रात विरोध प्रदर्शन के दौरान कम से कम 12,000 लोग मारे गए। इस पर नीदरलैंड, स्पेन और फिनलैंड सहित कई यूरोपीय देशों ने प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई का विरोध करने के लिए ईरान के राजदूतों को तलब किया।

ईरान के मौजूदा हालात से आहत वहां के सर्वोच्च सुन्नी धर्मगुरु मौलवी अब्दुल हामिद ने मंगलवार को देश भर के शहरों में प्रदर्शनकारियों की हत्या की निंदा की और चेतावनी दी कि ऐसे आदेश देने वालों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने एक्स पर कहा, तेहरान और देश के अन्य शहरों में कुछ ही दिनों में हजारों प्रदर्शनकारियों का नरसंहार दुखद है। इस घटना ने ईरान को दुख और गुस्से में डुबो दिया है और दुनिया भर आजादी पसंद लोगों की अंतरात्मा को गहरी चोट पहुंचाई है। ऐसा आदेश देने वाला परलोक में भी ईश्वरीय दंड का हकदार होगा।

इस बीच अमेरिकी प्रतिनिधि क्लाउडिया टेनी ने मंगलवार को एक्स पर एक तस्वीर पोस्ट की। इसमें ईरान के सर्वोच्च नेता ली खामेनेई की तस्वीर को सिगार सुलगाने के लिए जलाया जा रहा है। इस तरह की विरोध वाली तस्वीरें जमकर वायरल हो रही हैं। न्यूयार्क की रिपब्लिकन हाउस सदस्य ने कहा, अगर आपके पास हैं तो उन्हें जलाओ।

मकर संक्रांति पर दिल्ली को बड़ी सौगात, सीएम रेखा गुप्ता ने 81 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, 14 (एजेंसियां)। मकर संक्रांति के अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्रीय राजधानी के लोगों को बड़ी सौगात दी है। बुधवार को उन्होंने दिल्ली भर में 81 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन नए केंद्रों के शुरू होने से दिल्ली के नागरिकों को उनके घर के पास ही बेहतर, सुलभ और सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। उद्घाटन के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि इससे पहले दिल्ली में 238 आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहले से ही काम कर रहे थे। अब 81 नए केंद्र जुड़ने के बाद राजधानी में कुल 319 आयुष्मान आरोग्य मंदिर हो जाएंगे।

उन्होंने कहा, आज मकर संक्रांति के दिन 81 नए आरोग्य मंदिर शुरू किए गए हैं। इसके साथ ही दिल्ली के लोगों को अधिक आरामदायक और आसानी से उपलब्ध होने वाली स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की तरह काम करते हैं और दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।उन्होंने कहा कि ये केंद्र बड़े अस्पतालों पर बढ़ते दबाव को कम करेंगे और आम लोगों की रोजमर्रा की स्वास्थ्य जरूरतों को समय पर पूरा करने में मदद करेंगे। अब नागरिकों को छोटी-छोटी बीमारियों के इलाज के लिए दूर बड़े अस्पतालों में नहीं जाना पड़ेगा।रेखा गुप्ता ने यह भी बताया कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य पूरे शहर में कुल 1,100 आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित करने का है और इस दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। आने वाले महीनों में और भी केंद्र शुरू किए जाएंगे।इस मौके पर भाजपा विधायक सतीश उपाध्याय ने कहा कि जिस तरह से आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का निर्माण किया जा रहा है, वह सराहनीय है।उन्होंने बताया कि भीम नगर और मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में यह आठवां आरोग्य मंदिर है और यहां दो और आरोग्य मंदिर बनाए जाने हैं।एक दिन पहले दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने भी इस योजना को लेकर अहम जानकारी दी थी।

उन्होंने कहा था कि आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के विस्तार से दिल्ली में सुलभ और निवारक स्वास्थ्य सेवाएं और मजबूत होंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि 81 नए केंद्र जुड़ने के बाद दिल्ली में कुल आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की संख्या बढ़कर 319 हो जाएगी।स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह पहल राजधानी के दीर्घकालिक प्राथमिक स्वास्थ्य रोडमैप के तहत की जा रही है, जिसके तहत 1,100 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार 'सभी के लिए स्वास्थ्य' के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप काम कर रही है।पंकज कुमार सिंह ने बताया कि हर आयुष्मान आरोग्य मंदिर में मुफ्त डॉक्टर परामर्श, जरूरी दवाइयां और जांच की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, कैंसर की स्क्रीनिंग, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण, बच्चों की ग्रोथ मॉनिटरिंग, लाइफस्टाइल काउंसलिंग, मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं, योग और पोषण से जुड़ी सलाह भी दी जाएगी।उन्होंने कहा कि ये मोहल्ला स्तर के स्वास्थ्य केंद्र महिलाओं, बुजुर्गों और गरीब परिवारों के लिए बेहद लाभकारी होंगे, क्योंकि इससे उन्हें लंबी दूरी तय करने और अस्पतालों की लंबी कतारों से राहत मिलेगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और आयुष्मान भारत-वय वंदना योजना के तहत दिल्ली में 13 जनवरी 2026 तक कुल 6,91,530 हेल्थ कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिनमें 2,65,895 वय वंदना कार्ड शामिल हैं।

इसके अलावा, दिल्ली में अब 189 सूचीबद्ध अस्पताल हैं, जिनमें निजी, दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के अस्पताल शामिल हैं, जहां जरूरतमंद परिवारों को कैशलेस इलाज की सुविधा मिल रही है।

राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड किसानों को बना रहा सशक्त, दुनिया में बढ़ा रहा भारतीय हल्दी का निर्यात : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 14 (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड (एनटीबी) देश के किसानों को सशक्त बना रहा है और भारतीय हल्दी के निर्यात को दुनिया भर में बढ़ावा दे रहा है। राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की स्थापना के एक साल पूरे होने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस बोर्ड ने अपने उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में काफी अच्छी प्रगति की है। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि इस बोर्ड की स्थापना का उद्देश्य हल्दी के उत्पादन को बढ़ाना, किसानों को सशक्त बनाना और दुनिया भर में हल्दी के निर्यात को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि बोर्ड ने इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कई अहम कदम उठाए हैं।

मंत्री ने आगे कहा कि वह बोर्ड की सफलता की कामना करते हैं, ताकि यह किसानों की मदद करता रहे, व्यापारियों और निर्यातकों के लिए नए अवसर खोले और भारत की समृद्धि को दुनिया तक पहुंचाए।इस बीच, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत से हल्दी के निर्यात में 50.7 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो पिछले वित्त वर्ष के 226.58 मिलियन डॉलर की तुलना में बढ़कर 341.54 मिलियन डॉलर हो गया।संसद के शीतकालीन सत्र में वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने बताया कि साल 2024-25 में भारत से 1.76 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा हल्दी का निर्यात हुआ, जबकि 2023-24 में यह आंकड़ा 1.62 लाख मीट्रिक टन था।भारत का दुनिया के हल्दी बाजार में 66 प्रतिशत हिस्सा है और साल 2020 से देश से सबसे ज्यादा हल्दी आयात करने वाले टॉप-पांच देशों में बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), अमेरिका, मलेशिया और मोरक्को शामिल हैं।

राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड हल्दी से बने नए उत्पादों को बढ़ावा देने, हल्दी और उसके उत्पादों के बारे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में जागरूकता फैलाने और इनके इस्तेमाल को बढ़ाने के लिए काम कर रहा है।

बोर्ड हल्दी की आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत और टिकाऊ बनाने पर भी ध्यान दे रहा है। इसके साथ ही निर्यात के लिए बेहतर ढांचा, परिवहन सुविधाएं और गुणवत्ता व सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

मकर संक्रांति के पर्व पर भाजपा नेताओं ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं, सुख-समृद्धि की कामना

नई दिल्ली, 14 (एजेंसियां)। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर देश के शीर्ष नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और इस पर्व के सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित किया। यह त्योहार न सिर्फ मौसम के बदलाव का संकेत देता है, बल्कि नई शुरुआत, सकारात्मकता और समृद्धि का संदेश भी देता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मकर संक्रांति के महापर्व पर लोगों को बधाई दी।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि उत्तरायण के इस पावन पर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने भगवान सूर्य नारायण से सभी के कल्याण और मंगल की कामना की। अमित शाह ने अपने संदेश में इस पर्व को आस्था और ऊर्जा से जुड़ा हुआ बताया। वहीं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व लिखाधर्म, सेवा और दान-पुण्य का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति भारतीय संस्कृति और परंपराओं का एक समृद्ध त्योहार है, जो समाज को सकारात्मकता, समानता और समर्पण की भावना से जोड़ता है। जेपी नड्डा ने कामना की कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में आरोग्य, समृद्धि और सौभाग्य लेकर आए और सूर्यदेव की कृपा से देशवासियों का जीवन खुशहाल बने।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी मकर संक्रांति, उत्तरायण, माघ बिहू और पोंगल जैसे पर्वों की एक साथ शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ये सभी त्योहार नई शुरुआत, शुभ अवसरों और प्रकृति की शाश्वत लय के प्रतीक हैं।

राजनाथ सिंह ने अपने संदेश में कहा कि ये पर्व भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से गहराई से जुड़े हुए हैं और सद्भाव, संतुलन तथा विविधता में एकता का संदेश देते हैं। उन्होंने कामना की कि यह पवित्र समय देश में शांति, समृद्धि और सामूहिक विकास लेकर आए।

इसके अलावा भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने भी मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सूर्य के उत्तरायण होने का यह पावन अवसर सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और निरंतर प्रगति लेकर आए। उन्होंने देशवासियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ऑपरेशन पवन में शामिल रहे शांति सैनिकों के योगदान को मान्यता : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 14 (एजेंसियां)। 'ऑपरेशन पवन' में भारतीय सेनाओं ने अद्भुत साहस, शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया। कई सैनिकों ने कर्तव्य की राह पर चलते हुए वीरगति प्राप्त की। उनका साहस और बलिदान हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा होनी ही चाहिए। बुधवार को सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस के अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह बात कही। भारतीय सेना के कई वीर जवानों ने वर्ष 1987 से 1990 के बीच श्रीलंका में शांति, स्थिरता और क्षेत्रीय सद्भाव बनाए रखने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन पवन' में सर्वोच्च बलिदान दिया था। सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस के मौके पर राजनाथ सिंह ने कहा, ''आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार 'ऑपरेशन पवन' में भाग लेने वाले शांति सैनिकों के योगदान को न केवल खुले मन से स्वीकार कर रही है, बल्कि उनके योगदान को हर स्तर पर मान्यता देने की प्रक्रिया भी चल रही है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जब 2015 में अपनी श्रीलंका यात्रा पर गए थे, तो उन्होंने इंडियन पीस कीपिंग फोर्स मेमोरियल पर अपनी तरफ से भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की थी। अब हम नई दिल्ली स्थित 'नेशनल वॉर मेमोरियल' पर भी इंडियन पीस कीपिंग फोर्स के शांति सैनिकों के योगदान को पहचान प्रदान कर रहे हैं और उन्हें पूरा सम्मान भी दे रहे हैं।''

राजनाथ सिंह ने कहा, मैं आज से लगभग 40 साल पहले इंडियन पीस कीपिंग फोर्स के रूप में श्रीलंका में शांति स्थापना के लिए चलाए गए सैन्य अभियान में भाग लेने वाले सभी पूर्व सैनिकों का भी स्मरण करना चाहता हूं। श्रीलंका में भारतीय सेनाओं को भेजने का जो निर्णय तत्कालीन सरकार ने लिया था, उस पर बहस की गुंजाइश है, मगर 'ऑपरेशन पवन' में भाग लेने वाले इंडियन पीस कीपिंग फोर्स के सैनिकों की जो उपेक्षा की गई, उसे किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराया जा सकता। भारतीय सेना ने जो बलिदान और संघर्ष उस दौरान किया, उसका सम्मान किया जाना चाहिए था।''

रक्षा मंत्री ने कहा कि किसी भी सैनिक के लिए रिटायरमेंट बस एक शब्द होता है। असल मायने में कोई सैनिक कभी रिटायर नहीं होता। आप सब, जब सर्विस से रिटायर हुए, तो क्या आपकी सेवा समाप्त हो गई? बिल्कुल नहीं। आपकी वर्दी का रंग बदल सकता है, आपके काम करने की जगह बदल सकती है, आपके आसपास रहने वाले लोग बदल सकते हैं, लेकिन आपके दिल में देशभक्ति और सेवा की भावना वैसी की वैसी ही बनी रहती है।

रक्षा मंत्री ने कहा,''पूरा देश हर क्षेत्र में आपके योगदान को देख रहा है, महसूस कर रहा है। हमारी सरकार का भी यह मानना है कि हमारे सैनिक और पूर्व सैनिक देश के मजबूत स्तंभ हैं। उनकी देखभाल करना, हमारा नैतिक और भावनात्मक कर्तव्य है। हमारी सरकार ने भी अपने पूर्व सैनिकों के लिए, बीते वर्षों में कई ठोस फैसले लिए हैं और आने वाले समय में भी यह सिलसिला रुकेगा नहीं। आज, सारा देश अपने पूर्व सैनिकों के योगदान का स्मरण करते हुए, उनके प्रति आभार की अभिव्यक्ति कर रहा है।''

उन्होंने बताया कि लंबे समय से चली आ रही 'वन रैंक, वन पेंशन' की मांग को सरकार ने पूरी ईमानदारी से साकार किया। उस असमानता को खत्म करने का प्रयास किया गया, जिसे हमारे पूर्व सैनिक वर्षों से महसूस कर रहे थे। इस व्यवस्था के लागू होने से, पूर्व सैनिकों के जीवन में न केवल वित्तीय स्थिरता आई बल्कि यह भरोसा भी मजबूत हुआ कि देश उनके साथ न्याय करता है।

रक्षामंत्री ने कहा कि आज, पूर्व सैनिक दिवस के अवसर पर, मैं सभी को, पूर्व सैनिकों को बधाई देता हूं। मैं इस अवसर पर आज, वीरगति प्राप्त हो चुके अपने सैनिकों के प्रति, देश सेवा में संलग्न रहे अपने पूर्व सैनिकों के प्रति, तथा अपने सैनिकों के प्रति, कृतज्ञ राष्ट्र की तरफ से आभार व्यक्त करता हूं। आप सभी केवल सर्विस से रिटायर हुए एक सैनिक भर नहीं हैं, आप हमारी राष्ट्रीय चेतना के जीवंत स्तंभ, हमारे सामूहिक साहस के प्रतीक और हमारी भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं।

राहुल गांधी पर बोले अयोध्या के साधु-संत, वे शुद्ध रूप से कालनेमि हैं

अयोध्या, 14 (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के राम मंदिर में दर्शन को लेकर चल रही अटकलों पर अयोध्या के संतों और महंतों ने प्रतिक्रिया दी। हनुमान गढ़ी मंदिर के महंत राजू दास ने कहा कि जो व्यक्ति हिंदुओं को हिंसक कहे, जो यह कहे कि युवा मंदिर लड़कियों को छेड़ने के लिए जाते हैं, जिनकी पार्टी राम मंदिर के विरोध में 17 वकील खड़े कर दे, जो हमेशा सनातन की संस्कृति की अवहेलना करे, लेकिन राम मंदिर का विरोध करने वाली पार्टी के नेता आते हैं तो स्वागत है। कालनेमि से सचेत होने की जरूरत है। जब ये सत्ता में होते हैं तो सनातन पर प्रहार करते हैं। हनुमानगढ़ी के देवेशाचार्य महाराज ने कहा कि देखिए, सूचना मिली है कि वे आ सकते हैं। स्वागत योग्य है। देर ही सही, राम की शरण में आ रहे हैं, कल्याण होगा। रामलला का दर्शन कर रहे हैं तो उनकी पार्टी का भी कल्याण होगा। किसी भी राजनीतिक दल को राम के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

महामंडलेश्वर विष्णु दास ने कहा कि राहुल गांधी तो भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाते थे। सद्बुद्धि कहां से आ गई कि वे राम मंदिर आ रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राम पर सवाल उठाने वाले क्यों आ रहे हैं। यह राहुल गांधी की मानसिकता को दिखाता है कि वे राम विरोधी हैं। कभी कहते हैं हिंदू हिंसा फैलाता है, राम के वजूद पर सवाल उठाते हैं। वे राजनीति से प्रेरित होकर आ रहे हैं।

सीताराम दास महाराज ने कहा कि राहुल गांधी के डीएनए में खोट है। समय-समय पर गिरगिट की तरह रूप बदलने वाले शुद्ध कालनेमी हैं। यूपी चुनाव को देखते हुए राम मंदिर आ रहे हैं। मैं पूछता हूं कि वे राम प्राण प्रतिष्ठा में क्यों नहीं आए। वे राम सेतु के अस्तित्व पर सवाल उठाते थे। भगवान राम का दर्शन करने से उनका कल्याण नहीं होगा। इनकी पार्टी के लोग साधु-संतों पर अभद्र टिप्पणी करते हैं। इन्हें सनातन कभी स्वीकार नहीं करेगा। ये मजार पर चादर चढ़ाते हैं।

उन्होंने कहा कि जो राम को काल्पनिक कहते थे, जो राम सेतु को काल्पनिक मानते हैं, अब राम की शरण में जाने की जरूरत क्यों महसूस हो रही है?

दिल्ली ब्लास्ट मामला: शाहीन सईद सहित चार आरोपियों की हिरासत बढ़ी, कोर्ट ने तीन दिनों तक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली, 14 (एजेंसियां)। दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार में हुए ब्लास्ट के मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने डॉक्टर शाहीन, मुफ्ती इरफान अहमद, जासिर बिलाल वानी, डॉ. अदील अहमद और मुजम्मिल को भी 3 दिनों की राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) की हिरासत में भेज दिया है। एनआईए ने मंगलवार को ही कोर्ट से डॉ. शाहीन की पुलिस रिमांड मांगी थी। डॉ. शाहीन को पिछले महीने पटियाला हाउस कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजा था। एनआईए का कहना है कि हिरासत बढ़ाने का उद्देश्य आरोपी से विस्तृत पूछताछ करना और विस्फोट के पीछे के नेटवर्क को उजागर करना है। एजेंसी जांच में यह पता लगा रही है कि किस तरह से विस्फोट की योजना बनाई गई, सहयोगी कौन थे और हथियार एवं विस्फोटक सामग्री कैसे जुटाई गई।

एजेंसी का मानना है कि यह मॉड्यूल जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों से लिंक है। अब तक कई आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें डॉ. मुजम्मिल शकील गनी, डॉ. शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान और अन्य शामिल हैं।

केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के साथ मिलकर एनआईए पूरी साजिश का पता लगाने में जुटी है। जांच में विदेशी हैंडलरों के लिंक भी सामने आ रहे हैं। यह गिरफ्तारी मामले में बड़ा कदम मानी जा रही है और आगे और खुलासे होने की उम्मीद है। इस हमले ने राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं और जांच तेजी से आगे बढ़ रही है।

नगर निगम चुनाव पूरे दमखम से लड़ेगी कांग्रेस, जीत सुनिश्चित : राव नरेंद्र सिंह

पंचकूला, 14 (एजेंसियां)। हरियाणा में वर्ष 2026 में होने वाले अंबाला, पंचकूला एवं सोनीपत नगर निगम चुनावों को लेकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। प्रदेश भर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है और संगठन पूरी मजबूती एवं अनुशासन के साथ चुनावी मैदान में उतरने के लिए तैयार है। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कांग्रेस नगर निगम चुनाव पूरे दमखम के साथ लड़ेगी तथा जीत सुनिश्चित करने के लिए ठोस और व्यावहारिक रणनीति पर काम किया जा रहा है। इसी क्रम में चुनावी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से पार्टी द्वारा जिला स्तरीय विशेष चुनाव समितियों का गठन किया गया है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि गठित चुनाव समितियां संगठनात्मक समन्वय, चुनावी तैयारियों, प्रचार-प्रसार, जनसंपर्क तथा चुनाव से जुड़ी सभी औपचारिकताओं को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस जनता के मुद्दों, विकास के स्पष्ट एजेंडे और मजबूत संगठनात्मक ढांचे के बल पर नगर निगम चुनावों में विजय का परचम लहराएगी।

प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व ने स्पष्ट किया कि पार्टी जमीनी स्तर पर जनसंपर्क को और अधिक सशक्त करेगी तथा समाज के हर वर्ग की समस्याओं को प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाकर जनता के बीच जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा के दमनकारी रवैये से जनता त्रस्त है और अब और सहन नहीं करेगी। कांग्रेस ही एकमात्र ऐसा विकल्प है जो जनहित, समाजवाद, समानता और समग्र विकास की विचारधारा पर दृढ़ता से खड़ी है।

राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि सभी कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता एकजुट होकर, अनुशासित तरीके से यह चुनाव लड़ेंगे और विजय सुनिश्चित करेंगे।

प्रयागराज में चार बच्चों की तालाब में डूबने से मौत

प्रयागराज, 14 (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में बुधवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जिससे पूरे इलाके में कोहराम मच गया। पुरामुफ्ती थाना क्षेत्र के कुसुआ गांव में स्थित एक तालाब में डूबने से चार किशोरों की मौत हो गई। हादसे की खबर फैलते ही गांव में कोहराम मच गया और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। पुरामुफ्ती थाने के अधीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि गांव से एक किलोमीटर की दूरी पर तालाब पर नहाने आए थे। इस दौरान वे चारों डूब गए। सभी के शव निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। इनमें तीन नाबालिग बच्चे और एक युवक शामिल थे। पूरे मामले की जांच की जा रही है। गांव के लोगों ने आशंका जताई है कि खेलते-खेलते वे तालाब के गहरे हिस्से में चले गए और एक के बाद एक डूबते चले गए। तालाब के किनारे बच्चों के कपड़े और चप्पल मिलने से इस बात को बल मिला है कि वे वहीं आसपास मौजूद थे। काफी देर तक जब बच्चे घर नहीं लौटे तो परिजनों ने तलाश शुरू की, जिसके बाद तालाब में उतराकर खोजबीन की गई और चारों के शव बरामद हुए।

उधर, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही पुरामुफ्ती थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला तालाब में डूबने का प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है।

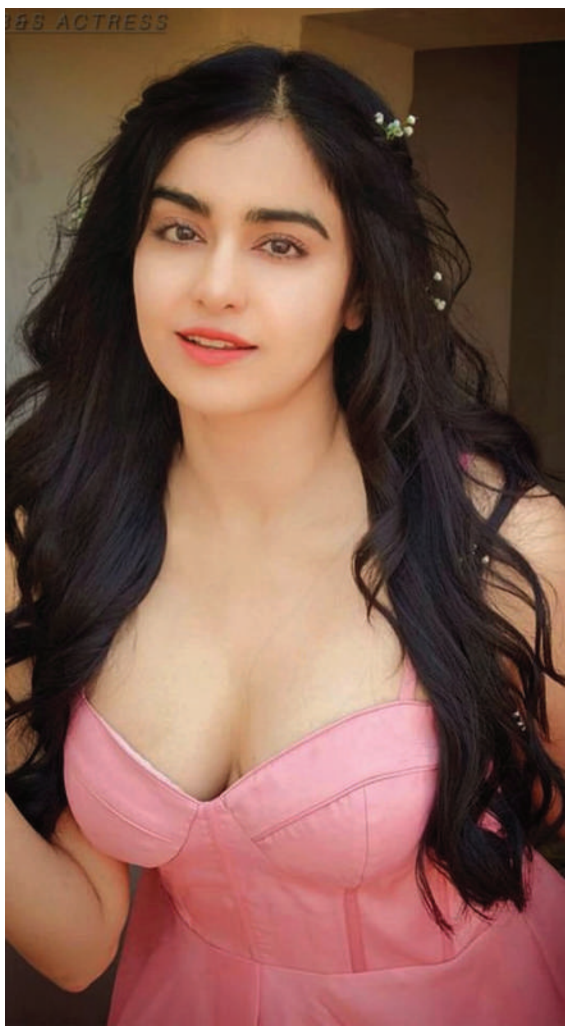

ड्रीम को लेकर सीमा में नहीं बंधना चाहतीं अदा शर्मा

अभिनेत्री अदा शर्मा ने अब तक एक्शन, हॉरर, ड्रामा से लेकर बोल्ड रोल्स तक हर तरह की फिल्मों में अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता है। लेकिन वह किसी खास डायरेक्टर, एक्टर या कहानी के पीछे नहीं भागतीं। अदा का मानना है कि सपनों को किसी भी तरह की सीमा में बांधना गलत है। इसी सोच के साथ वे एक अलग और खुला एक्टिंग फॉर्मूला अपनाती हैं, जहां वे सिर्फ अच्छे रोल्स पर फोकस करती हैं और बाकी सब यूनिवर्स पर छोड़ देती हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस से अपने करियर और सपनों को लेकर खुलकर बात की। आईएएनएस से खास बातचीत में उन्होंने कहा कि वह अपने 'ड्रीम' को किसी भी तरह की लिमिट में नहीं बांधना चाहतीं। अदा का मानना है कि अगर कोई एक्टर खुद को किसी खास डायरेक्टर या स्टाइल तक सीमित कर ले, तो यह बहुत प्रतिबंधक हो जाता है।

अदा ने कहा, मेरा ड्रीम ईमानदारी से यही है कि मैं अच्छी फिल्में करूं और अच्छे रोल्स निभा पाऊं। अगर मैं ये तय कर लूं कि मैं सिर्फ इन-इन डायरेक्टर्स के साथ काम करूंगी, तो यह खुद को सीमा में बांधना होगा। मैं उन सबके साथ काम करना चाहती हूं, जिसके पास भी मेरे लिए अच्छा रोल हो।

उन्होंने सुदीप्तो सेन का उदाहरण देते हुए कहा, अगर मेरा ड्रीम होता कि मैं किसी खास डायरेक्टर के साथ ही काम करूंगी, तो 'द केरल स्टोरी' कभी नहीं होती। सुदीप्तो सेन की वो पहली बड़ी फिल्म थी, मैं उन्हें जानती भी नहीं थी। तो मेरा ड्रीम था ही नहीं कि मैं उनके साथ काम करूं, क्योंकि मुझे उनके बारे में पता ही नहीं था। ड्रीम करके हम खुद को बहुत लिमिट कर लेते हैं। मैं चाहती हूं कि यूनिवर्स फैसला करे कि मैं क्या करूं, किनके साथ करूं। मेरी इच्छा बस इतनी है कि मैं अच्छे रोल्स करूं, जो ऑडियंस को पसंद आएं और मुझे करने में मजा आए।

अदा ने बताया कि दर्शक उन्हें हर तरह के किरदार में स्वीकार करते हैं, जो उनके लिए बहुत बड़ी बात है। उन्होंने बताया, कुछ एक्ट्रेसेज को लोग सिर्फ एक लुक या एक टाइप में स्वीकार करते हैं, लेकिन मुझे भूत से लेकर मासूम लड़की तक में स्वीकार करते हैं। '1920' में मैंने डरावना किरदार निभाया, 'सनफ्लावर' में बोल्ड बार डांसर रोजी का, 'द केरल स्टोरी' में भोली-भाली मासूम लड़की का और 'कमांडो' में एक्शन रोल था। किसी ने नहीं कहा कि केरल स्टोरी वाली लड़की एक्शन क्यों कर रही है और एक एक्टर के लिए यह बहुत अच्छी चीज है। जब दर्शक आपको हर किरदार में स्वीकार करते हैं तो आगे बढ़ने और अक्सर कुछ खास करने का उत्साह मिलता है।

साल 2026 के बारे में बात करते हुए अदा ने उत्साह जताया। उन्होंने कहा, साल 2026 में फैंस को बहुत कुछ नया और शानदार मिलने वाला है। बहुत सारा कुछ है। मैं अलग-अलग किरदारों से लोगों को एंटरटेन करना चाहती हूं, उन्हें रुलाना, हंसाना, एक्शन, ड्रामा, कॉमेडी, हॉरर सब कुछ देना चाहती हूं। मैं बहुत लकी हूं कि मुझे ऐसे रोल्स मिल रहे हैं।

मैं यामी की फैन हूं, फिल्म हक की परफॉर्मेंस ने आलिया भट्ट का जीता दिल

फिल्में केवल मनोरंजन का साधन नहीं होतीं, बल्कि कभी-कभी उनका प्रभाव इतना गहरा होता है कि वे इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों तक को भी प्रभावित कर देती हैं। हाल ही में रिलीज हुई कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'हक' ने ऐसा ही प्रभाव डाला है। यामी गौतम की बेहतरीन परफॉर्मेंस ने दर्शकों के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री की बड़ी हस्तियों को भी दीवाना बना दिया है। आलिया भट्ट ने 'हक' देखकर अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर यामी गौतम की खुलकर तारीफ की और खुद को उनका फैन बताया। आलिया भट्ट ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि 'हक' यामी गौतम की अब तक की सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस में से एक है। उन्होंने यामी को 'क्वीन' कहा और उनके अभिनय, दिल और मेहनत की तारीफ की।

आलिया ने लिखा, ''क्वीन यामी गौतम, आपकी 'हक' में परफॉर्मेंस जबरदस्त है और आपकी कला ने हर मोड़ पर मेरा दिल जीत लिया। आपने अपने किरदार में इतनी गहराई और प्रामाणिकता दिखाई कि मैं आपकी कायल हो गई।''

आलिया ने आगे लिखा, ''जैसा कि मैंने आपको फोन पर भी बताया कि मैं हमेशा आपका नया काम देखने के लिए उत्साहित रहती हूं और हर नए प्रोजेक्ट का इंतजार करती हूं। मैं आपकी फैन हूं। 'हक' की सफलता के लिए आपको बधाई।''

उन्होंने लिखा, ''मैं हमेशा आपकी कला का सम्मान करती हूं और आपका काम मुझे बेहद पसंद आता है। इस तरह, फिल्म ने न केवल दर्शकों को बल्कि इंडस्ट्री के सहकर्मियों को भी प्रभावित किया।''

सिर्फ आलिया ही नहीं, बल्कि कई अन्य फिल्म इंडस्ट्री की हस्तियों ने भी यामी और फिल्म 'हक' की टीम की सराहना की है।

फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान ने भी यामी और इमरान हाशमी की तारीफ की थी। फराह खान ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''यामी, आप हर अवॉर्ड लेने के लिए तैयार हो जाओ, आपकी परफॉर्मेंस अद्भुत है। ये इमरान हाशमी की भी अब तक की बेस्ट परफॉर्मेंस है।''

'हक' फिल्म 7 नवंबर 2025 को रिलीज हुई थी। इसके बाद अब यह डिजिटल प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

संघर्ष के साथ तय किया फिल्मी सफर : फातिमा सना

बॉलीवुड एक्ट्रेस फातिमा सना शेख छोटी उम्र से ही इंडस्ट्री का हिस्सा रही हैं और इसलिए उन्होंने सब कुछ देखा है। कुछ ऐसी चीजें भी जो एक बच्चे को नहीं देखनी चाहिए। उनके अनुभवों ने उन्हें जल्दी परिपक्व बना दिया, लेकिन उनके अंदर की मासूमियत आज भी जिंदा है। फातिमा सना शेख ने 4 साल की उम्र से करियर की शुरुआत की और टीवी की जर्नी से होते हुए बॉलीवुड में एंट्री ली। हालांकि बचपन में उन्हें शूटिंग सेट पर काफी कुछ झेलना पड़ता था। 11 जनवरी को फातिमा सना शेख अपना 34वां जन्मदिन मनाएंगी। दंगल से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली सना शेख बचपन में ही बड़े स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। उन्होंने कमल हासन और तब्बू अभिनीत 1997 की हिट फिल्म 'चाची 420' में कमल हासन की बेटी का रोल प्ले किया था। सना ने खुद खुलासा किया था कि उस वक्त बच्चों को क्या ही पता होता है और जो बोला जाता है, बच्चे अपने मूड के हिसाब से करते हैं। ऐसा ही कुछ 'चाची 420' के सेट पर हुआ और उन्हें रोने के लिए कहा गया। अभिनेत्री ने बताया था कि उस वक्त उन्होंने नकली रोना शुरू किया और थोड़ा सा मुंह बना लिया, लेकिन सीन को परफेक्ट बनाना था और तभी किसी ने मुझे जोरदार डांट लगाई और मैं सच में रोने लगी। फिर उन्होंने कहा कि 'ऐसे ही रोना चाहिए था।'

सना को ऐसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा जिनसे किसी बच्चे को नहीं गुजरना चाहिए। बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट सेट पर 15 घंटे प्रतिदिन काम करना पड़ता था और उस वक्त बाल कलाकारों के लिए नियम और सुरक्षा जैसी कोई चीज नहीं थी। वे सेट पर बड़ों लोगों की ऐसी बातें सुनती थी, जो बच्चों को नहीं सुननी चाहिए।

फातिमा ने आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने हर क्षेत्र में हाथ आजमाया। फिल्मों में सहायक भूमिकाओं के अलावा, उन्होंने कुछ टेलीविजन शो भी किए। वे फिल्मों में आने से पहले सीरियल 'अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो' में नजर आईं, जहां उन्होंने सुमन का किरदार निभाया। इसके अलावा वे 'लेडीज स्पेशल' शो में भी दिखाई दीं।

बहुत कम लोग ये बात जानते हैं कि साल 2016 में 'दंगल' से डेब्यू करने से पहले कई फिल्मों में साइड रोल कर चुकी थी। उन्हें साल 2008 में आई 'तहान', 2013 में आई 'आकाश वाणी' और 2012 'बिट्टू बॉस' में छोटे-मोटे रोल में देखा गया था, लेकिन फिल्म 'दंगल' से उनके करियर को बड़ा ब्रेक मिला। इसके बाद उन्हें बतौर लीड एक्ट्रेस 'लूडो', 'ठग्स ऑफ हिंदुस्तान', 'आप जैसा कोई' और 'मेट्रो इन दिनों' में देखा गया और अब वे रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'गुस्ताख इश्क' में दिख रही हैं।

फुकरे से राहु केतु तक पुलकित सम्राट ने मनाया नॉर्थ इंडिया के फ्लेवर का जश्न

अभिनेता पुलकित सम्राट हमेशा से नॉर्थ इंडिया के प्रति अपने प्यार को खुलकर जाहिर करते आए हैं। अपनी आगामी फिल्म 'राहु केतु' के प्रमोशन के दौरान भी उन्होंने इस बात पर खुलकर चर्चा की कि दिल्ली, शिमला और नॉर्थ इंडिया के बड़े कैनवस पर रची गई कहानियां क्यों आज भी फिल्ममेकर्स और दर्शकों को उतना ही उत्साहित करती हैं। अपनी सुपरहिट फिल्म 'फुकरे' का जिक्र करते हुए पुलकित ने बताया कि किसी भी फिल्म की पहचान गढ़ने में उसके बैकड्रॉप और लोकेशन की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा, फुकरे भी दिल्ली में ही प्लॉट है और राहु केतु का भी शिमला-दिल्ली साइड का ही बैकड्रॉप है। उनके मुताबिक, रीजनल ऑथेंटिसिटी ही कहानी में एक अलग तरह की जान डालती है। नॉर्थ इंडिया के प्रति अपने खास लगाव को जाहिर करते हुए पुलकित ने यह भी कहा कि इस इलाके का फ्लेवर कहीं और देखने को नहीं मिलता। यहां के लोग, यहां की जगहें और यहां की जिंदगी बेहद सच्ची और जीती-जागती महसूस होती है। उन्होंने यह भी बताया कि दर्शकों ने समय के साथ ऐसी कहानियों को खूब अपनाया है, खासकर तब से जब दिबाकर बनर्जी और अमृत शर्मा जैसे फिल्ममेकर नॉर्थ इंडिया और दिल्ली की सांस्कृतिक बारीकियों को बड़े परदे पर लेकर आए हैं।

पुलकित के अनुसार, ये निर्देशक इस इलाके को रग-रग से जानते हैं, इसलिए उनकी कहानियां बेहद ऑर्गेनिक और रिलेटेबल लगती हैं। पुलकित मानते हैं कि बार-बार मुंबई को दिखाने के बजाय अब नॉर्थ इंडिया की लोकेशन्स को एक्सप्लोर करना हिंदी सिनेमा के लिए एक ताजगी भरा बदलाव रहा है। उन्होंने कहा, यहां के लोग, यहां के लिबाज़, यहां के पहाड़, ये सब आपको और कहीं नहीं मिलते।

उनके मुताबिक, जब दर्शक 'राहु केतु' जैसी फिल्में देखते हैं, तो वे सिर्फ कहानी नहीं देखते, बल्कि नॉर्थ इंडिया की हवा और उसकी ऊर्जा को भी महसूस करते हैं। पुलकित ने कहा, हमें नॉर्थ इंडिया से बहुत प्यार है। यहां के लोग बेहद अतरंगी, प्यारे, वॉर्म और काफी ईमानदार होते हैं। हर जगह का अपना अलग फ्लेवर होता है। हमने सालों तक फिल्मों में मुंबई नगरी देखी है, लेकिन जब से दिबाकर और अमृत जैसे निर्देशक आए हैं, तब से दिल्ली और नॉर्थ इंडिया का फ्लेवर फिल्मों में ज्यादा दिखने लगा है।

जब आप अमृत या दिबाकर की फिल्म देखते हैं, या फिर जब आप राहु केतु देखेंगे, तब भी आप नॉर्थ इंडिया की हवा महसूस कर पाएंगे। ऐसे पहाड़, ऐसे लिबाज़ और ऐसे लोग आपको कहीं और नहीं मिलेंगे। फिलहाल पुलकित के ये शब्द बॉलीवुड में उभरते उस ट्रेंड की ओर इशारा करते हैं, जहां ज़मीन से जुड़ी, रीजनल कहानियां दर्शकों के दिलों में गहरी जगह बना रही हैं। ऐसे में नॉर्थ इंडिया की आत्मा और सच्चे माहौल के साथ 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा और शालिनी पांडे स्टारर 'राहु केतु' दर्शकों को एक जाना-पहचाना, गर्मजोशी भरा और बेहद रियल अनुभव देने का वादा करती है।

मां बनना आपको बदल देता है, अनुष्का शर्मा ने मातृत्व अनुभव को किया साझा

बॉलीवुड में कई अभिनेत्रियां अपने करियर के शिखर पर मातृत्व का अनुभव करती हैं, और इस दौरान उनकी जिंदगी में आए बदलाव और उनके विचार हमेशा चर्चा में रहते हैं। इसी कड़ी में अभिनेत्री अनुष्का शर्मा की जीवन यात्रा भी बेहद प्रेरणादायक है। उन्होंने सोमवार को बेटी वामिका के पांचवें जन्मदिन के मौके पर अपनी मातृत्व यात्रा को याद किया। अनुष्का शर्मा ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, ''मां बनना आपको उन तरीकों से बदल देता है जो मायने रखते हैं। आपको पहले जैसा रहने की जरूरत नहीं है।'' अभिनेत्री के पोस्ट के अनुसार, मातृत्व जीवन में नई जिम्मेदारियां और सीख लेकर आता है। हर एक छोटी-छोटी बात, चाहे वह वामिका की पहली मुस्कान हो, पहला कदम हो, या उसके साथ बिताया गया साधारण समय, उनके लिए अनमोल है।

अनुष्का शर्मा का यह पोस्ट फैंस और सोशल मीडिया फॉलोअर्स के लिए काफी प्रेरणादायक है।

विराट और अनुष्का न सिर्फ भारत में, बल्कि दुनिया के मशहूर कपल में शुमार हैं। विराट अक्सर सोशल मीडिया के जरिए

अनुष्का शर्मा के साथ तस्वीरें शेयर करते रहते हैं।

अनुष्का और विराट कोहली ने दिसंबर 2017 में इटली में शादी की थी। दोनों की मुलाकात 2013 में एक शैम्पू ऐड शूट के दौरान हुई थी। विराट कोहली ने इंटरव्यू में बताया था कि अनुष्का से पहली मुलाकात में वह काफी घबराए हुए थे और इस घबराहट को खत्म करने के लिए उन्होंने अनुष्का को एक जोक सुनाया था। इस दौरान दोनों के बीच दोस्ती हुई। इसके बाद दोनों को कई बार साथ देखा गया।

चार साल तक डेट करने के बाद दोनों ने 1 दिसंबर 2017 को इटली में शादी कर ली। शादी में कुछ ही खास मेहमानों को ही न्योता दिया गया था। 2021 में कपल ने बेटी वामिका का स्वागत किया था। इसके बाद फरवरी 2024 में उनके बेटे अकाय का जन्म हुआ।

अनुष्का शर्मा काफी समय से सिनेमा से दूर हैं। उनकी आखिरी फिल्म 2018 की आई 'जीरो' थी, जिसे आनंद एल राय ने डायरेक्ट किया था। फिल्म में शाहरुख खान और कैटरीना कैफ भी लीड रोल में नजर आए थे।

मंगल गोचर से बनेगा त्रिग्रह योग, मेष सहित पांच राशियों को मिलेगा कल से लाभ

मंगल का गोचर मकर राशि में 16 जनवरी को होने जा रहा है। मंगल अपनी उच्च राशि मकर में जैसे ही प्रवेश करेंगे रुचक राजयोग प्रभावशाली हो जाएगा। बता दें कि 16 जनवरी को सुबह में 4 बजकर 27 मिनट पर मंगल मकर राशि में प्रवेश कर जाएंगे। वहीं, मंगल के साथ मकर राशि में इस समय सूर्य और शुक्र भी विराजमान रहेंगे जिससे त्रिग्रह योग भी बनेगा। ग्रहों के इस शुभ योग संयोग से मेष, कर्क सहित 5 राशियों की किस्मत 17 जनवरी के बाद से बदलने वाली है। इन राशियों को लाभ के साथ साथ अब तरक्की और आत्मविश्वास में वृद्धि भी होगी। यहां जानें मंगल गोचर से किन किन राशियों की किस्मत बदलने वाली है।

मेष राशि– मंगल का गोचर मेष राशिवालों के दसम भाव में होने जा रहा है। ऐसे में आपके अंदर अपने काम को लेकर काफी ऊर्जा देखने को मिलेगी। आपकी जिम्मेदारी भी बढ़ेगी लेकिन, आपको कई शुभ अवसर भी मिलेंगे। साथ ही आपको प्रमोशन आदि मिलने के योग भी हैं। जो लोग व्यापार करते हैं उनके लिए अुने कारोबार की ग्रोथ के लिए अच्छा समय है। साथ ही सरकारी काम में भी आपको अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। इस दौरान आपके लिए सलाह है कि अपने काम और नीजी जीवन में संतुलन बनाकर ही अपने काम करें।

उपाय : मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा का नियमित पाठ करें।

कर्क राशि – कर्क राशि के लोगों के लिए मंगल का गोचर उनके सप्तम भाव में होने वाला है। ऐसे में कर्क राशि के लोगों को पार्टनरशिप में लाभ मिल सकता है। साथ ही इस दौरान आपकी लव लाइफ काफी अच्छी रहेगी। सिंगल लोगों को इस गोचर के दौरान आपके पार्टनर मिल सकता है। साथ ही आप खुद को अपने पार्टनर के साथ इमोश्नल रुप से कनैक्टिड महसूस करेंगे। अब आपको करियर और रिश्तों में स्थिरता आएगी।

उपाय : सुंदरकांड का पाठ मंगलवार और शनिवार को विशेष रुप से करें।

कन्या राशि– मंगल का गोचर कन्या राशिवालों के पंचम भाव में होगा। ऐसे में आपको महसूस होगा की आपके विचार पहले से मजबूत होंगे। आपके रिश्तों में जुनून और आत्मविश्वास बढ़ेगा। आपकी प्रोफेश्नल लाइफ के लिए समय बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आपको सलाह है कि अहंकार से बचें। फाइनेंशियल

मामलों में सावधानी बरतनी होगी। आपकी प्रोफेश्नल लाइप के लिए समय काफी अच्छा है। आपको लीडरशिप या मेंटरिंग भूमिका निभाने का मौका मिलेगा। जिसे आप अच्छे से निभाएंगे भी।

उपाय – मंगलवार के दिन लाल आसन पर बैठकर मंगल के मंत्र ओम क्रां क्रीं क्रौं स: भौमाय नम:' का जप 108 बार करें।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के लोगों के लिए मंगल का गोचर तीसरे भाव में होने जा रहा है। इस दौरान आप काफी निर्णायक मोड़ ले सकते हैं। यानी आप कुछ बड़े निर्णय ले सकते हैं। मार्केटिंग, सेल्स, टीचिंग, सोशल मीडिया या कम्युनिकेशन के ज़रिए बिज़नेस बढ़ाने से जुड़े प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए एक बेहतरीन समय है। आपके रिश्तें अपने भाई बहनों के साथ अच्छे रहेंगे। पढ़ाई के चक्कर में आपको किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। इस दौरान आप खुद को काफी आत्मनिर्भर महसूस करेंगे। आप इस गोचर के दौरान कई साहसिक कदम उठा सकते हैं।

उपाय : मंगलवार के दिन हनुमानजी के मंदिर में जाकर चमेली के तेल का दीपक जलाएं।

मकर राशि– मकर का गोचर आपके प्रथम भाव यानी लग्न में हो रहा है। आपकी राशि में ही मंगल, सूर्य और बुध एक साथ विराजमान होंगे। मंगल के गोचर होने के साथ ही रुचक राजयोग प्रभावशाली होगा। ऐसे में मकर राशि के जातकों के अंदर एक अलग ही आत्मविश्वास देखने को मिलेगा। साथ ही आप इस दौरान खुद को साबित करने में सफल रहेंगे। आपके रिश्तों में भी मजबूती आएगी। आप करियर से जुड़े साहसिक निर्णय ले पाएंगे। जिसका लाभ आपको आने वाले दिनों में देखने को मिलेगा।

उपाय : लाल रंग के वस्त्रों का दान करें या मूंग की दाल का जरुरतमंद लोगों को दान करें।

सूर्य के मकर राशि में गोचर से मेष से मीन तक सभी राशियों पर कैसा प्रभाव रहेगा

ज्योतिषीय गणना के अनुसार मेष, वृषभ, कर्क, और मकर समेत कई राशियों के लिए शुभ लाभदायक रहेगा। दरअसल मकर संक्रांति पर सूर्य मकर राशि में आकर अब 12 फरवरी तक यहां गोचर करेंगे। सूर्य के मकर राशि में गोचर के दौरान शुक्र, मंगल और बुध के साथ सूर्य का युति संबंध बनेगा। ऐसे में सूर्य मकर संक्रांति का सभी राशियों पर विशेष रूप से प्रभाव देखा जा सकेगा। तो ऐसे में पं. राकेश झा की गणना से जानिए मकर संक्रांति का मेष से मीन तक सभी राशियों पर कैसा प्रभाव रहेगा।

मेष –मेष राशि के लिए मकर संक्रांति से अगले एक महीने के लिए सूर्य का गोचर राशि से दसवें भाव में होगा जो इनके लिए करियर और कारोबार के लिए उत्तम रहेगा। नौकरी में इनका प्रभाव और सम्मान बढेगा। आपको नौकरी में प्रमोशन और सम्मान मिलने का योग बना हुआ है। आपको आर्थिक लाभ का भी मौका मिलेगा। राजनीतिक संपर्क से आपको फायदा होगा। पिता और पैतृक पक्ष से लाभ पाएंगे। घर परिवार में भी उन्नति और प्रगति का संयोग बनेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा की भी प्राप्ति होगी।

वृषभ –वृषभ राशि के लिए सूर्य का मकर राशि में गोचर राशि से नवम भाव यानी भाग्य भाव में होगा जहां राशि स्वामी शुक्र पहले से ही विराजमान हैं। ऐसे में सूर्य का मकर राशि में गोचर इनके लिए लाभ और सम्मान में वृद्धि करने वाला रहेगा। आपको भाग्य करियर में उन्नति प्रदान करेगा। आपके लिए यह समय जीवन को नई दिशा देने वाला रहेगा। भूमि और प्रॉपर्टी का लाभ हो सकता है। धार्मिक यात्रा का संयोग बनेगा। घर परिवार में प्रेम और सुख शांति का माहौल बना रहेगा।

मिथुन –मिथुन राशि के जातकों के लिए मकर संक्रांति से सूर्य का गोचर अष्टम भाव से होगा। ऐसे में आपको कार्यक्षेत्र में अधिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपने टारगेट को लेकर अधिक सजग रहना हौगा। पिता की सेहत को लेकर इस समय आपकी चिंता परेशानी बनी रह सकती है। सेहत का भी आपको अपना ध्यान रखना होगा। ससुराल पक्ष के संबंधियों से आपका तालमेल बनाकर रखना होगा। सरकारी काम में आपको कुछ उलझन परेशानी के बाद सफलता मिलेगा। संतान और जीवनसाथी की सेहत और शिक्षा को लेकर भी आपको चिंता हो सकती है। गुप्त शत्रुओं से आपको आज सतर्क रहना होगा।

कर्क –कर्क राशि के जातकों के लिए सूर्य का मकर राशि में गोचर करना शुभ रहने वाला है। आपकी राशि से सूर्य सप्तम भाव में गोचर करेंगे। ऐसे में आपको करियर में उन्नति का मौका मिलेगा। आपकी कमाई में भी वृद्धि होगी। नौकरी में बदलाव के लिए लिए किए गए प्रयास सफल होंगे। साझेदारी के काम में आपको सफलता और लाभ मिलने का योग बना हुआ है। पिता और पैतृक पक्ष से आपको आज फायदा मिलेगा। भूमि और संपत्ति के लाभ का भी संयोग बनेगा। लेकिन इस समय आपको वैवाहिक जीवन में तालमेल बनाकर चलना होगा, समय-समय पर जीवनसाथी से आपका मतभेद हो सकता है।

सिंह –सिंह राशि के जातकों के लिए मकर संक्रांति मिलाजुला रहने वाला है। मकर संक्रांति से सूर्य आपकी राशि से छठे भाव में गोचर करेंगे। और इस समय आपकी राशि में केतु भी गोचर कर रहे हैं ऐसे में आपको कार्यक्षेत्र में बहुत ही संभलकर चलना होगा। नौकरी में किसी न किसी बात को लेकर मानसिक दबाव बना रह सकता है। आपके ऊपर इस दौरान आर्थिक दबाव भी रह सकता है। आपको पिता की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है, संतान की सेहत का आपको आज ध्यान रखना होगा। विरोधी और शत्रु इस समय आपकी कमियों का फायदा उठाना चाहेंगे। आर्थिक लेनदेन में आपको सतर्क रहना होगा। विपरीतलिंगी जातकों से संयमित व्यवहार रखें।

कन्या –कन्या राशि के जातकों के लिए मकर संक्रांति पर सूर्य का मकर राशि में गोचर करना शुभ लाभदायक रहेगा। आपको इस समय सामाजिक जीवन में लाभ और सम्मान मिलेगा। आपके करियर में प्रगति होगी और आपको भाग्य लाभ का अवसर प्रदान करेगा। जिन जातकों के काम का संबंध विदेश से है उनको विशेष रूप से सफलता और लाभ का मौका मिलेगा। आर्थिक लाभ के भी अवसर आप प्राप्त कर पाएंगे। शिक्षा प्रतियोगिता में आप सफलता पाएंगे। प्रेम संबंध के मामले में भी सूर्य का मकर राशि में गोचर कन्या राशि के लिए शुभ रहेगा।

तुला –तुला राशि के जातकों के लिए मकर संक्रांति शुभ लाभ का संयोग लेकर आया है। सूर्य मकर राशि में आकर आपकी राशि से चतुर्थ भाव में गोचर करेंगे जो आपके लिए लाभ और उन्नति का संयोग बना रहा है। आपको भाग्य आर्थिक लाभ प्रदान करेगा। कोई बड़ी चाहत आपकी पूरी होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। मातृपक्ष के संबंधियों से आपको लाभ और सहयोग मिलेगा। आपके घर में सुख साधनों की वृद्धि होगी। संतान पक्ष से आप लाभ और सहयोग प्राप्त कर पाएंगे। नौकरी में मान-सम्मान मिलने का भी संयोग बनेगा। प्रेम संबंध आपके प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक –वृश्चिक राशि के जातकों के लिए मकर संक्रांति पर सूर्य का गोचर राशि से तीसरे भाव में होगा जिससे इनका आत्मविश्वास बढेगा। आप करियर में कोई साहसिक फैसला ले पाएंगे। नौकरी में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा। इस समय अपने करियर को एक नई दिशा दे सकते हैं, कोई नया काम भी आप शुरू कर पाएंगे। आपके लिए यह समय मान सम्मान में वृद्धि करने वाला होगा। भाई बहनों से आप सहयोग प्राप्त कर पाएंगे और आपके बीच बेहतर तालमेल भी बना रहेगा। आपको इस समय किसी अप्रत्याशित स्रोत से लाभ मिलने का भी संयोग बना हुआ है। वैवाहिक जीवन के मामले में भी सूर्य का मकर राशि में गोचर आपके लिए अनुकूल रहेगा।

धनु –धनु राशि के लिए सूर्य का मकर राशि में गोचर करना आर्थिक रूप से लाभ प्रदान करने वाला रहेगा। आपकी कमाई में वृद्धि होगी। करियर में परिवर्तन का भी संयोग बनेगा। आपके लिए इस समय भाग्य पैतृक संपत्ति से भी लाभ का संयोग बना रहा है। आपको परिवार के सदस्यों से पूरा सहयोग मिलेगा। आप दीर्घकालिक निवेश भी कर सकते हैं। लेकिन मकर राशि में सूर्य के गोचर से आपको सेहत का ध्यान रखना होगा। सिरदर्द और आँखों में तकलीफ भी आप महसूस कर सकते हैं। सामाजिक मामले में आपकी सक्रियता बढ़ेगी और आप सम्मान पाएंगे।

मकर –मकर राशि के जातकों के लिए सूर्य का मकर राशि में संचार करना शुभ समय के आगमन का संकेत दे रहा है। आपको पूर्व में किए गए श्रम का लाभ मिलेगा। सरकारी क्षेत्र के काम में आप सफलता प्राप्त कर पाएंगे। आपका सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव बढेगा। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आप सफलता प्राप्त कर पाएंगे। सरकारी योजनाओं का आप लाभ ले पाएंगे। वैवाहिक जीवन आपका सुखद और अनुकूल रहेगा। आप आत्मविश्वास से भरपूर बने रहेंगे। मान सम्मान भी आपको इस समय मिल सकता है।

कुंभ –कुंभ राशि के जातकों के लिए सूर्य का मकर राशि में गोचर राशि से द्वादश भाव में होगा। ऐसे में आपको मान सम्मान के लिए सतर्क रहना होगा। जोखिम वाले काम से आपको सतर्क रहना होगा। विरोधियों और शत्रुओं से आपको सतर्क रहना होगा। आपके ऊपर इस समय काम का भी अधिक दबाव रहेगा। और आर्थिक मामलो में आपको सतर्क रहना होगा। अनचाहा खर्च भी इस समय बना रहेगा। आपको पिता की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है।

मीन –मीन राशि के लोगों के लिए मकर संकांति पर सूर्य का गोचर लाभदायक रहेगा। आपको सूर्य के गोचर से अगले एक महीने में धन का लाभ मिलेगा। आपको प्रतिष्ठा और सम्मान की प्राप्ति होगी। सामाजिक जीवन में आपका प्रभाव और सम्मान बना रहेगा। आपको करियर में कोई बड़ा मौका मिल सकता है। जो लोग नौकरी में बदलाव के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको कामयाबी मिलेगी। शिक्षा और प्रतियोगिता में आप सफलता पाएंगे। विदेशी क्षेत्र से आपको लाभ मिल सकता है। आप कोई नया काम भी शुरू कर सकते हैं।

हंसने के तरीके से जानें जीवन के कई रहस्य

हर किसी की मुस्कान बेहद खूबसूरत होती है। लेकिन हर व्यक्ति के हंसने का तरीका अलग-अलग होता है। कोई खुलकर हंसता है, कोई आंखें बंद करके हंसता है, इसी प्रकार सभी की मुस्कान अलग होती है। हस्तरेखा शास्त्र और सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार हमारी मुस्कान हमें अपने जीवन और व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ बताती है। तो आइए विस्तार से जानते हैं कि हमारे हंसने का तरीका व्यक्तित्व और भविष्य के बारे में क्या-क्या बताता है।

ऐसी हंसी होती है सबसे उत्तम

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, हंसते वक्त जिन लोगों के दांत बाहर की ओर नहीं आते हैं उन्हें बहुत उत्तम माना जाता है। ऐसे लोगों का व्यक्तित्व बहुत अच्छा होता है और इनका स्वभाव भी बहुत सरल होता है। इन लोगों को विश्वास योग्य भी माना जाता है। ये लोग किसी का भी विश्वास नहीं तोड़ते हैं और हमेशा साथ खड़े रहते हैं। जिन लोगों के दांत हंसते वक्त न दिखाई दे उन्हें बहुत सौभाग्यशाली माना जाता है।

ऐसी हंसी वाले मन की बात नहीं करते जाहिर

माना जाता है कि जो व्यक्ति हंसते वक्त अपनी आंखें बंद कर लेता है, ऐसे लोग अपने मन की बात खुलकर किसी के सामने नहीं रखते हैं। आंखें बंद करके हंसने वाले लोग कई बातों को अपने मन में छिपाकर रखते हैं। कोई परेशानी आने पर भी ये बात को अंदर ही रखते हैं और समस्या का सामना अकेले करते हैं। ये लोग अपने तरीके से जीवन जीना पसंद करते हैं।

ऐसे लोग जीवनभर करते हैं उन्नति

आपने कई लोगों को देखा होगा कि वे हमेशा मुस्कुराते हुए नजर आते हैं और उनके चेहरे पर एक हल्की हंसी जरूर रहती है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, जिनका मुख हमेशा मुस्कुराता हुआ रहता है वह जीवन में खूब उन्नति करते हैं। इन्हें कभी भी किसी चीज की कमी महसूस नहीं होती है। साथ ही, अपनी मेहनत से हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करते हैं और बेहतर जीवन व्यतीत करते हैं।

स्त्री की ऐसी हंसी होती है सौभाग्यशाली

हस्तरेखा शास्त्र के मुताबिक, जिन महिलाओं के हंसते वक्त दांत नहीं दिखाई देते हैं और वे थोड़ा सा मुख खोलकर हंसे, ऐसी स्त्रियों को बहुत सौभाग्यशाली माना जाता है। ऐसी महिलाएं अपने मन की प्रसन्नता को खुलकर व्यक्त करती हैं। साथ ही, ये शांति पसंद करती हैं और किसी भी परिस्थिति में धैर्य रखती हैं। यही कारण है कि ये मुश्किल परिस्थिति से भी आसानी से निकल जाती हैं और जीवन में भी खूब तरक्की करती हैं।

खुलकर जीवन जीती हैं ऐसी महिलाएं

आपने कई स्त्रियों को एकदम खुलकर यानी ठहाका मारकर ऊंचे स्वर में हंसते हुए देखा होगा। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, जो महिलाएं ठहाका मारकर हंसती हैं वे अपने तरीके से जीवन जीना पसंद करती हैं और दुनिया की परवाह नहीं करती हैं। इन्हें खुलकर जीना पसंद होता है। चाहें लोग इन्हें अहंकारी ही क्यों न समझें, ये जिंदादिली से जीवन जीना पसंद करती हैं।

इन्हें उठानी पड़ती हैं परेशानियां

हस्तरेखा विज्ञान में बताया गया है कि जो हंसते वक्त तेज आवाज निकालते हैं, उनका व्यवहार थोड़ा बदलने वाला होता है। ये परिस्थिति के अनुसार अपने आप को बदल लेते हैं। साथ ही, ये बहुत बुद्धिमान और चतुर भी होते हैं। इसी के चलते अपना काम भी बहुत आसानी से पूरा कर लेते हैं।

लेकिन कहा जाता है कि तेज हंसने वालों को जीवन में कठिनाइयों और बाधाओं का सामना भी करना पड़ता है।

कर्मों का कानून अटल है, कोई भी इससे बच नहीं सकता, अवतारी पुरुष भी नियति को टाल नहीं सकते

ज्योतिष शास्त्र में ग्रह नक्षत्रों के माध्यम से पूर्वजन्मों के कर्मों का आकलन किया जाता है। जिस प्राणी ने जैसे कर्म पूर्व के जन्मों में किए हैं, उसी के अनुसार वर्तमान जन्म में उस प्राणी को सुख-दुःख के रूप में कर्मफल परिणाम प्राप्त होता है। ज्योतिषी व्यक्ति के इन्हीं कर्मफल की गाथा को ग्रह नक्षत्रों की भाषा में पढ़ता और समझता है। कभी कभी जीवन में जो घटनाएं घटती हैं, वे पिछले जन्मों का शाप और कर्मफल का परिणाम होती हैं, भले ही हम इसे मानें अथवा न मानें। पूर्वजन्म में श्री कृष्ण भगवान राम थे, बाली का भी पुनर्जन्म हुआ, जिसने कृष्ण को मारा। भगवान राम ने बाली को छुपकर मारा था, इसलिए बाली ने अपने अगले जन्म में कृष्ण के रूप में वही बदला चुकाया, जैसा कि धर्मग्रंथों में बताया गया है, जो कर्म के सिद्धांत को दर्शाता है।

मरते समय बाली ने श्रीरामचंद्र जी से कहा, 'मैं बेकसूर था, मैंने आपका कुछ नहीं बिगाड़ा था। अब इसका हिसाब आपको अगले जन्म में देना पड़ेगा। 'गतिमान कालचक्र घूमता रहा। अगले जन्म में श्रीराम ने श्रीकृष्ण के रूप में अवतार लिया और

बाली भी पुनः जन्मा। महाभारत युद्ध के पश्चात एक दिन श्रीकृष्ण वन में विश्राम कर रहे थे। दूर से पूर्वजन्म के बाली रूपी शिकारी ने उनके चरणों को हिरण की आँख समझ लिया और भ्रमवश तीर चला दिया। तीर लगते ही वह पास आया और जब उसे अपनी भूल का ज्ञान हुआ, तो भय और पश्चाताप से भरकर वह श्रीकृष्ण के चरणों में गिर पड़ा। तब श्रीकृष्ण ने उसे पूर्वजन्म की कथा सुनाई और समझाया कि इसमें उसका कोई दोष नहीं था। यह तो कर्मों के ऋण की पूर्णता थी। जो बोया जाता है, वही काटना पड़ता है। कर्म का विधान अटल है, उससे कोई नहीं बच सकता। यहाँ तक कि स्वयं प्रभु के अवतार भी नहीं। इस प्रकार कर्मों का चक्र कर्मफल देकर ही पूरा होता है।

संपादकीय

ईरानी नरसंहार के बाद

ईरान में अब बगावत या विद्रोह नहीं, बल्कि नरसंहार जारी है। एक आंकड़ा है कि अभी तक करीब 650 मौतें हो चुकी हैं, जबकि पश्चिमी मीडिया 6000 से अधिक मौतों की खबर दे रहा है। कथित 'क्रांतिवीर' इरफान को फांसी की सजा सुनाई गई है। ईरानी पुलिस ने 11,000 से अधिक विद्रोहियों को गिरफ्तार किया है अथवा हिरासत में रखा है। सडक़ों पर 15-18 लाख विद्रोही आंदोलित हैं। लोग जिंदा जलाए जा रहे हैं। ईरान के रिवोल्यूशनरी गाड्र्स के एक कर्नल की विद्रोहियों ने हत्या कर दी है। मस्जिदें, बैंक, सरकारी इमारतें, पुलिस स्टेशन जलाए गए हैं। गवर्नर आवास भी आगजनी का शिकार हुआ है। ईरानी हुकूमत ने विद्रोहियों को देखते ही गोली मार देने के आदेश जारी किए हैं। विद्रोहियों को 'सजा-ए-मौत' भी दी जा सकती है। इन ऐलानों के बावजूद लाखों युवाओं के हुजूम सुप्रीम धार्मिक नेता खामेनेई का तख्तापलट करने पर आमादा हैं। सडक़ों पर खामेनेई समर्थक भी फैल गए हैं। आंदोलन महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक पतन, ढहती मुद्रा रियाल आदि के खिलाफ शुरू हुआ था, लेकिन अब उसने अंतरराष्ट्रीय रूप ले लिया है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार ईरानी हुकूमत को धमका रहे हैं कि कभी भी हमला किया जा सकता है। एक ओर अमरीका है, तो दूसरी ओर ईरान के साथ रूस, चीन सरीखी महाशक्तियां हैं। बीच में खबर आई थी कि खामेनेई अपने परिवार और घोर समर्थक 20 लोगों के साथ मॉस्को भाग सकते हैं, लेकिन वह अब भी ईरान के बेहद सुरक्षित ठिकाने के भीतर हैं और बेहद घातक बल के जवान उनकी सुरक्षा में मोर्चाबंद हैं। ईरान वेनेजुएला नहीं है, लिहाजा ट्रंप किसी मुगालते में न रहें। ईरान एक ताकतवर और प्रशिक्षित सेना वाला देश है। उसके पास परमाणु सम्मत मिसाइल भी है, जिसका एक चित्र मीडिया में दिखाया गया था। ईरान ने ऐलान किया है कि यदि अमरीका ने हमला किया, तो ईरान अपने आसपास के 19 अमरीकी बेसों पर हमला कर उन्हें तबाह कर देगा। लिहाजा राष्ट्रपति ट्रंप जरा खुद को संयमित रखें और दूसरे देशों को हड़पने की रणनीति फिलहाल शांत कर दें, क्योंकि उनके टैरिफवाद पर सुप्रीम अदालत का फैसला आने वाला है और अमरीका में ही सैकड़ों शहरों में ट्रंप-विरोधी प्रदर्शन जारी हैं। लोकतंत्र में जनता का हुजूम कोई भी करवट ले सकता है। सत्ताएं पलट जाती हैं। बेशक ईरान बहुत तेजी से विपन्नता की ओर बढ़ा है। जनवरी, 2026 में ही वहां की खाद्य मुद्रास्फीति 70-85 फीसदी तक उछल चुकी है। एक डॉलर की कीमत 14.20 लाख ईरानी रियाल हो गई है। गरीबी दर करीब 40 फीसदी है और देश की विकास दर मात्र 0.6 फीसदी है। खाने-पीने की चीजें दुर्लभ हो गई हैं। भारत के संदर्भ में देखें, तो वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों का आपसी कारोबार करीब 1.68 अरब डॉलर रहा। भारत को करीब 0.80 अरब डॉलर का व्यावसायिक लाभ हुआ। भारत ईरान को चावल, चीनी, चाय, दवाइयां, इलेक्ट्रोनिक मशीनरी, कृत्रिम फाइबर आदि निर्यात करता है, जबकि ईरान से सूखे मेवे, रसायन, कांच से बने उत्पाद भारत को भेजे जाते हैं। ईरान सबसे अधिक कच्चा तेल आपूर्ति वाला तीसरा सबसे बड़ा देश है। यदि ईरान संकट का असर होर्मुज जलडमरूमध्य तक पहुंचता है, तो वैश्विक तेल आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित होगी। दुनिया के करीब 20 फीसदी कच्चे तेल की आपूर्ति इसी रास्ते से होती है। भारत अपनी जरूरत का 80 फीसदी से ज्यादा तेल आयात करता है। ऐसे में तेल महंगा हो सकता है। यही नहीं, ईरान की चाबहार बंदरगाह भारत को पाकिस्तान को बायपास करते हुए अफगानिस्तान, मध्य एशिया और यूरोप तक सीधा व्यापारिक रास्ता देती है। यदि ईरान में अस्थिरता बढ़ती है और चाबहार बंदरगाह प्रभावित, बाधित होती है, तो भारत की भू-आर्थिक रणनीति को बड़ा झटका लग सकता है।

> ईरानी पुलिस ने 11,000 से अधिक विद्रोहियों को गिरफ्तार किया है अथवा हिरासत में रखा है। सडक़ों पर 15-18 लाख विद्रोही आंदोलित हैं। लोग जिंदा जलाए जा रहे हैं। ईरान के रिवोल्यूशनरी गाड्र्स के एक कर्नल की विद्रोहियों ने हत्या कर दी है। मस्जिदें, बैंक, सरकारी इमारतें, पुलिस स्टेशन जलाए गए हैं। गवर्नर आवास भी आगजनी का शिकार हुआ है। ईरानी हुकूमत ने विद्रोहियों को देखते ही गोली मार देने के आदेश जारी किए हैं। विद्रोहियों को 'सजा-ए-मौत' भी दी जा सकती है। इन ऐलानों के बावजूद लाखों युवाओं के हुजूम सुप्रीम धार्मिक नेता खामेनेई का तख्तापलट करने पर आमादा हैं। सडक़ों पर खामेनेई समर्थक भी फैल गए हैं। आंदोलन महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक पतन, ढहती मुद्रा रियाल आदि के खिलाफ शुरू हुआ था, लेकिन अब उसने अंतरराष्ट्रीय रूप ले लिया है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार ईरानी हुकूमत को धमका रहे हैं कि कभी भी हमला किया जा सकता है। एक ओर अमरीका है, तो दूसरी ओर ईरान के साथ रूस, चीन सरीखी महाशक्तियां हैं। बीच में खबर आई थी कि खामेनेई अपने परिवार और घोर समर्थक 20 लोगों के साथ मॉस्को भाग सकते हैं, लेकिन वह अब भी ईरान के बेहद सुरक्षित ठिकाने के भीतर हैं और बेहद घातक बल के जवान उनकी सुरक्षा में मोर्चाबंद हैं।

कुछ अलग

कलमवीर खड़ा बाजार में

साहित्य के बाजार में वही चलते हैं जो ऊंचे-ऊंचे पदों से पलते हैं। फ्री का साहित्य वही लिख सकते हैं, जिनके पास इनकम के दूसरे सोर्स हों। आउटसोर्स वाले साहित्य नहीं लिख सकते। सच्चे साहित्य सेवी वे होते हैं जो अपनी प्रकाशित किताबों की सौ दो सौ प्रतियां हवा में हाथ लहराते निकाल दें। अपनी किताब सरकारी खरीद में लगवा प्रकाशक को संवार दें। वे चाटुकार साहित्य के बाजार में केमिकल सुसज्जित आलू ऑर्गेनिक के नाम पर मजे से बेचने के अधिकारी हैं। और बेचारा ऑर्गेनिक साहित्य उगाने वाला किसान! उसके साहित्य को कोई नहीं पूछता। वह अपनी साहित्य की फटी टोकरी बाजार के कोने में लगाए ऊंघता रहता है। मैं एक एजेंडाग्रस्त लेखक हूं। मेरे लेखन का एजेंडा परिवर्तन नहीं, प्रसिद्धि है। मैं प्रसिद्धि की भूख से पल पल परेशान रहने वाला लेखक हूं। मेरे लेखन पर परिवर्तन की भूख से अधिक प्रसिद्धि की भूख हावी रहती है। इसलिए जाहिर है कि मैं परिवर्तन के लिए नहीं, प्रसिद्धि के लिए ही लिखता हूंगा, जब भी लिखता हूंगा। जब मैं लिखने बैठता हूं तो मेरे आगे समाज नहीं, प्रसिद्धि कुलांचे मारने लगती है। और मैं प्रसिद्धि पाने के लिए जी जान लगा शब्दों का खंडहर खड़ा करने लग जाता हूं। हर टाइप के लेखक को पेट की भूख उतनी परेशान नहीं करती जितनी प्रसिद्धि की भूख परेशान किए रहती है। वह लिखने से पहले ही प्रसिद्धि की आग में जलने लग जाता है। प्रसिद्धि की आग में जल रहों का कहना है कि प्रसिद्धि की आग पेट की आग से अधिक खतरनाक होती है। वह बड़े से बड़े समझदार को भी जलाकर साफ कर देती है।

राजस्थान में भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाना भी ऐसा ही एक निर्णय था, जिसने आरंभ में अनेक लोगों को आश्चर्य में डाला

'भजन-राज' यानी 'भरोसे के शासन' में राजस्थान के नये आयाम

ललित गर्ग

> जाते-जाते मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पीठ थपथपाकर अमित शाह ने यह जता दिया कि प्रदेश की कमान अब पूरी तरह ऐसे नेतृत्व के हाथों में है, जिस पर केंद्रीय आलाकमान को केवल विश्वास ही नहीं, बल्कि गहरा संतोष भी है। जिसे कभी राजनीतिक गलियारों में 'सरप्राइज पैकेज' कहकर देखा गया था, वही नेतृत्व आज राजस्थान की स्थिरता, सुशासन और भविष्य की ठोस नींव के रूप में स्थापित हो चुका है और राजस्थान की स्वर्णगाथा लिखने को तत्पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक विशिष्ट और लगातार सफल रहा प्रयोग यह रहा है कि वे सत्ता और संगठन में नए चेहरों को निर्णायक जिम्मेदारियां सौंपने से नहीं हिचकते।

राजस्थान की राजनीति में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का हालिया दौरा किसी औपचारिक कार्यक्रम या शिष्टाचार भर तक सीमित नहीं था, वह एक स्पष्ट राजनीतिक संकेत, एक भरोसे की सार्वजनिक मुहर और एक स्थायित्व का उद्घोष था। जाते-जाते मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पीठ थपथपाकर अमित शाह ने यह जता दिया कि प्रदेश की कमान अब पूरी तरह ऐसे नेतृत्व के हाथों में है, जिस पर केंद्रीय आलाकमान को केवल विश्वास ही नहीं, बल्कि गहरा संतोष भी है। जिसे कभी राजनीतिक गलियारों में 'सरप्राइज पैकेज' कहकर देखा गया था, वही नेतृत्व आज राजस्थान की स्थिरता, सुशासन और भविष्य की ठोस नींव के रूप में स्थापित हो चुका है और राजस्थान की स्वर्णगाथा लिखने को तत्पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक विशिष्ट और लगातार सफल रहा प्रयोग यह रहा है कि वे सत्ता और संगठन में नए चेहरों को निर्णायक जिम्मेदारियां सौंपने से नहीं हिचकते। पर्दे के पीछे वर्षों तक ईमानदारी और निष्ठा से काम करने वाले कार्यकर्ताओं को अचानक मुख्यमंत्री, उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष या राज्यपाल जैसे पदों पर आसीन करना मोदी की राजनीतिक शैली का साहसिक पक्ष रहा है। इन निर्णयों ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि राजनीति में अनुभव के साथ-साथ चरित्र, प्रतिबद्धता और संगठन के प्रति निष्ठा भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। राजस्थान में भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाना भी ऐसा ही एक निर्णय था, जिसने आरंभ में अनेक लोगों को आश्चर्य में डाला। किंतु समय ने सिद्ध कर दिया कि यह निर्णय भावनात्मक नहीं, बल्कि गहरी राजनीतिक समझ और दूरदृष्टि पर आधारित था। मुख्यमंत्री पद संभालते ही भजनलाल शर्मा ने यह साफ कर दिया कि वे सत्ता को साधन मानते हैं, साध्य नहीं। उनका एजेंडा कुर्सी बचाने का नहीं, बल्कि व्यवस्था बदलने का है। राजस्थान लंबे समय तक गुटीय राजनीति, शक्ति-संतुलन और पर्दे के पीछे चलने वाले समीकरणों से जूझता रहा है। सत्ता के भीतर ही सत्ता को चुनौती देने वाली प्रवृत्तियां यहां सामान्य रही हैं। भजनलाल शर्मा ने बिना किसी टकराव, बिना शोर-शराबे और बिना किसी को अपमानित किए, इन सभी प्रवृत्तियों को धीरे-धीरे अप्रासंगिक कर दिया। उन्होंने शासन को व्यक्ति-केंद्रित नहीं, बल्कि प्रणाली-केंद्रित बनाया। यही कारण है कि आज निर्णय तेजी से होते हैं, उन पर अमल भी होता है और उनकी जवाबदेही भी तय होती है। उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी पहचान 'जीरो टॉलरेंस' की नीति है, जो केवल कागजों या भाषणों तक सीमित नहीं रही। विशेष रूप से पेपर लीक माफिया के खिलाफ की गई कार्रवाई ने सरकार की मंशा और मुख्यमंत्री के साहस को स्पष्ट रूप से उजागर किया। वर्षों से यह माफिया लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करता रहा, लेकिन राजनीतिक संरक्षण के चलते उस पर हाथ डालने का साहस कोई नहीं कर पाया। भजनलाल शर्मा ने सत्ता संभालते ही इस समस्या को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया। एसआईटी के गठन, त्वरित जांच, बड़े

नामों की गिरफ्तारी और बिना किसी दबाव के निष्पक्ष कार्रवाई ने यह सिद्ध कर दिया कि यह सरकार केवल घोषणाओं में नहीं, परिणामों में विश्वास रखती है। इससे न केवल युवाओं का भरोसा लौटा, बल्कि यह संदेश भी गया कि अब राजस्थान में कानून से बड़ा कोई नहीं है। इसी प्रकार, दशकों से प्यास से जूझ रहे राजस्थान के लिए ईआरसीपी परियोजना पर मध्य प्रदेश के साथ हुआ ऐतिहासिक समझौता मुख्यमंत्री की राजनीतिक परिपक्वता और संवाद क्षमता का प्रमाण है। जिस योजना को वर्षों तक केवल चुनावी वादों और फाइलों में उलझाकर रखा गया था, उसे उन्होंने केंद्र सरकार के सहयोग और पड़ोसी राज्य के साथ सकारात्मक संवाद के जरिए वास्तविकता में बदलने का मार्ग प्रशस्त किया। यह निर्णय बताता है कि भजनलाल शर्मा टकराव की राजनीति के बजाय समाधान की राजनीति में विश्वास रखते हैं। कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर भी उनकी सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अपराध और अपराधियों के लिए अब कोई नरमी नहीं है। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन, संगठित अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अपराधियों में कानून का भय-ये सभी कदम इस बात के प्रमाण हैं कि राज्य में सत्ता का इकबाल लौट रहा है। आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है और अपराधी खुद को असुरक्षित। यह सुशासन का सबसे ठोस संकेत होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'विकसित भारत' की संकल्पना को राजस्थान में जमीन पर उतारने में भी मुख्यमंत्री की सक्रियता स्पष्ट दिखाई देती है। अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाएं पहुंचें, यह केवल नारा नहीं, बल्कि प्रशासनिक प्राथमिकता बनी है। फैसलों में स्पष्टता, गति और निष्पक्षता-इन तीनों का संतुलन उनकी कार्यशैली को विशिष्ट बनाता है। यही कारण है कि विपक्ष भी आज ठोस आलोचना के बिंदु खोजने में असहज नजर आता है। भजनलाल शर्मा के शासन की चर्चा करते समय उनके चारित्रिक और व्यक्तिगत गुणों का उल्लेख अत्यंत आवश्यक है। राजनीति में जहां दिखावा, आडंबर और अहंकार आम बात हो चली है, वहीं भजनलाल शर्मा अपनी सरलता, सहजता और सादगीपूर्ण जीवनशैली के लिए पहचाने जाते हैं। सत्ता में आने के बाद भी उनके व्यवहार, भाषा और जीवन-शैली में कोई कृत्रिम बदलाव नहीं आया। वे निर्णय लेते समय दृढ़ होते हैं, लेकिन संवाद में विनम्र रहते हैं। उनका राजनीतिक कौशल शोर में नहीं, बल्कि परिणामों में दिखाई देता है। वे जानते हैं कि कब कठोर होना है और कब संयम रखना है। यही संतुलन उन्हें भीड़ से अलग करता है। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, कार्यकर्ताओं के प्रति सम्मान और जनता के प्रति उत्तरदायित्व-ये सभी गुण उनके नेतृत्व को नैतिक आधार प्रदान करते हैं। राजस्थान के अब तक के मुख्यमंत्रियों का शासन बहुआयामी अनुभवों से भरा रहा है, जिसमें प्रशासनिक दक्षता, सामाजिक न्याय, विकासात्मक प्राथमिकताओं और राजनीतिक स्थिरता-इन सभी के विविध रूप देखने को मिलते हैं। हीरालाल शास्त्री और जय नारायण व्यास जैसे प्रारंभिक मुख्यमंत्रियों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक ढांचे की नींव रखी। मोहनलाल सुखाड़िया का दीर्घकालीन शासन सिंचाई, पंचायतीराज और सामाजिक सुधारों के लिए स्मरणीय रहा, जिसे 'आधुनिक राजस्थान' की आधारशिला माना जाता है। बाद के वर्षों में हरिदेव जोशी, शिवचरण माथुर और अशोक गहलोत ने कल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा-स्वास्थ्य और विकेंद्रीकरण पर बल दिया, जबकि भैरोंसिंह शेखावत और वसुंधरा राजे के शासन में आधारभूत संरचना, औद्योगिक निवेश, सड़क-बिजली और प्रशासनिक सख्ती पर अधिक जोर दिखा। इन सबके तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भजनलाल शर्मा का शासन अपेक्षाकृत नया होते हुए भी "सुशासन, अनुशासन और डिलीवरी" के संकल्प के साथ आगे बढ़ता दिखाई देता है। उनका फोकस प्रशासनिक चुस्ती, कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण, केंद्र-राज्य समन्वय और योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर है। पूर्ववर्ती मुख्यमंत्रियों के शासन जहाँ दीर्घ अनुभव और स्थापित नीतिगत पहचान के लिए जाने जाते हैं, वहीं भजनलाल शर्मा का शासन अपेक्षाओं, परिणामोन्मुखी कार्यसंस्कृति और नई कार्यशैली के परीक्षण के दौर में है। इस प्रकार राजस्थान की राजनीति में उनका कार्यकाल परंपरा और परिवर्तन-दोनों के बीच एक सेतु की तरह देखा जा सकता है, जहाँ पूर्व शासनों की उपलब्धियों से सीख लेकर भविष्य के लिए अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी शासन मॉडल गढ़ने का प्रयास परिलक्षित होता है। आज राजस्थान में 'भजन राज' का अर्थ केवल सत्ता का संचालन नहीं, बल्कि भरोसे का शासन है। ऐसा शासन, जहां कार्यकर्ता खुद को गौरवान्वित महसूस करता है और आम नागरिक खुद को सुरक्षित। केंद्रीय आलाकमान की खुली छूट और अमित शाह की पीठ थपथपाहट ने मुख्यमंत्री को और अधिक ऊर्जा के साथ काम करने का संबल दिया है। यह संकेत साफ है कि भजनलाल शर्मा अब केवल एक प्रयोग नहीं, बल्कि एक स्थापित, विश्वसनीय और सक्षम नेतृत्व के रूप में स्वीकार किए जा चुके हैं। जो लोग अब भी किसी बड़े बदलाव या सत्ता-समीकरण के इंतजार में हैं, उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि भजनलाल शर्मा का नेतृत्व कोई संयोग नहीं, बल्कि राजस्थान को एक स्थिर, सुशासित और स्वर्णिम भविष्य की ओर ले जाने वाला सुविचारित संकल्प है।

देश दुनिया से

पाकिस्तान की राह पर जाता बांग्लादेश भारत के प्रति फैला रहा घृणा

एक तरफ जहां हम उत्तर प्रदेश में रहने के चलते अपने आप को सर्वोपरि महसूस करते हैं लेकिन जब पड़ोसी देश बांग्लादेश में अपने हिंदू समाज के लोगों की हत्या और उन पर हो रहे अत्याचार की खबरें रोज अखबारों की सुर्खियां बनते देखते हैं तो कलेजा मुंह को आने लगता है कि आखिर बांग्लादेश में हिंदू, ईसाई और बौद्ध समुदाय के लिए लगातार हिंसा गंभीर चिंता का विषय है तो भारत ने खुलकर प्रतिक्रिया क्यों नहीं व्यक्त की। हालांकि भारत ने इन घटनाओं पर खुलकर चिता जरूर जताई है लेकिन क्या हम लाचार हैं वहां के हिंदू युवकों की हत्या होते देखने के लिए। आखिर क्या कारण है कि वहां अल्पसंख्यक समाज खासकर हिंदू एक से बढ़कर एक वीभत्स अत्याचार और दुर्दांत मौत का शिकार हो रहा है। बांग्लादेश में हिदू आबादी करीब 7 प्रतिशत है। हाल के महीनों में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिसा, आगजनी, जमीन कब्जे और हत्याओं की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अंतरिम सरकार के दौरान 2,900 से ज्यादा हिसक घटनाएं दर्ज की गई हैं। आखिर सच क्या है और आगे क्या हो सकता है? लगातार हो रही हत्याएं और हिसा यह संकेत दे रही हैं कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा एक बड़ा सवाल बन चुकी है। जांच के नतीजे क्या होंगे, यह तो समय बताएगा लेकिन फिलहाल डर और असुरक्षा का माहौल साफ नजर आ रहा है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टी-20 विश्व कप के लिए अपनी टीम भारत भेजने से मना तो किया ही, आइपीएल प्रसारण पर भी रोक लगा दी। इसे कुल मिलाकर बात बिगाड़ने वाला रवैया ही कहा जाएगा। उसके ऐसे रवैये के कारण ही उन तत्वों का दुस्साहस बेलगाम है जो हिदुओं को निशाना बनाने के साथ भारत के खिलाफ आग उगलने में लगे हुए हैं। बांग्लादेश में हिदुओं की हत्या से यही स्पष्ट हो रहा है कि वहां चुन-चुनकर हिदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। हिदुओं की हत्याओं का सिलसिला कायम रहने के बाद भी वहां की अंतरिम सरकार न्यूनतम गंभीरता का परिचय देने से इन्कार कर रही है। नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार हिदुओं की हत्याओं को या तो सांप्रदायिक हिसा मानने से इन्कार कर दे रही है या फिर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की खोखली बातें करके

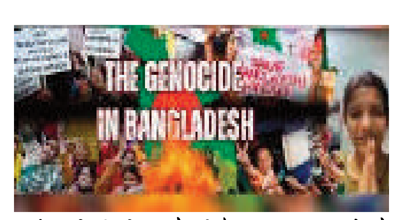

कर्तव्य की इतिश्री कर ले रही है। वह कुछ घटनाओं को आपसी रंजिश या दुर्घटना भी बता दे रही है। उसे यह आभास होना चाहिए कि अराजक माहौल आपसी रंजिश भुनाने का जरिया बनता है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि हिदुओं की हत्याओं के मामले तो सामने आ जाते हैं, लेकिन उनके घर जलाने, जमीन कब्जाने और उनकी महिलाओं से छेड़छाड़ करने की घटनाएं दबी ही रह जाती हैं। बांग्लादेश में हिदुओं के खिलाफ माहौल कितना विषाक्त हो गया है, इसे इससे समझा जा सकता है कि वहां हिदू अधिकारियों-कर्मचारियों को लांछित किया जा रहा है और हिदू नेताओं को चुनाव में भाग लेने से रोकने की भी कोशिश की जा रही है। यह सब इसीलिए हो रहा है, क्योंकि वे कट्टरपंथी ताकतें अंतरिम सरकार के संरक्षण में हैं, जो भारत विरोध के लिए जानी जाती हैं। हिदुओं को प्रताड़ित करने के लिए वहां उनके और भारत के खिलाफ सुनियोजित अफवाहें भी फैलाई जा रही हैं। यह एक अफवाह ही थी कि छात्र नेता उस्मान हादी को गोली मारने वाला भारत भाग गया है। बांग्लादेश सरकार ने सब कुछ जानते हुए भी इस झूठ पर लगाम लगाने की कोशिश नहीं की। उसकी पोल तब खुली जब उस्मान हादी के हत्यारोपित के दुबई में होने की सूचना आई। बांग्लादेश सरकार यह अच्छी तरह जान रही है कि हिदुओं को लगातार निशाना बनाए जाने से भारत में लोग उद्वेलित हो रहे हैं लेकिन वह हालात सामान्य करने के लिए कोई कदम उठाने के बजाय संबंधों को बिगाड़ने वाले काम कर रही है। बांग्लादेश के हालात बिगड़ने के साथ यह भी दिख रहा है कि वहां की अंतरिम सरकार भारत से संबंध सुधारने के बजाय बिगाड़ने पर आमादा है। उसे न तो अपने यहां के हिदुओं की हत्याओं की कोई परवाह है और न ही भारत विरोधी तत्वों के बेलगाम होते जाने की। वह इन तत्वों पर लगाम लगाने के बजाय उन्हें शह ही अधिक दे रही है। बांग्लादेश में जो हालात हैं, वे हमारी भूलों की भी देन हैं। ऐसी ही भूल हमने कश्मीर को हड़पने की कोशिश करने वाले पाकिस्तान के मामले में भी की थी। कश्मीर को महज एक राजनीतिक समस्या मानकर हम वहां राजनीतिक समाधान तलाशते रहे। इसके परिणाम क्या रहे, उससे सभी परिचित हैं। हमने कोई सबक नहीं सीखा और 1971 में पूर्वी पाकिस्तान के बांग्लाभाषी मुसलमानों और हिदू अल्पसंख्यकों का पाकिस्तानी फौज द्वारा किए जा रहे नरसंहार को रोकने और बांग्लादेश को मुक्त कराने के लिए भारत ने पाकिस्तानी सेना से युद्ध लड़ा। जिस समय भारत बांग्लादेश के मुक्ति युद्ध में कूदा, उस समय तक पाकिस्तान की फौज 25 लाख बांग्लाभाषी मुसलमानों और हिदुओं का नरसंहार कर चुकी थी और लाखों महिलाओं के साथ दुष्कर्म हो चुका था। आज बांग्लादेश में जो हालात हैं, उससे यह स्पष्ट है कि इस्लामिक कट्टरपंथ और भारत के प्रति घृणा वहां के समाज पर अब उसी तरह हावी है, जैसे पाकिस्तान पर हावी है। वह भारत के एहसान और बलिदान, दोनों को ही भूल चुका है। इसलिए भारत में नीति-निर्माताओं को आज के बांग्लादेश संकट को पूर्व में शेख मुजीब और जियाउर रहमान की हत्याओं से उपजे राजनीतिक संकटों की तरह समझना बंद कर देना चाहिए। वे हिंसा के बावजूद राजनीतिक संकट थे परंतु इस बार ऐसा नहीं है। बांग्लादेश के समाज का बड़े पैमाने पर जिहादीकरण हुआ है और यदि हमने इस तथ्य की अनदेखी कर उसे राजनीतिक समस्या समझकर उससे निपटने की कोशिश की तो हम वैसे ही पछताएंगे, जैसे कश्मीर के मामले में पछताते आए हैं। हम बांग्लादेश में चाहे जिस पार्टी का समर्थन करें, वहां के गली-मोहल्लों में कट्टरपंथी जमाती हावी रहने वाले हैं और चाहे किसी भी पार्टी की सरकार वहां आए, वह उनके सामने मजबूर रहने वाली है। इसके चलते भविष्य में बांग्लादेश के हिदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के समक्ष खतरा बढ़ जाए तो हैरानी नहीं। इस खतरे को देखते हुए हमें वहां अपनी सीमा के निकट और अपनी पहुंच के अंदर के हिदू और बौद्ध परिक्षेत्रों में अपनी स्थिति मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। हमें इजरायल से सीखना चाहिए जो हर सैन्य जीत या संकट के बाद अपने भूभाग का विस्तार करता है ताकि वह यहूदियों के लिए नए परिक्षेत्र बसा सके और अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार कर सके।

आप का नज़रिया

पुलिस वर्दी तक चिट्टे के दाग

पुलिस वर्दी में चिट्टे के दागों को मिटाने की सख्ती ने ग्यारह कर्मियों को घर बैठा दिया है। अपनी तरह का उदाहरण पेश करते हुए हिमाचल सरकार ने एक साथ पुलिस कर्मियों पर बड़ी कार्रवाई की है। जाहिर है चिट्टे के मनहूस धंधे में ऐसी कई कड़ियां हैं, जहां व्यवस्था में छुपे सांप नजर आते हैं। एक बहुत बड़ा तंत्र मिलीभगत पर उतर आया है। नशाखोरी के आलम में पूरी तरह तफतीश हो, तो आसान तरीकों की कमाई में 'एक नरक' काम कर रहा है। आश्चर्य यह कि जिस वर्दी के हवाले से चिट्टे के खिलाफ अभियान चल रहा है, उसके भीतर भी कई तरह के खलनायक छुपे हैं। चिट्टा कोई सीढियां चढ़ कर हिमाचल नहीं पहुंचा, बल्कि कानून व्यवस्था के बीच हाथ मिला कर चौकसी की मिट्टी पलीद कर रहा है। यहां सामान्य ड्यूटी में तैनात व सीआईडी की गोपनीयता में शरीक पुलिस कर्मी भी मिले हैं, तो अलग-अलग बटालियनों में नशे के सरगना सक्रिय रहे हैं। चिट्टे के खिलाफ हिमाचल सरकार ने हर तरीके, बंदोबस्त, चौकसी, सतर्कता, सामाजिक जवाबदेही और सख्ती के संदेशों से एक जबरदस्त अभियान को अंजाम तक पहुंचाने की ठान ली है। हर दिन पुलिस की ही फाइल से ऐसे मामलों की सूचना परवान चढ़ रही है, तो हर केस हिस्ट्री बता रही है कि चिट्टे की आपूर्ति में खुराक दर खुराक पहुंचाई जा रही है। कुछ वर्ष पूर्व एक सरकारी वाहन में चिट्टे की तरह सफेद सामान मिला था, लेकिन तब यह चीनी का बुरादा साबित हुआ था। हिमाचल के चरित्र में आ रहा खर्चीलापन, दिखावे का भडक़ीलापन, समाज में अकेलापन और युवा पीढ़ी के प्रति नीतियों का रूखापन, हमें विचित्र परिस्थितियों के गलघोंटू माहौल में कैद कर रहा है। यहां भूमिका सिर्फ पुलिस या पुलिस के डंडे की नहीं, हर घर, मोहल्ले, बस्ती, गांव, शहर और प्रदेश की भी है। नशा दवाई की दुकान पर बोतल चाटते हुए मिलेगा, जंगल में उगी भांग में मिलेगा, तो यारी-दोस्ती में चिट्टे की घुसपैठ जैसा दिखेगा। हमें जरूरत ज्यादा अस्पतालों की है या खेल के मैदानों की। हमें जरूरत रोजगार अवसरों की है या सरकारी नौकरी की पोस्टरबाजी ने युवा कल्पना को ही मार दिया है। क्या हमारी शिक्षा की व्याख्या में नौकरी का पाठ्यक्रम इतना उद्वेलित नहीं हो गया कि छात्र जीवन गलत आसरा ढूंढने लगा। चिट्टे का मनोवैज्ञानिक प्रभाव ही गलत रास्तों पर समाज की टेढ़ी कमर का फायदा उठा रहा है। अगर सामाजिक, पारिवारिक और व्यवस्थागत विद्रूपताएं न हों, तो कौन इस धंधे में जीवन को असहाय बनाए। इस नशे का एक ही पर्याय है मौत, फिर भी मौत के धंधे में हाथ साफ करते देखे जा रहे हैं। इसकी आपूर्ति ही इसका सेवन है, जहां समाज के भीतर लक्ष्य भी हैं और शिकार भी। ये ग्यारह पुलिस कर्मी धंधे के शिकार हुए या इन्होंने अपनी भूमिका के लक्ष्य में गुनाह को कबूल किया। पुलिस और इसके अधीन होमगाड्र्स जहां भी ड्यूटी निभाते हैं, वहां दोहरे मानदंड या दोहरा चरित्र क्यों सामने आ रहा है। यह मामूली रिश्वत से शुरू होकर असामाजिक तत्वों की गलबहियों में उपजा विनाश बन जाता है। ऐसा क्यों है कि सुरक्षा कर्मियों के पहरे में धार्मिक स्थल भी भ्रष्टाचार के पापड़ बेलना शुरू कर देते हैं। अक्सर 'दर्शन करवा देंगे' के पीछे जो संवाद पुलिस का सिपाही या होम गार्ड करता है, उसके पीछे मंदिर के टीके और प्रशाद की कीमत की अदायगी का धंधा नहीं तो और क्या हो रहा है। इस चिलमन के पीछे एक अदृश्य तंत्र छुपा है, जो हर प्रभाव, हर सतर्कता और हर निगरानी के घाव बांट रहा है। चिट्टा अगर युवा पीढ़ी के खिलाफ खड़ा है, तो यह पुलिस अनुशासन के लिए भी चुनौती बन रहा है। जाहिर है पुलिस विभाग को अपने फील्ड स्टाफ तक की काउंसिलिंग करने की जरूरत है। कई ढांचागत परिवर्तन करने से पहले हिमाचल के सीमांत क्षेत्रों की रात-दिन चौकसी की व्यवस्था कायम करने की आवश्यकता है। अब समय आ गया है जब पुलिस पैट्रोलिंग के मायने सख्त व हर दम चाहिएं। एक शुरुआत हुई है, लेकिन बड़े बदलाव के लिए पुलिस विभाग की कार्यशैली में बदलाव तथा काम करने की संस्कृति में उन्नयन चाहिए। बहरहाल, सरकार ने ग्यारह पुलिस कर्मियों पर सख्त आदेश पारित करके एक साथ कई चेतावनियां दे डाली हैं।

> जाहिर है चिट्टे के मनहूस धंधे में ऐसी कई कड़ियां हैं, जहां व्यवस्था में छुपे सांप नजर आते हैं। एक बहुत बड़ा तंत्र मिलीभगत पर उतर आया है। नशाखोरी के आलम में पूरी तरह तफतीश हो, तो आसान तरीकों की कमाई में 'एक नरक' काम कर रहा है। आश्चर्य यह कि जिस वर्दी के हवाले से चिट्टे के खिलाफ अभियान चल रहा है, उसके भीतर भी कई तरह के खलनायक छुपे हैं। चिट्टा कोई सीढियां चढ़ कर हिमाचल नहीं पहुंचा, बल्कि कानून व्यवस्था के बीच हाथ मिला कर चौकसी की मिट्टी पलीद कर रहा है। यहां सामान्य ड्यूटी में तैनात व सीआईडी की गोपनीयता में शरीक पुलिस कर्मी भी मिले हैं, तो अलग-अलग बटालियनों में नशे के सरगना सक्रिय रहे हैं। चिट्टे के खिलाफ हिमाचल सरकार ने हर तरीके, बंदोबस्त, चौकसी, सतर्कता, सामाजिक जवाबदेही और सख्ती के संदेशों से एक जबरदस्त अभियान को अंजाम तक पहुंचाने की ठान ली है। हर दिन पुलिस की ही फाइल से ऐसे मामलों की सूचना परवान चढ़ रही है, तो हर केस हिस्ट्री बता रही है कि चिट्टे की आपूर्ति में खुराक दर खुराक पहुंचाई जा रही है। कुछ वर्ष पूर्व एक सरकारी वाहन में चिट्टे की तरह सफेद सामान मिला था, लेकिन तब यह चीनी का बुरादा साबित हुआ था। हिमाचल के चरित्र में आ रहा खर्चीलापन, दिखावे का भडक़ीलापन, समाज में अकेलापन और युवा पीढ़ी के प्रति नीतियों का रूखापन, हमें विचित्र परिस्थितियों के गलघोंटू माहौल में कैद कर रहा है।

दृष्टि कोण

बुढ़ापे का सच्चा साथी कौन?

आजकल बुढ़ापे में अनेक लोगों का बुरा हाल और दुर्गति होती नजर आ रही है। इसके अनेक कारण हो सकते हैं, जैसे कि यदि आपने समुचित रूप से भविष्य के लिए धन संचित नहीं किया हो, यदि आपने जीवन भर दूसरों के साथ छल किया हो, यदि आपने अपनी संतानों को केवल अपना स्वार्थ साधने की शिक्षा दी हो, यदि आपने अपने जीवन को कोई सही दिशा नहीं दी हो, यदि आप अपने जीवनसाथी के प्रति निष्ठावान नहीं रहे हों। यदि परोपकार और क्षणिक सुख में आपने क्षणिक सुख को अधिक महत्त्व दिया हो। यदि आपने खुद को मशीन मानते हुए रिटायरमेंट को जीवन का अंत मान लिया हो। इसके अलावा भी अनेक और कारण गिनाए जा सकते हैं। वो लोग जो अपना पूरा जीवन पैसा कमाने और जोडऩे में गंवा देते हैं, अपने परिवार की अपेक्षा बस पैसा बनाने में अपना जीवन खपा देते हैं या व्यर्थ कर देते हैं, ऐसे लोग जिन्होंने हंसना कभी सीखा ही नहीं होता, ऐसे निरर्थक व्यक्ति जब अशक्त हो जाते हैं, तब उन्होंने जो परिवार में अभाव, असंतुष्टि के बीज बोये होते हैं, उस फसल को काटने का समय आ जाता है, और फिर उन्हें वही सब परिवार और सगे सम्बन्धियों से मिलता है अर्थात उपेक्षा, तिरस्कार, ताने, व्यंग इत्यादि शामिल है। इसके विपरीत जो व्यक्ति अपने जीवन में आपने परिवार को धन अर्जन की अपेक्षा प्राथमिकता देते हैं, सारा समय प्रसन्न रहते, अपनी कमाई से सन्तुष्ट रहते हैं, अपने इष्ट मित्रों को पूरा समय और सम्मान देते हैं और अपने शरीर और स्वास्थ्य को व्यापार की बजाय प्रथम स्थान पर रखते हैं, मृत्यु को अटल सत्य मानकर वृद्धावस्था का भी आनन्द लेते हैं, वे न तो कभी सनकी होते हैं और न ही कभी उपेक्षित। जरा संजीदगी से विचारें तो बुढ़ापे का सबसे बड़ा साथी कौन होता है, यह एक गहरा सवाल है और इसका जवाब हर व्यक्ति के लिए थोड़ा अलग हो सकता है। लेकिन अगर एक सबसे बड़े साथी की बात करें, तो ज्यादातर लोग मानेंगे कि अच्छा स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है। अच्छा स्वास्थ्य बुढ़ापे का आधार है। इसके बिना, पैसा और रिश्तेदार दोनों का

महत्व कम हो जाता है। अच्छा स्वास्थ्य आपको स्वतंत्र रखता है। आप अपने काम खुद कर पाते हैं और किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता, जो बुढ़ापे में आत्म-सम्मान और गरिमा के लिए बहुत जरूरी है। अगर स्वास्थ्य खराब है, तो सारा पैसा इलाज और दवाओं पर खर्च हो जाता है। अच्छा स्वास्थ्य पैसे को बचाता है। आप स्वस्थ हैं तभी रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ समय बिताने और उनका साथ खुशी से महसूस करने में सक्षम होंगे। बीमार शरीर के साथ हर रिश्ता एक बोझ जैसा लग सकता है। पैसा बुढ़ापे में सुरक्षा और सुविधा प्रदान करता है, खासकर जब स्वास्थ्य डगमगाने लगे। पैसा आपको एक अच्छी जीवनशैली बनाए रखने, अपनी जरूरतों को पूरा करने और किसी पर निर्भर न होने का आत्मविश्वास देता है। यदि स्वास्थ्य बिगड़ता है, तो पैसा ही आपको सबसे अच्छी चिकित्सा सुविधाएं और देखभाल (नर्सिंग या सहायक) प्रदान कर सकता है। पैसा आपको अपनी इच्छानुसार यात्रा करने या शौक पूरे करने की आजादी देता है। इसके साथ ही रिश्तेदार और परिवार बुढ़ापे में भावनात्मक समर्थन और अकेलेपन से मुक्ति देते हैं। बुढ़ापे में अकेलापन एक बड़ी समस्या है। परिवार का साथ मानसिक शांति और खुशहाली के लिए जरूरी है। जब स्वास्थ्य या पैसा दोनों ही कम पड़ जाएं, तो परिवार ही वास्तविक सहारा बनता है। पोते-पोतियों और बच्चों के आसपास रहना जीवन को एक नया उद्देश्य और अर्थ देता है। यदि आपके पास अच्छा स्वास्थ्य है, तो आपके लिए पैसा कमाना या रिश्तों का आनंद लेना आसान हो जाता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

गलतफहमी और लगातार असहमति परिवारिक माहौल को निराशाजनक बना सकती है. यह स्थिति आपको तनावग्रस्त कर सकती है. आज कार्य स्थल पर सहकर्मियों और अधीनस्थों से टकराव होने का खतरा है. घरेलू मोर्चे से निपटने के लिए राजनयिक बनने की कोशिश करें और दार्शनिक दृष्टिकोण अपनाकर वास्तविक दुनिया को उसके वास्तविक परिप्रेक्ष्य में देखने का प्रयास करें. वित्तीय व्यवहार और निवेश के साथ अधिक सतर्क और सावधान रहें क्योंकि दिन ज्यादा अनुकूल नहीं है, कमाई घट सकती है और धन अवरुद्ध हो सकता है. दूसरों के लिए स्थायी गारंटी देने से बचें.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा. इस राशि के छात्रों के करियर में आज नया बदलाव आयेगा, जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा. आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी. इस राशि के जो लोग सोशल साइट्स पर काम करते हैं, उनकी जान–पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको काफी लाभ मिलेगा. कारोबार में कुछ लोग मददगार साबित होंगे. आपको कोई महत्वपूर्ण काम मिल सकता है. सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी. अपने मस्तक पर चंदन का तिलक लगाएं, आपके साथ सब अच्छा होगा.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बिजनेस और नौकरी में परिवार से सहयोग मिलेगा. कार्यस्थल पर सोच–समझकर बोलें. उन्नति के रास्ते खुलेंगे. बिजनेस में फायदा होने के योग बन रहे हैं. घर में उपयोग होने वाली वस्तुएं खरीद सकते हैं. अपनी सोच सकारात्मक रखें. विश्वसनीय व्यक्ति का सहयोग भी मिल सकता है. आपका पार्टनर संवेदनशील मूड में रहेगा. आपकी भावनाओं का सम्मान होगा. आपको अपनी सेहत पर विशेष ध्यान देना चाहिए.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज पारिवारिक समस्याओं से मन विचलित हो सकता है. सामाजिक प्रतिष्ठा मिलेगी. व्यापार–व्यवसाय में वृद्धि के योग हैं. उत्साह बना रहेगा. काम में मन लगेगा. नया काम मिलेगा. प्यार के लिए समय बेहतरीन है. नई जगह निवेश करने के लिए आप उत्सुक रहेंगे. कार्यक्षेत्र में पदोन्नति के योग बन रहे हैं. बिजनेस में धन लाभ के योग बन रहे हैं. आज प्रेमी और जीवनसाथी ही आपकी बड़ी ताकत होगा. आज अचानक ही आपके घर मेहमान आ सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस माह आपको भाग्य के साथ शानदार परिणाम मिलेंगे. आप प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे. आप एक नई साझेदारी में प्रवेश कर सकते हैं और अपने लाभ को बढ़ा सकते हैं. अगर आप काम के लिए विदेश जाना चाहते हैं तो अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएं. वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे. प्रतिद्वंद्वी गतिविधि आपको नुकसान नहीं पहुंचाएगी. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ किसी धार्मिक पर जा सकते हैं. यह एक मनोरंजक यात्रा होगी और इससे आपको मानसिक शांति भी मिलेगी.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. इस राशि के छात्रों को अपने शिक्षकों का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगे। संतान पक्ष की ओर से आपको सुख की प्राप्ति होगी. अपने कार्यों में संतान से पूरी मदद मिलेगी. आपको पैसे कमाने के अच्छे मौके मिलेंगे. किसी खास व्यक्ति से कामकाज के मामले में आपको कुछ नए आइडिया मिल सकते हैं. शाम को बच्चों के साथ पार्क में घूमने जायेंगे। गाय को रोटी खिलाएं, घर में सुख–शांति बनी रहेगी.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

कर्ज से छुटकारा मिल सकता है. अपने काम पर पूरी नजरें रखें. अधिकारियों से सहयोग मिलेगा. आज आपके लिए योजना बनाना मेहनत करने से भी ज्यादा कारगर साबित हो सकता है. आपके लिए परिवार, जमीन–जायदाद के मामले, दोस्त और रिश्तेदार बहुत खास हो सकते हैं. आपका व्यवहार पार्टनर को खुशी देगा. कुछ नया और सकारात्मक काम करेंगे, तो आप अपने जीवन में अच्छा खासा सुधार कर सकते हैं.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी घरेलू जिम्मेदारियों में धन खर्च होने की संभावना है, प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा. आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा. आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. पुराने मित्रों के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है. आपके कामों की तारीफ हो सकती है. अपनी प्राथमिकताएं निर्धारित कर लें और अपने काम पर लग जाएं.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आर्थिक रूप से यह बहुत अच्छी अवधि है. व्यापारी वर्ग वांछित परिणाम प्राप्त करेंगे और अपने कार्य क्षेत्र में अपने लिए जगह बनाएंगे. सामाजिक लोकप्रियता प्राप्त करने के शुभ संकेत हैं. आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा. परिवार में शादी या बच्चे का जन्म हो सकता है. खेलप्रेमियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा. प्रेम सम्बन्ध मजबूत होंगे. छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे. जोड़ो से सम्बंधित रोगों से जूझ रहे जातकों को अत्यधिक ध्यान रखने की आवश्यकता है.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

पारिवारिक मामलों में आपको भागदौड़ करनी पड़ेगी. ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे हो सकते हैं, इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है. किसी बात को लेकर भाई–बहन से अनबन हो सकती है. आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए. आप नए काम पर सोच–विचार कर सकते हैं. आप किसी दोस्त से मदद मांग सकते हैं. सेहत ठीक बनी रहेगी. मंदिर में सुबह–शाम घी का दीपक जलाएं, आपके काम में स्थिरता बनी रहेगी.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

बिजनेस में आत्मनिर्भरता रहेगी. नए लोगों से कॉन्टैक्ट बनेंगे. कामकाज बढ़ेगा. साथ के लोगों से सहयोग मिल सकता है. नए लोगों से भी अच्छे संबंध बनेंगे. बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा. आपकी आर्थिक स्थिति में जल्दी ही सुधार लाने में सफल रहेंगे. आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे हो जाएंगे. पुरानी समस्याओं का समाधान मिल सकता है. मौसमी बीमारियां भी हो सकती हैं.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें. यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें. किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है. दूसरों के बहकावे में न आएं. आय में निश्चितता रहेगी. अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें. निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें. शिक्षा–प्रतियोगिता में सफलता,षड्यंत्र का शिकार होने से बचें. इस राशि के स्टूडेंट्स का मन पढ़ाई में लगेगा.

आज का पंचांग

दिनांक : 15 जनवरी 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 08:19 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 05:48 तक
योग : वृद्धि रात्रि 08:37 तक
करण : कौलव प्रातः 07:09 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक रात्रि 05:48 तक
सूर्योदय : 06:49, सूर्यास्त 06:01 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45 , सूर्यास्त 06:12 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:03 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 05:54 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : संक्रांति करिदिन , तिल द्वादशी, धनुर्मास समाप्त , शुक्र तारा अस्त है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल शर्मा ने जलमहल की पाल पर पतंग उड़ाकर काइट फेस्टिवल का किया शुभारंभ

जयपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मकर संक्रांति के पर्व पर जल महल की पाल पर पतंग उत्सव (काइट फेस्टिवल) का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं भी पतंग उड़ाकर मकर संक्रांति पर्व की परंपरा में सहभागिता निभाई। मुख्यमंत्री ने इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर आधारित पतंगों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने लोक–कलाकारों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति के पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति एवं परंपरा का प्रतीक है। पतंग महोत्सव जैसे आयोजन प्रदेश की लोक संस्कृति, रचनात्मकता एवं सामाजिक चेतना को मजबूती देने के साथ ही पर्यटन को भी बढ़ावा देते हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देशों पर इस वर्ष राज्य के समस्त सात संभाग स्तर एवं जैसलमेर व माउंटआबू में पतंग उत्सव का आयोजन किया गया है। इसी क्रम में जलमहल की पाल पर आयोजित पतंग उत्सव में रंग–बिरंगी पतंगों, पारंपरिक उल्लास एवं देशी–विदेशी पर्यटकों का संगम दिखाई दिया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, विधायक बालमुकुंदाचार्य, पर्यटन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, पर्यटन आयुक्त रूकमणी रियाड़ सहित अन्य अधिकारी, देशी–विदेशी पर्यटक और आमजन उपस्थित रहे।

जयपुर–बीकानेर हाईवे पर हादसे में 6 महिलाओं की मौत

3 गंभीर रूप से घायल

सीकर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर जिले में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में छह महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा जयपुर–बीकानेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर फतेहपुर थाना क्षेत्र के हरसावा गांव के पास करीब शाम 4 बजे हुआ, जब एक अर्टिगा कार की सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। पुलिस के अनुसार, सभी पीड़ित एक ही परिवार के थे और लक्ष्मणगढ़ में एक अंतिम संस्कार में शामिल होकर लौट रहे थे। परिवार दो वाहनों में सफर कर रहा था, जिनमें आगे चल रही अर्टिगा कार विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई और उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में जुटते हुए घायलों को बाहर निकाला तथा शवों को कार से बाहर निकाला। बाद में आपातकालीन सेवाएं भी मौके पर पहुंचीं। घायलों को पहले फतेहपुर के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया गया।

फतेहपुर थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि अर्टिगा कार सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ से फतेहपुर की ओर जा रही थी, जबकि ट्रक सीकर की तरफ आ रहा था। उन्होंने कहा, कार में सवार सभी लोग एक ही परिवार के थे। दुर्भाग्यवश, हादसे में छह महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि मृतकों और घायलों की पहचान की जा रही है और परिजनों को सूचना दी जा रही है। ट्रक को जब्त कर पुलिस हिरासत में ले लिया गया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है, हालांकि तकनीकी खराबी या मानवीय भूल की संभावना से भी इनकार नहीं किया गया है।

हादसे के चलते व्यस्त जयपुर–बीकानेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा, जिसे बाद में बहाल कर दिया गया।

किसानों का विरोध प्रदर्शन स्थगित, सांसद हनुमान बेनीवाल और राजस्थान प्रशासन के बीच बनी सहमति

जयपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल के नेतृत्व में किसानों का विरोध प्रदर्शन बुधवार सुबह रोक दिया गया, जब रात भर चली बातचीत के बाद जिला प्रशासन के साथ एक लिखित समझौता हो गया। सांसद हनुमान बेनीवाल ने मंगलवार को छह मुख्य मांगों को लेकर, जिनमें रेत माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई और किसानों के लिए मुआवजा शामिल था, करीब 2,000 गाड़ियों के बड़े काफिले के साथ जयपुर की ओर मार्च शुरू किया था। यह सफलता सुबह करीब 5 बजे मिली, जब नागौर के जिला कलेक्टर अरुण कुमार पुरोहित, पुलिस अधीक्षक मृदुल कछवाहा और रियांबड़ी के एसडीएम सूर्यकांत ने बेनीवाल से बातचीत की। मीटिंग के बाद, बेनीवाल ने घोषणा की कि सभी मुख्य मांगों पर सहमति बन गई है, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन खत्म कर दिया गया।

बेनीवाल ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अवैध रेत खनन के खिलाफ सर्वे करने के लिए एक दिन के अंदर टीमें तैनात की जाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि सभी तय काम अगले दो से तीन दिनों में पूरे कर लिए जाएंगे।

उनके मुताबिक, समझौते में रेत माफिया पर लगाम लगाने के लिए रिया इलाके में सर्वे करना, संबंधित एसडीएम और माइनिंग अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई, पेंडिंग फसल बीमा क्लेम का निपटारा और रेलवे द्वारा अधिग्रहित जमीन से संबंधित मुआवजे शामिल हैं।

वहीं, मंगलवार शाम को बेनीवाल किसानों और समर्थकों के काफिले के साथ नागौर से निकले। काफिला रात करीब 9.30 बजे हाईवे पर नागौर जिले के आखिरी गांव बारी घाटी के पास टोल प्लाजा पर रुका। इसके बाद, रात करीब 11.30 बजे अजमेर रेंज के आईजी राजेंद्र सिंह, नागौर कलेक्टर और एसपी के साथ बातचीत के लिए मौके पर पहुंचे। बातचीत करीब 1.30 बजे तक चली, लेकिन कई मुद्दों पर कोई नतीजा नहीं निकला। शुरुआत में कोई समझौता न होने के कारण स्थिति तनावपूर्ण बनी रही।

प्रशासन ने पादु कलां में नागौर–अजमेर एनएच–59 पर बैरिकेड लगा दिए थे और भारी पुलिस बल तैनात कर दिया था। बैरिकेड देखकर बेनीवाल का काफिला जयपुर की ओर मुड़ गया, जिससे प्रशासन पर दबाव बढ़ गया और आखिरकार फिर से बातचीत शुरू हुई।

इसके अलावा, उन्होंने किसानों के लिए मुआवजे की मांग की, और पिछले साल की आपदा राहत से छूटे हुए मेड़ता और रियान इलाकों के गांवों को शामिल करने की बात कही। उन्होंने चरागाह जमीन का मुद्दा भी उठाया और करीब 14,000 बीघा चरागाह जमीन के कथित गलत आवंटन पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

दौसा में फर्नीचर गोदाम में भीषण आग, दुर्गा मंदिर परिसर चपेट में

दौसा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। शहर की नई मंडी रोड स्थित दुर्गा मंदिर के पीछे बने एक फर्नीचर के गोदाम में बुधवार शाम भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि उसने दुर्गा मंदिर परिसर को भी अपनी चपेट में ले लिया। मंदिर की परिक्रमा में आग की लपटें उठती देख क्षेत्र में अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस और दमकल विभाग मौके पर पहुँचे। दमकल की दो गाड़ियाँ आग बुझाने में जुटीं, वहीं स्थानीय लोगों ने भी टैंकरों से पानी मंगाकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। इसके बावजूद करीब दो घंटे तक आग पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका।

बताया जा रहा है कि शाम करीब 6 बजे आग लगी। गोदाम में बड़ी मात्रा में फर्नीचर और फोम रखा होने के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया। गोदाम मंदिर से सटा होने के चलते दुर्गा मंदिर परिसर भी प्रभावित हुआ।

घनी आबादी वाला क्षेत्र होने के कारण मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। देर रात तक आग बुझाने के प्रयास जारी रहे।

अग्रवाल वैश्य समाज: व्यापारियों की सुरक्षा, कानून व्यवस्था और संवाद को लेकर हुई सार्थक चर्चा

चंडीगढ़, 14 जनवरी (एजेंसियां)। अग्रवाल वैश्य समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला के नेतृत्व में हरियाणा के नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अजय सिंघल से शिष्टाचार भेंट कर उनका अभिनंदन किया और बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ दीं। सौहार्दपूर्ण सम्पन्न हुई इस मुलाकात में प्रदेश की कानून व्यवस्था, व्यापारियों की सुरक्षा, सामाजिक सहभागिता तथा प्रशासन और समाज के बीच बेहतर समन्वय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। इस दौरान सर्वप्रथम प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी अजय सिंघल को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया और आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में हरियाणा पुलिस न केवल अपराध नियंत्रण में नई ऊँचाइयों को छुएगी, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग विशेषकर व्यापारियों और उद्यमियों को सुरक्षित और विश्वासपूर्ण माहौल प्रदान करेगी। इस अवसर पर डीजीपी अजय सिंघल ने कहा कि प्रदेश में व्यापारियों की सुरक्षा पुलिस प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हरियाणा पुलिस कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने, संगठित अपराध पर सख्ती से कार्रवाई करने तथा व्यापारिक गतिविधियों को निर्भय वातावरण में संचालित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि व्यापार किसी भी राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है और यदि व्यापारी सुरक्षित महसूस करेंगे, तभी निवेश, रोजगार और विकास को गति मिलेगी। डीजीपी ने यह भी आश्वासन दिया कि पुलिस और समाज के बीच संवाद को और मजबूत किया जाएगा, ताकि समस्याओं का समाधान समय रहते किया जा सके। उन्होंने कहा कि थाना स्तर पर जवाबदेही, अपराध की त्वरित रोकथाम, साइबर अपराध पर सख्त कार्रवाई और जन–सुनवाई व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस और समाज के बीच निरंतर संवाद से ही बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा पुलिस तकनीक, खुफिया तंत्र और सामुदायिक पुलिसिंग के माध्यम से अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए प्रतिबद्ध है। व्यापारिक क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने, संवेदनशील इलाकों की पहचान और समय–समय पर समीक्षा की बात भी उन्होंने कही।

इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने कहा कि वैश्य समाज सदैव राष्ट्र निर्माण, अर्थव्यवस्था और सामाजिक समरसता में अग्रणी भूमिका निभाता आया है और प्रशासन के साथ मिलकर समाजहित में सकारात्मक योगदान देने को तत्पर है। उन्होंने कहा कि ये सौभाग्य की बात है कि श्री सिंघल प्रदेश की कानून व्यवस्था का नियंत्रण कर रहे हैं। वैश्य समाज उन्हें इस महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी संभालने पर हार्दिक बधाई देता हैं और आशा करता हैं कि उनके कुशल, ईमानदार और दृढ़ नेतृत्व में हरियाणा पुलिस नई मिसाल कायम करेगी।

बुवानीवाला ने कहा कि वैश्य समाज सदैव राष्ट्र की आर्थिक प्रगति का आधार रहा है। व्यापार, उद्योग, सेवा और उद्यमिता के माध्यम से समाज ने न केवल रोजगार सृजन किया है, बल्कि सामाजिक दायित्वों का भी पूरी निष्ठा से निर्वहन किया है। ऐसे में व्यापारियों की सुरक्षा केवल एक वर्ग की नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश की आर्थिक स्थिरता और विकास से जुड़ा विषय है। अजय सिंघल के मजबूत संरक्षण और विश्वास व्यापारी और अधिक निर्भय होकर कार्य कर सकता है। हमें पूर्ण विश्वास है कि डीजीपी अजय सिंघल के नेतृत्व में हरियाणा पुलिस इस दिशा में ठोस और प्रभावी कदम उठाएगी।

कांग्रेस की विचारधारा को गांव, कस्बों और शहरों तक पहुँचाना समय की आवश्यकता : सैलजा

कुरुक्षेत्र, 14 जनवरी (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित 10 दिवसीय व्यापक प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने हरियाणा एवं उत्तराखंड के नव नियुक्त कांग्रेस जिलाध्यक्ष कुरुक्षेत्र पहुँचे। इस अवसर पर सिरसा की सांसद व कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा ने प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया। कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा को गांव, कस्बों और शहरों तक प्रभावी रूप से पहुँचाना समय की आवश्यकता है। जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए निरंतर जनसंवाद से ही संगठन मजबूत होगा। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के संदेश को साझा करते हुए संगठनात्मक एकजुटता, अनुशासन और सक्रिय जनसंपर्क को और सुदृढ़ करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि यह 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संगठन सृजन कार्यक्रम के उपरांत आयोजित किया गया है, जिसमें हरियाणा और उत्तराखंड के जिलाध्यक्ष सहभागिता कर रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान कांग्रेस की वर्तमान स्थिति, विचारधारा और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर गहन विचार–विमर्श होगा। साथ ही फील्ड विजिट के माध्यम से गांवों में जाकर जमीनी वास्तविकताओं को समझा जाएगा ताकि इन अनुभवों के आधार पर भविष्य की रणनीति तय की जा सके।

नगर निगम चुनाव पूरे दमखम से लड़ेगी कांग्रेस, जीत सुनिश्चित : राव नरेंद्र सिंह

पंचकूला, 14 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में वर्ष 2026 में होने वाले अंबाला, पंचकूला एवं सोनीपत नगर निगम चुनावों को लेकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। प्रदेश भर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है और संगठन पूरी मजबूती एवं अनुशासन के साथ चुनावी मैदान में उतरने के लिए तैयार है। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कांग्रेस नगर निगम चुनाव पूरे दमखम के साथ लड़ेगी तथा जीत सुनिश्चित करने के लिए ठोस और व्यावहारिक रणनीति पर काम किया जा रहा है। इसी क्रम में चुनावी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से पार्टी द्वारा जिला स्तरीय विशेष चुनाव समितियों का गठन किया गया है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि गठित चुनाव समितियां संगठनात्मक समन्वय, चुनावी तैयारियों, प्रचार–प्रसार, जनसंपर्क तथा चुनाव से जुड़ी सभी औपचारिकताओं को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस जनता के मुद्दों, विकास के स्पष्ट एजेंडे और मजबूत संगठनात्मक ढांचे के बल पर नगर निगम चुनावों में विजय का परचम लहराएगी।

प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व ने स्पष्ट किया कि पार्टी जमीनी स्तर पर जनसंपर्क को और अधिक सशक्त करेगी तथा समाज के हर वर्ग की समस्याओं को प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाकर जनता के बीच जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा के दमनकारी रवैये से जनता त्रस्त है और अब और सहन नहीं करेगी। कांग्रेस ही एकमात्र ऐसा विकल्प है जो जनहित, समाजवाद, समानता और समग्र विकास की विचारधारा पर दृढ़ता से खड़ी है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि सभी कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता एकजुट होकर, अनुशासित तरीके से यह चुनाव लड़ेंगे और विजय सुनिश्चित करेंगे।

किनवट नगरपरिषद उपाध्यक्ष चुनाव में टाई के बाद निर्णायक वोट से हसनलाला निर्वाचित

राजनीतिक खींचतान के बीच नाटकीय घटनाक्रम

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरपरिषद किनवट के उपाध्यक्ष पद के चुनाव में जोरदार राजनीतिक खींचतान और नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला। इस चुनाव में महाविकास आघाड़ी की ओर से मो. हसनलाला पठाण तथा महायुति की ओर से श्रीनिवास नेमानीवार ने नामांकन दाखिल किया था। मतदान प्रक्रिया में मो. हसनलाला पठाण और श्रीनिवास नेमानीवार को बराबर 11-11 वोट प्राप्त हुए। टाई की स्थिति में नगराध्यक्ष सुजाता एड्रलवार ने अपने निर्णायक वोट का उपयोग करते हुए मो. हसनलाला पठाण के पक्ष में मतदान किया, जिससे वे 12 वोटों के साथ निर्वाचित घोषित हुए।

इसके साथ ही मनोनीत दो स्वीकृत सदस्यों में साजिद खान का आवेदन वैध पाया गया, जबकि प्रशांत कोरडे का आवेदन त्रुटि के कारण अवैध घोषित किया गया।

किनवट नगरपरिषद की पहली विशेष सभा बुधवार को सुबह 11 बजे पीठासीन अधिकारी एवं नगराध्यक्ष सुजाता विनोद एड्रलवार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस विशेष सभा में उपाध्यक्ष पद तथा स्वीकृत सदस्यों को लेकर कार्यवाही हुई। चुनाव प्रक्रिया के दौरान प्रशासकीय कामकाज मुख्याधिकारी मुगाजी काकड़े ने संभाला।

इस पहली बैठक में नवनिर्वाचित सदस्यों का स्वागत एवं शुभकामनाएं नगराध्यक्ष सुजाता एड्रलवार द्वारा दी गईं और बैठक का प्रारंभ हुआ। उपाध्यक्ष पद के लिए महाविकास आघाड़ी से उम्मीदवार मो. हसनलाला पठाण और महायुति से उम्मीदवार श्रीनिवास नेमानीवार ने नामांकन दाखिल किए थे। 15 मिनट की अवधि के बाद मतदान प्रक्रिया शुरू हुई, जिसमें कुल 22 नगरसेवकों ने भाग लिया।मतदान में दोनों उम्मीदवारों को 11-11 वोट मिलने से स्थिति बराबरी की हो गई। इसके बाद नगराध्यक्ष सुजाता एड्रलवार ने अपने निर्णायक मताधिकार का प्रयोग करते हुए मो. हसनलाला पठाण के पक्ष में वोट डाला, जिससे एक वोट के अंतर से मो. हसनलाला पठाण विजयी घोषित किए गए।

इसके अलावा दो स्वीकृत सदस्यों का मनोनयन किया जाना था। सत्तारूढ़ दल की ओर से प्रशांत कोरडे को स्वीकृत सदस्य बनाए जाने के लिए आवेदन किया गया था, लेकिन प्रशासनिक अधिकारी ने आवेदन में त्रुटि बताते हुए उसे रद्द कर दिया। वहीं साजिद खान का आवेदन वैध मानते हुए उन्हें स्वीकृत सदस्य के रूप में घोषित किया गया।

महायुति भाजपा के गुट नेता श्रीनिवास नेमानीवार ने उपाध्यक्ष पद पर हुई पराजय को लेकर चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए और आरोप लगाते हुए कहा कि महायुति गठबंधन की स्थिति मजबूत है।

उपाध्यक्ष चुनाव के अवसर पर नगराध्यक्ष सुजाता एड्रलवार, राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) की श्रीमती बेबीताई प्रदीप नाईक, शिवसेना जिलाप्रमुख ज्योतिबा खराटे, युवा नेता करण एड्रलवार ने कहा कि मो. हसनलाला पठाण को अवसर देकर मुस्लिम समाज के साथ न्याय किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि भविष्य में इच्छुक नगरसेवकों को क्रमशः उपाध्यक्ष पद का अवसर दिया जाएगा।

इस अवसर पर नगरसेवक, नगरसेविकाएं, महाविकास आघाड़ी के प्रमुख नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उपाध्यक्ष पद पर चुने जाने के बाद मो. हसनलाला पठाण के समर्थकों ने जश्न मनाया।

चुनाव के मद्देनज़र कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उपविभागीय पुलिस अधिकारी रामचंद्र मडघणे तथा पुलिस निरीक्षक गणेश कराड के मार्गदर्शन में पुलिस बंदोबस्त तैनात किया गया था।

बंडारू दत्तात्रेय ने जारी किया शीप एंड गोट ब्रीडिंग एसोसिएशन का कैलेंडर

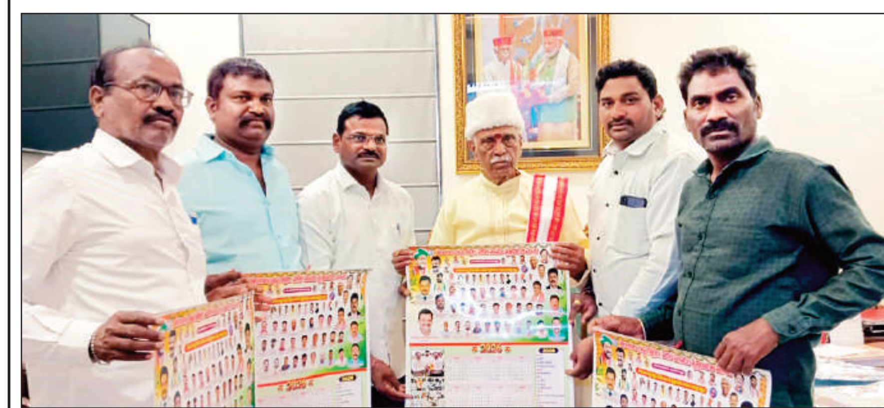

मंचेरियाल, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूर्व गवर्नर बंडारू दत्तात्रेय ने बुधवार को हैदराबाद में तेलंगाना स्टेट शीप एंड गोट ब्रीडिंग प्रोफेशनल्स एसोसिएशन का 2026 कैलेंडर जारी किया। राज्य अध्यक्ष कोम्मू अशोक यादव की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व गवर्नर को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। एसोसिएशन के मंचेरियाल जिला अध्यक्ष चिल्लारपु संतोष यादव, कोटापल्ली मंडल अध्यक्ष मद्दुरी गट्टन्ना यादव, ऑनरेरी प्रेसिडेंट कोंडन्ना यादव, एम.के. राजेश, म्यूजिक डायरेक्टर रमेश सतीश यादव, नरेश यादव सहित अन्य नेताओं ने भाग लिया।

रेचिनी रेलवे ट्रैक पर अज्ञात व्यक्ति की मौत, पुलिस पहचान में जुटी

बेल्लमपल्ली, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेल्लमपल्ली रेलवे पुलिस को बुधवार सुबह करीब 7:30 बजे रेचिनी रोड-आसिफाबाद रोड रेलवे स्टेशनों के बीच अप लाइन और बीड़ी लाइन के पास लगभग 45 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति घायल अवस्था में मिला। उसके सिर में गंभीर चोटें थीं।उसे 108 एम्बुलेंस से बेल्लमपल्ली सरकारी अस्पताल ले

जाया गया, जहां इलाज के दौरान सुबह 8:55 बजे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के पास कोई पहचान पत्र नहीं मिला है। उसने लाल बनियान और हरी पैंट पहन रखी थी, लंबाई करीब 5 फीट 6 इंच और रंग सांवला बताया गया है। पहचान नहीं होने के कारण शव को बेल्लमपल्ली सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में रखा गया है। एसआई सुधाकर के निर्देश पर रेलवे हेड कांस्टेबल वी. वेंकटैया मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने अपील की है कि यदि किसी को मृतक के बारे में जानकारी हो तो 8712658601 या 9849198382 नंबरों पर संपर्क करें।

जिला पुनर्गठन से खुला समस्याओं का पिटारा मंथनी को नया जिला, राजन्ना पर संकट?

मंचेरियाल, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार के जिलों के पुनर्गठन फैसले से नई मांगें और चिंताएं उभर आई हैं। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने विधानसभा में कहा कि वैज्ञानिक पद्धति से जिलों, राजस्व मंडलों का पुनर्गठन होगा। इससे मंथनी जैसे क्षेत्रों में उम्मीदें जगीं, जबकि राजन्ना सिरसिल्ला के निवासी अपने जिले के खात्मे की अफवाहों से चिंतित।दशकों से अलग जिला की मांग; 1992 में पीवी नरसिम्हा राव के नाम पर प्रस्ताव।2016 में पेद्दापल्ली गठित, लेकिन मंथनी को दरकिनार किया।अब कटाराम, महादेवपुर समेत पुराने क्षेत्र को जयशंकर भूपालपल्ली से अलग कर नया जिला; नाम श्रीपदा राव के पक्ष में। सोशल मीडिया पर जिले समाप्ति की अफवाहें। सरकार ने अभी कोई फैसला नहीं लिया। पुनर्गठन से विकास बनाम विस्थापन का विवाद तेज; स्थानीय नेता सक्रिय।

धनुर सरपंच जयश्री देवीदास ने मनाया हल्दी-कुंकुम कार्यक्रम

मदनूर, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मदनूर मंडल के धनुर गांव में मकर संक्रांति के अवसर पर नवनिर्वाचित सरपंच जयश्री देवीदास पाटिल ने बुधवार को हनुमान मंदिर पर हल्दी-कुंकुम कार्यक्रम आयोजित किया। महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा से सटे इस मंडल में तेलुगु, मराठी और कन्नड़ भाषाएं बोली जाती हैं, तथा त्योहार महाराष्ट्र पंचांग के अनुसार मनाए जाते हैं। गांव की सौभाग्यवती महिलाओं को आमंत्रित कर सरपंच ने हल्दी-कुंकुम का तिलक लगाया तथा सभी को तिलगुड़ वितरित किया। मौके पर मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

बेज्जूर मंडल में दर्दनाक सड़क हादसा, सगाई के बाद लौट रहे युवक समेत दो की मौत

कागज़नगर, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोमुरम्भीम जिले में आज सुबह एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। यह दुर्घटना बेज्जूर मंडल के अंतर्गत कुंतला मानेपल्ली-सालगुपल्ली रोड पर नूलुकु ओरे पर बने पुल के पास हुई।मृतकों की पहचान डोंगरे राजशेखर (21 वर्ष) और बोरुकुट शंकर (48 वर्ष) के रूप में हुई है। डोंगरे राजशेखर, डोंगरे राजैया (58 वर्ष) के दूसरे पुत्र थे। राजैया एससी (माला) समुदाय से हैं और पेशे से मजदूर हैं। वे कौतला मंडल के घुमपेट गांव के निवासी हैं। हाल ही में राजशेखर की सगाई कुंतला मानेपल्ली गांव निवासी बोरुकुट शंकर की बेटी वरलक्ष्मी से हुई थी।14 जनवरी 2026 को सुबह करीब 9 बजे राजशेखर अपने होने वाले ससुर बोरुकुट शंकर के साथ कुंतला मानेपल्ली से चिकन खरीदकर लौट रहे थे। वे सालगुपल्ली की ओर से टीवीएस टू-व्हीलर (वाहन नंबर

टीएस 20 बी 6501) से आ रहे थे। जब वे कुंतला मानेपल्ली गांव के बाहरी इलाके में नूलुकु ओर्रे पुल पर पहुंचे, तो तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण वाहन से नियंत्रण खो बैठे। बाइक पुल से टकराकर नीचे गिर गई।

इस हादसे में वाहन चला रहे डोंगरे राजशेखर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे बोरुकुट शंकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर तुरंत एम्बुलेंस बुलाकर शंकर को कागज़नगर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोपहर करीब 12 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही मृतकों के परिजन मौके पर पहुंचे। राजशेखर के शव को पोस्टमार्टम के लिए सिरपुर सरकारी अस्पताल ले जाया गया। बाद में बेज्जूर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई।

पुलिस ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर लिया गया है और कानून के अनुसार जांच जारी है। इस दर्दनाक हादसे से दोनों परिवारों में शोक की लहर है और पूरे इलाके में मातम का माहौल बना हुआ है।

हट्टिनी गांव में संक्रांति समारोह में शामिल हुए विधायक पलवई हरीश बाबू

कागज़नगर, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिरपुर टी से विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने कहा कि अपने गांव में अपने लोगों के बीच संक्रांति मनाना एक शानदार अनुभव है। वे कोमुरम्भीम आसिफाबाद जिले के दहेगाम मंडल अंतर्गत हट्टिनी गांव में आयोजित संक्रांति समारोह में शामिल हुए।इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के नेता नारा वनजा-श्रीनिवास द्वारा आयोजित तीन तरह की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार 10 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 5 हजार रुपये और तृतीय पुरस्कार 10 हजार रुपये रखा गया था। इसके अलावा तीनों प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली महिलाओं को 2,500 रुपये के कंसोलेशन प्राइज भी दिए गए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने कहा कि अपने होमटाउन में ग्रामीणों के साथ संक्रांति पर्व मनाना उनके लिए बेहद सुखद अनुभव है। उन्होंने आश्वासन दिया कि गांव से संबंधित लंबित समस्याओं और मामलों का समाधान किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में भाजपा जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीदेवी, टाउन महिला मोर्चा अध्यक्ष चिप्पा मौनिका, मंडल अध्यक्ष लग्गामा दामोदर, सरपंच रापर्थी जयलक्ष्मी धनुंजय, कोडदानी मल्लक्का श्रीनिवास, इसलावत गोपाल, उप-सरपंच मंगोडी भीमेश, नेता चिलुवेरु प्रवीण, इस्तारी, सुरुवु शंकर गौड़, श्रीनिवास गौड़, समुद्रला विनोद कुमार, साई कृष्णा, पेड्डाला राजू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मंचेरियाल नगर निगम मतदान केंद्र सूची का मसौदा

मंचेरियाल, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल नगर निगम कार्यालय से एक बयान में बताया, सभी नगर वासियों को सूचित किया की तेलंगाना राज्य चुनाव आयोग के अधिसूचना क्रम संख्या 1362/टीएसईसी- यू एल बी एस/2026 के अनुसार, मंचेरियाल नगर निगम के तहत 60 वार्डों के मतदान केंद्र सूची का मसौदा मंगलवार को पब्लिश की गई।

नगर के लोगों को जानकारी दिगई.मतदान केंद्र सूची का मसौदा कॉपी जिला कलेक्टर कार्यालय, आरडीओ कार्यालय,सब रिजिस्टर कार्यालय,नगर निगम कार्यालय,नगर पालिका कार्यालय, नसपुर, तहसीलदार कार्यालय,मंचेरियाल, तहसीलदार कार्यालय नसपुर, तहसीलदार कार्यालय हाजीपुर पर नोटिस बोर्ड पर लगाया गया है।

नगर निगम कार्यालय में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित

मंचेरियाल, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पोलिंग बूथों पर प्रकाशित मसौदे के अनुसार जारी किए गए निर्देशों को लेकर यदि किसी राजनीतिक दल को कोई आपत्ति हो, तो उसे नगर निगम कार्यालय में नगर आयुक्त को सूचित करने का अनुरोध किया गया है।

बुधवार को नगर निगम कार्यालय में नगर आयुक्त के. संपत के तत्वावधान में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक (समावेश) आयोजित की गई। इस बैठक का उद्देश्य पोलिंग बूथों से संबंधित मसौदा सूची और निर्देशों पर चर्चा करना तथा आपत्तियों के निवारण की प्रक्रिया की जानकारी देना था।

इस कार्यक्रम में टीपीओ बी. संपत, सुपरवाइजर बी. श्याम सुंदर सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने और सभी दलों की आपत्तियों पर समय पर विचार करने का आश्वासन दिया गया।

संक्रांति की छुट्टियों में अपने होमटाउन जा रहे लोग सावधानी बरतें : पंत

कागज़नगर, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कोमुरामभीम आसिफाबाद डिस्ट्रिक्ट की SP नितिका पंत के ऑर्डर के मुताबिक, कागजनगर में ऑटो के ज़रिए एक अनाउंसमेंट प्रोग्राम शुरू किया गया ताकि लंबी छुट्टियों में अपने होमटाउन जा रहे लोगों को संक्रांति के त्योहार के दौरान सुरक्षा के ज़रूरी कदम उठाने के लिए अवेयर किया जा सके। यह प्रोग्राम कागजनगर DSP वहीदुद्दीन की देखरेख में ऑर्गनाइज़ किया गया था।इस मौके पर बोलते हुए, उड्झ ने शहर के लोगों को सलाह दी कि वे संक्रांति के त्योहार के दौरान अपने होमटाउन, दूसरे शहरों या दूर की जगहों पर जाते समय सावधान रहें। उन्हें चोरी रोकने के लिए ज़रूरी सावधानी बरतने को कहा गया।उन्होंने कहा कि यात्रा करने से पहले, उन्हें लोकल पुलिस स्टेशन में अपनी डिटेल्स रजिस्टर करानी चाहिए और अपने घरों को सेफ रखने के लिए ठीक से लॉक करना चाहिए।

इंडिया ओपन बैडमिंटन : दिल्ली में प्रदूषण के कारण एंडर्स एंटोनसेन ने टूर्नामेंट से नाम वापस लिया

नई दिल्ली,14 जनवरी (एजेंसियां) । डेनमार्क के विश्व नंबर-3 और चार बार के विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसेन ने दिल्ली में हो रहे इंडिया ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट से लगातार तीसरे साल नाम वापस ले लिया है। एंटोनसेन ने इसका कारण राजधानी दिल्ली में मौजूदा अत्यधिक वायु प्रदूषण को बताया है।

28 वर्षीय एंटोनसेन ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर लिखा, कई लोग जानना चाहते हैं कि मैंने लगातार तीसरे साल इंडिया ओपन से नाम क्यों वापस लिया। फिलहाल दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बेहद गंभीर है और मुझे नहीं लगता कि ऐसी स्थिति में यहां बैडमिंटन टूर्नामेंट आयोजित किया जाना चाहिए।

हालांकि, उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि अगस्त में इसी वेन्यू पर होने वाली बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप के दौरान हालात बेहतर होंगे।

एंटोनसेन ने कहा, उम्मीद करता हूं कि गर्मियों में, जब वर्ल्ड चैंपियनशिप दिल्ली में होगी, तब परिस्थितियां बेहतर रहेंगी। उल्लेखनीय है कि वह अब तक विश्व चैंपियनशिप में एक रजत और तीन कांस्य पदक जीत चुके हैं। ड्रा जारी होने से पहले ही टूर्नामेंट से हटने के कारण एंटोनसेन पर विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने 5,000 अमेरिकी डालर का जुर्माना लगाया है। उन्होंने 2023 में आखिरी बार इंडिया ओपन खेला था, जहां उन्हें दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा था।

बीडब्ल्यूएफ के प्लेयर कमिटमेंट नियमों के अनुसार, टाप कमिटेड प्लेयर्स (सिंगल्स में शीर्ष-15 और डबल्स में शीर्ष-10 खिलाड़ी) के लिए वर्ल्ड टूर 750, वर्ल्ड टूर 1000 और वर्ल्ड टूर फाइनल्स में भाग लेना अनिवार्य है। बिना चोट या मेडिकल छूट के टूर्नामेंट से हटने पर खिलाड़ियों पर भारी जुर्माना लगाया जा सकता है।

सूत्रों के अनुसार, एंटोनसेन ने बीडब्ल्यूएफ से छूट की अपील की थी, लेकिन इसे स्वीकार नहीं किया गया। हालांकि, नियमों में यह प्रावधान है कि खिलाड़ी टूर्नामेंट स्थल पर पहुंचकर एक दिन के प्रचार या मीडिया गतिविधियों में हिस्सा लेकर छूट पा सकते हैं। इसी रास्ते को मौजूदा विश्व चैंपियन और विश्व नंबर-1 शी यू ची ने अपनाया था, जिन्होंने प्रतियोगिता नहीं खेली, लेकिन दिल्ली आकर प्रचार गतिविधियों में हिस्सा लिया। इस बीच, कोरिया की विश्व नंबर-1 पुरुष युगल जोड़ी किम वोन-हो और सियो सियुंग-जे ने भी बुधवार को अपने शुरुआती मैच से ठीक पहले नाम वापस ले लिया। सियो ने कंधे की चोट का हवाला दिया है। एंटोनसेन का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब एक दिन पहले ही उनकी हमवतन मिया ब्लिचफेल्ट ने इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में स्वच्छता और परिस्थितियों को लेकर चिंता जताई थी। टूर्नामेंट को के.डी.जाधव इंडोर स्टेडियम से बड़े इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में स्थानांतरित किया गया है। ब्लिचफेल्ट ने बड़े वेन्यू की सराहना तो की, लेकिन हालात को अब भी चुनौतीपूर्ण बताया।

न्यूज ब्रीफ

आईसीसी वनडे रैंकिंग में कोहली की शीर्ष पर वापसी, चार साल बाद फिर बने नंबर-1

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने चार साल से अधिक समय बाद एक बार फिर

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। जुलाई 2021 के बाद पहली बार कोहली ने यह मुकाम पाया है। उन्होंने साथी खिलाड़ी रोहित शर्मा को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की, जिसकी मुख्य वजह न्यूजीलैंड के खिलाफ वडोदरा में खेले गए मैच में उनकी मैच जिताऊ 93 रन की पारी रही। यह कोहली के शानदार करियर में 11वीं बार है जब वह वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे हैं। हालिया समय में उनका प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है। नवंबर-दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में उन्होंने 135, 102 और नाबाद 65 रन बनाए थे, वहीं अक्टूबर में सिडनी में आस्ट्रेलिया के खिलाफ भी उन्होंने नाबाद 74 रन की उम्दा पारी खेली थी। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली पहली बार अक्टूबर 2013 में वनडे रैंकिंग के शिखर पर पहुंचे थे। अब तक वह कुल 825 दिन नंबर-1 पर रह चुके हैं, जो किसी भी भारतीय बल्लेबाज़ के लिए सर्वाधिक है। वह आल-टाइम सूची में 10वें स्थान पर हैं, जिसमें वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज विवियन रिचर्ड्स 2,306 दिनों के साथ शीर्ष पर हैं। इस बीच न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने भी रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया है। शीर्ष तीन बल्लेबाजों के बीच केवल 10 अंकों का अंतर है, जिससे आने वाले दिनों में नंबर-1 की दौड़ और रोचक हो सकती है। अन्य वनडे रैंकिंग अपडेट में के.एल. राहुल एक स्थान ऊपर चढ़कर 11वें और डेवोन कानवे तीन स्थान की छलांग लगाकर 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजों में मोहम्मद सिराज पांच स्थान ऊपर चढ़कर 15वें और काइल जैमीसन 27 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 69वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

डा. उपेन्द्र सिंह तोमर हाकी पुरुष चैंपियनशिप के पर्यवेक्षक नियुक्त

झांसी। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के मेजर ध्यान चंद शारीरिक शिक्षण संस्थान में कार्यरत सह आचार्य डा.

उपेन्द्र सिंह तोमर को भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) ने पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय हाकी पुरुष चैंपियनशिप का पर्यवेक्षक नामित किया है। उक्त प्रतियोगिता 12 जनवरी से 17 जनवरी 2026 तक लक्ष्मी नारायण कालेज आफ टेक्नोलाजी विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि डा. उपेन्द्र सिंह तोमर राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबाल खिलाड़ी हैं तथा मध्य प्रदेश शासन द्वारा उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित किये गये हैं। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मुकेश पांडे, रजिस्ट्रार ज्ञानेंद्र कुमार शुक्ला, अन्य वरिष्ठ अधिकारियों तथा शारीरिक शिक्षण संस्थान के संकाय सदस्यों ने डा. तोमर को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। बुधवार को उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति विश्वविद्यालय के खेल एवं शैक्षणिक नेतृत्व की उत्कृष्टता को दर्शाती है।

काराबाओ कप सेमीफाइनल : मैनचेस्टर सिटी ने न्यूकैसल को पहले चरण में 2-0 से हराया

न्यूकैसल। मैनचेस्टर सिटी के नए खिलाड़ी एंटोइन सेमेंज़ो ने लगातार दूसरे मैच में गोल दागते हुए शानदार

फार्म जारी रखी, जबकि रयान चेर्की ने स्टापेज टाइम में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। पेप गार्डियोला की अगुआई वाली सिटी ने मंगलवार को खेले गए लीग कप (काराबाओ कप) सेमीफाइनल के पहले चरण में डिफेंडिंग चैंपियन न्यूकैसल यूनाइटेड को उसके घरेलू मैदान पर 2-0 से मात दी। जनवरी में बोर्नमाउथ से 65 मिलियन पाउंड के करार पर सिटी से जुड़े सेमेंज़ो ने 53वें मिनट में जेरेमी डोकू के क्रास पर नजदीक से गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। बाद में उन्होंने एक और शानदार फिनिश के साथ गोल किया, लेकिन लंबी वीएआर जांच के बाद इसे सब्जेक्टिव आफसाइड करार देते हुए रद्द कर दिया गया। दूसरे चरण से पहले सिटी ने खुद को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। मुकाबले के स्टापेज टाइम में रयान चेर्की ने लो शाट लगाकर गोल किया और घरेलू दर्शकों को स्तब्ध कर दिया। दूसरा चरण 4 फरवरी को खेला जाएगा। न्यूकैसल को मैच में कुछ अच्छे मौके मिले, खासकर दूसरे हाफ की शुरुआत में। सिटी के गोलकीपर जेम्स ट्रैफर्ड ने योआने विस्सा के शाट को शानदार तरीके से क्रासबार पर टच कराया, जबकि इसके तुरंत बाद ब्रूनो गुइमारेस का लो शाट भी गोलपोस्ट से टकरा गया। पिछले सीजन मार्च में वेम्बली में लिवरपूल को हराकर 1955 के बाद पहली घरेलू ट्राफी जीतने वाली न्यूकैसल अब लगातार दूसरे फाइनल में पहुंचने के लिए मुश्किल स्थिति में है। सेमेंज़ो ने शनिवार को एफए कप में एक्सेटर सिटी के खिलाफ 10-1 की जीत में भी गोल किया था। वह 2009 में इमैनुएल एडेबायोर के बाद सभी प्रतियोगिताओं में अपने पहले दो मैचों में गोल करने वाले पहले सिटी खिलाड़ी बने।

न्यूजीलैंड ने भारत को सात विकेट से हराया, सीरीज 1-1 की बराबरी पर

नई दिल्ली,14 जनवरी (एजेंसियां) । भारत और न्यूजीलैंड के बीच राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खेला गया दूसरा वनडे मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें कीवी टीम ने शानदार वापसी करते हुए सीरीज को 1-1 की बराबरी पर ला खड़ा किया है। न्यूजीलैंड ने इस मुकाबले को 7 विकेट से जीतकर न केवल सीरीज में अपनी उम्मीदें जिंदा रखी हैं, बल्कि 2023 से टीम इंडिया के खिलाफ लगातार हार रहे 8 मैचों के क्रम को भी तोड़ दिया है।

केएल राहुल का जुझारू शतक बेकार

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही थी। रोहित शर्मा (24) और कप्तान शुभमन गिल (56) ने पहले विकेट के लिए 70 रन जोड़े, लेकिन बीच के ओवरों में कीवी स्पिनर्स और मध्यम गति के गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। विराट कोहली (23) और श्रेयस अय्यर (8) के सस्ते में आउट होने के बाद भारत का स्कोर 118/4 हो गया था।

ऐसे मुश्किल वक्त में केएल राहुल ने एक बार फिर साबित किया कि वह मध्यक्रम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज क्यों हैं। राहुल ने 112 रनों की नाबाद पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 92 गेंदों का सामना किया, जिसमें 11 चौके और 1 गगनचुंबी छक्का शामिल था। राहुल ने पहले रवींद्र जडेजा (27) के साथ 73 रनों की साझेदारी कर पारी को संभाला और फिर अंतिम ओवरों में आक्रामक रुख अपनाते हुए भारत को 284/7 के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुँचाया। यह राहुल के वनडे करियर का 8वां शतक था।

डेरेल मिचेल का तूफान

285 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत भी धीमी रही और उन्होंने अपने दो विकेट जल्दी गंवा दिए। लेकिन इसके बाद मैदान पर डेरेल मिचेल का तूफान आया। मिचेल ने भारतीय गेंदबाजों की लय बिगाड़ते हुए मैदान के चारों ओर शॉट्स खेले। उन्होंने विल यंग (87) के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 162 रनों की विशाल साझेदारी की, जिसने मैच का पासा पूरी तरह पलट दिया। डेरेल मिचेल की बल्लेबाजी में गजब का आत्मविश्वास नजर आया। उन्होंने दबाव को सोखते हुए अपना शतक पूरा किया और अंत तक नाबाद रहकर टीम की जीत सुनिश्चित की। मिचेल की यह पारी इसलिए भी खास रही क्योंकि उन्होंने स्पिन और तेज गेंदबाजी दोनों के खिलाफ बेहतरीन फुटवर्क दिखाया और किसी भी भारतीय गेंदबाज को हावी होने का मौका नहीं दिया।

अब फाइनल जंग की बारी

इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने सीरीज को रोमांचक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। 2023 के बाद से लगातार 8 वनडे मैचों में भारत से हारने वाली कीवी टीम ने 9वें मुकाबले में हिसाब बराबर किया। अब सीरीज का तीसरा और आखिरी वनडे एक वर्चुअल फाइनल होगा, जहां यह तय होगा कि ट्रॉफी किस देश के नाम होगी। यह मुकाबला 18 जनवरी को इंदौर में खेला जाएगा।

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले आस्ट्रेलिया के साथ तीन टी20 मैचों की घरेलू सीरीज खेलेगा पाकिस्तान

लाहौर,14 जनवरी (एजेंसियां) । पाकिस्तान और आस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज़ खेली जाएगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बुधवार को इसकी घोषणा की। यह सीरीज़ 29 जनवरी से फरवरी की शुरुआत तक लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में आयोजित होगी।

आस्ट्रेलिया की टी20 टीम 28 जनवरी, बुधवार को लाहौर पहुंचेगी। यह सीरीज़ दोनों टीमों के लिए आगामी टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिहाज़ से बेहद अहम मानी जा रही है।

पीसीबी के मुख्य परिचालन अधिकारी सुमैर अहमद सैयद ने कहा, यह दौरा पाकिस्तान क्रिकेट प्रशंसकों के लिए साल की शानदार शुरुआत है। मैं फैंस से अपील करता हूं कि वे बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचकर दोनों टीमों का समर्थन करें, क्योंकि ये टीमें टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों को अंतिम रूप दे रही हैं। यह मार्च-अप्रैल 2022 के बाद से आस्ट्रेलिया का पाकिस्तान का तीसरा दौरा होगा। उस समय दोनों टीमों के बीच तीन टेस्ट, एक वनडे सीरीज़ और एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला गया था। इसके अलावा आस्ट्रेलिया ने आईसीसी चैंपियंस ट्राफी 2025 के दौरान भी पाकिस्तान में अपने तीन मैच खेले थे। गौरतलब है कि 2022 में गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए इकलौते टी20 मुकाबले में आस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को तीन विकेट से करीबी मुकाबले में हराया था। सुमैर अहमद सैयद ने कहा, गद्दाफी स्टेडियम अब आस्ट्रेलियाई टीम के लिए जाना-पहचाना मैदान बन चुका है। मार्च 2022 के बाद से उन्होंने यहां एक टेस्ट, पांच वनडे और एक टी20 मैच खेला है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान को ग्रुप-ए में भारत, नामीबिया, नीदरलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ रखा गया है। पाकिस्तान अपना पहला मुकाबला 7 फरवरी को कोलंबो में नीदरलैंड के खिलाफ खेलेगा। वर्ष-2009 के टी20 वर्ल्ड कप विजेता पाकिस्तान का पिछला प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जहां वे ग्रुप चरण से बाहर हो गए थे। हालांकि, 2022 संस्करण में पाकिस्तान उपविजेता रहा था। वहीं आस्ट्रेलिया को टी20 वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप-बी में सह-मेज़बान श्रीलंका के अलावा आयरलैंड, ज़िम्बाब्वे और ओमान के साथ रखा गया है।

ग्रीनवुड की हैट्रिक से मार्सेई फ्रेंच कप के अंतिम-16 में

बायो, फ्रांस। मेसन ग्रीनवुड की शानदार हैट्रिक और दो गोल में अहम भूमिका की बदौलत मार्सेई ने क्षेत्रीय टीम बायो को 9-0 से करारी शिकस्त देकर फ्रेंच कप के अंतिम-16 में जगह बना ली। यह मुकाबला मंगलवार रात को खेला गया। पिछले सीजन में सभी प्रतियोगिताओं में 22 गोल के साथ मार्सेई के शीर्ष स्कोरर रहे ग्रीनवुड ने मौजूदा सत्र में भी जबरदस्त फॉर्म जारी रखते हुए अब तक 25 मैचों में 19 गोल दाग दिए हैं। ग्रीनवुड के स्ट्राइक पार्टनर अमीन गुइरी ने भी शानदार प्रदर्शन किया और दो गोल करने के साथ एक गोल में असिस्ट दिया। हालांकि बायो की टीम ने जुझारूपन दिखाया, लेकिन कमजोर डिफेंस के कारण वह बड़े अंतर से हार से नहीं बच सकी। फ्रेंच कप में मार्सेई का आक्रामक प्रदर्शन लगातार जारी है। इससे पहले पिछले दौर में उसने तीसरे डिवीजन की टीम बुर्ग-एन-ब्रेस को 6-0 से हराया था। इस तरह दो मुकाबलों में मार्सेई ने कुल 15 गोल दाग दिए हैं। पूर्व मैनचेस्टर यूनाइटेड खिलाड़ी ग्रीनवुड ने 90वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की।

इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट से सिंधु बाहर, श्रीकांत प्री-क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली,14 जनवरी (एजेंसियां) । **इंडिया ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के लिए मिला-जुला दिन रहा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु चौंकाने वाले अंदाज़ में पहले दौर में ही बाहर हो गईं, जबकि अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने कड़े मुकाबले में जीत दर्ज कर राउंड आफ 16 में जगह बना ली।**

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सिंधु, जो पिछले सप्ताह मलेशिया सुपर-1000 के सेमीफाइनल में पहुंची थीं, शुरुआती गेम जीतने के बावजूद दबाव बनाए नहीं रख सकीं। उन्होंने पहला गेम बेहद करीबी मुकाबले में 22-20 से जीता, लेकिन इसके बाद वियतनाम की थुई लिन्ह गुयेन के सामने 12-21, 15-21 से हार गईं। यह मुकाबला कुल 68 मिनट तक चला।

पुरुष एकल में पूर्व विश्व नंबर-1 किदांबी श्रीकांत को भी आसान जीत नहीं मिली। उन्होंने साथी भारतीय थरुण मन्नेपल्ली के खिलाफ पहला गेम 15-21 से गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए अगले दो गेम 21-6 और 21-19 से जीतकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

महिला एकल में चोट से वापसी कर रहीं मालविका बंसोड़ ने धैर्यपूर्ण और मजबूत रक्षात्मक खेल का प्रदर्शन करते हुए चाइनीज ताइपे की पाई यू पो को 21-18, 21-19 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

महिला युगल में भारत की ट्रीसा जाली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने भी शानदार शुरुआत की। उन्होंने थाईलैंड की ओर्ननिचा जोंगसाथापोर्नपार्न और सुकिट्टा सुवाचाई की जोड़ी को 21-15, 21-11 से आसानी से हराया।

पिछले नवंबर में सैयद मोदी इंटरनेशनल का खिताब बचाने वाली भारतीय जोड़ी का अगला मुकाबला चीन की सातवीं वरीयता प्राप्त ली यी जिंग और लुओ शू मिन से होगा।

हालांकि, मिश्रित युगल में भारत के लिए दिन निराशाजनक रहा। घरेलू दर्शकों के सामने भारत की तीनों जोड़ियां पहले दौर में ही बाहर हो गईं। ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो को थाईलैंड के पक्कापोन तीरारत्साकुल और साप्सिरी टैराट्टनाचाई से 15-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा।

वहीं रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गड्डे जर्मनी के मार्विन साइडल और थुक फुओंग गुयेन से 19-21, 14-21 से पराजित हुए। इसके अलावा आशिथ सूर्य और अमृता प्रमुथेश की जोड़ी को जापान के यूइची शिमोगामी और सायाका होबारा के खिलाफ 15-21, 7-21 से हार झेलनी पड़ी।

इस तरह इंडिया ओपन 2026 के शुरुआती दौर में भारत का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा।

एआईएफएफ से चर्चा के बाद केरल ब्लास्टर्स फुटबॉल क्लब का आईएसएल में भाग लेने का फैसला

नई दिल्ली,14 जनवरी (एजेंसियां) । केरल ब्लास्टर्स फुटबाल क्लब ने बुधवार को फरवरी से शुरू होने वाली इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में अपनी भागीदारी की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। क्लब के आधिकारिक बयान में कहा गया कि क्लब आगामी इंडियन सुपर लीग में अपनी भागीदारी की पुष्टि करता है, जो फरवरी में शुरू होने वाली है। यह निर्णय अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) और अन्य संबंधित पक्षों के साथ व्यापक चर्चा के बाद लिया गया है। क्लब ने हस्तक्षेप और मध्यस्थता के लिए युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय और खेल मंत्री के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है। बयान में आगे कहा गया कि केरल ब्लास्टर्स मौजूदा स्थिति की सुरक्षा को प्राथमिकता देगा और भारतीय फुटबाल के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करेगा।

क्लब ने कहा कि हम जानते हैं कि कई सवाल और चिंताएं हैं और हम स्वयं भी कई मुद्दों पर स्पष्टता हासिल करने की प्रक्रिया में हैं। भारतीय फुटबाल इस समय बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जहां नई आर्थिक, नियामक और खेल संबंधी वास्तविकताएं सामने आएंगी। केरल ब्लास्टर्स हमेशा अपने वर्तमान की रक्षा और भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करेगा। क्लब ने यह भी बताया कि रणनीति को अंतिम रूप देने और लंबित मुद्दों पर स्पष्टता मिलने के बाद जल्द ही उपयुक्त माध्यमों से विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। साथ ही, प्रशंसकों से धैर्य और समर्थन बनाए रखने की अपील की गई है।

इससे पहले मंगलवार को ओडिशा एफसी ने भी आगामी आईएसएल सीजन में अपनी भागीदारी की पुष्टि की थी। क्लब ने इंस्टाग्राम पर जारी बयान में भारतीय फुटबाल की निरंतरता, स्थिरता और दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित करने के सरकार के उद्देश्य का समर्थन किया था।

इस बीच केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि इंडियन सुपर लीग का नया सीजन 14 फरवरी से शुरू होगा। उन्होंने यह भी बताया कि लीग में शामिल सभी 14 क्लबों ने इस सीजन में खेलने पर सहमति जता दी है। मांडविया ने कहा, हमने फैसला किया है कि आईएसएल 14 फरवरी, शनिवार से शुरू होगी और सभी क्लब इसमें भाग लेंगे। देश में फुटबाल का स्तर लगातार बेहतर हुआ है। इस लीग के माध्यम से देश को अच्छे खिलाड़ी मिलते हैं और इसी उद्देश्य से आईएसएल का आयोजन किया जाएगा।

इससे पहले अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) की आपात समिति की बैठक हुई थी, जिसमें एआईएफएफ-एफएसडीएल समन्वय समिति की रिपोर्ट पर विचार किया गया। यह समिति 20 दिसंबर 2025 को गठित की गई थी और उसने 2 जनवरी तक अपनी रिपोर्ट एआईएफएफ सचिवालय को सौंप दी थी।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ आर्मर सिक्योरिटी इंडिया का आईपीओ, 19 तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली,14 जनवरी (एजेंसियां)।

सिक्योरिटी सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी आर्मर सिक्योरिटी इंडिया का 26.51 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 19 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 20 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 21 जनवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 22 जनवरी को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 55 रुपये से लेकर 57 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। आर्मर सिक्योरिटी इंडिया के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 4,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,28,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 46.50 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सिर्फ 0.99 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 46.88 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 47.10 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5.03 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए सौभाग्या कैपिटल ऑप्शंस प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि स्काई लाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं एनएनएम सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 2.26 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.62 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 3.97 करोड़ रुपये हो गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 में कंपनी को 2.90 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 28.97 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 33.10 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 36.56 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

न्यूज ब्रीफ

भारत कोकिंग कोल का आईपीओ 143 गुना सब्सक्राइब, निवेशकों को अलॉटमेंट का इन्तजार

नई दिल्ली। कोल इंडिया की सब्सिडायरी कंपनी भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के 1,078.68 करोड़ रुपए का आईपीओ का अलॉटमेंट बुधवार को फाइनल हो सकता है। इश्यू अप्लाई करने के लिए 9 जनवरी को खुला था और 13 नवंबर को बंद हो गया था। बोली लगाने के आखिरी दिन यह आईपीओ 143 गुना सब्सक्राइब हुआ। सब्सक्रिप्शन का प्रोसेस पूरा होने के बाद अब निवेशक अलॉटमेंट का इन्तजार कर रहे हैं। अलॉटमेंट 14 नवंबर को फाइनल होने की संभावना है। भारत कोकिंग आईपीओ को निवेशकों से तगड़ा रिस्पांस मिला है। आईपीओ को कुल 143 गुना सब्सक्राइब किया गया। एनएसई आंकड़ों के मुताबिक इश्यू को 34,69,46,500 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 49,90,71,10,200 शेयरों के लिए बोलियां मिली। सबसे ज्यादा बोलियां क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल निवेशकों की तरफ से देखने को मिली जिन्होंने इश्यू को कुल 310.81 गुना अप्लाई किया। इसके अलावा नॉन इंस्टीट्यूशनल निवेशकों ने 240.49 गुना और क्वालिफाइड निवेशकों ने 49.37 गुना अप्लाई किया। भारत कोकिंग आईपीओ के शेयर ग्रे मार्केट में मजबूत प्रीमियम के साथ कारोबार कर रहे हैं। ग्रे मार्केट में भारत कोकिंग कोल के शेयर बुधवार को 36.4 रुपए के भाव पर ट्रेड कर रहे थे। यह अपर प्राइस बैंड 23 रुपए से 13.4 रुपए या करीब 58.26 फीसदी ज्यादा है।

सरकार क्रिप्टो एक्सचेंजों के नियमों को करेगी सख्त, सेबी-आरबीआई से चल रही बात

नई दिल्ली। सरकार ने बजट से पहले क्रिप्टो एक्सचेंजों के लिए ठोस नियम-कायदे तैयार करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। वित्त मंत्रालय क्रिप्टो एक्सचेंजों के लिए एक पुख्ता नियामक ढांचा तैयार करने के लिए सेबी और आरबीआई के साथ बातचीत कर रहा है। इस मामले से जुड़े आधिकारिक सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक सूत्र ने कहा कि वित्त मंत्रालय में हुई शुरुआती चर्चा के मुताबिक क्रिप्टो एक्सचेंजों के लिए नियम-कायदे तय करने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से सेबी को दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि आरबीआई को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), सीमा पार लेनदेन और पूंजी प्रवाह से संबंधित पहलुओं पर नजर रखने के लिए कहा जा सकता है। एक अधिकारी ने कहा कि प्रस्तावित ढांचे के तहत सभी भारतीय क्रिप्टो एक्सचेंजों से अपेक्षा होगी कि वे ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म, खुलासे और निवेशक सुरक्षा मानदंडों की सख्त निगरानी के लिए सेबी के पास अपना पंजीकरण कराएं। फिलहाल भारत में क्रिप्टो कारोबार पर नजर रखने की जिम्मेदारी कई एजेंसियों के पास है। कर अधिकारी आभासी डिजिटल परिसंपत्तियों के कराधान से जुड़े मामले संभालते हैं और वित्तीय खुफिया इकाई जैसी एजेंसियां धन शोधन रोधी नियमों के अनुपालन पर नजर रखती हैं। इसी तरह प्रवर्तन एजेंसियां पूंजी के अवैध प्रवाह से संबंधित नियमों के उल्लंघन की जांच करती हैं। लंबे समय से क्रिप्टो एक्सचेंजों के लिए एक बाजार नियामक की कमी महसूस की जा रही है।

थोक महंगाई दर दिसंबर में बढ़कर 0.83 फीसदी पर

नई दिल्ली,14 जनवरी (एजेंसियां)।

महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को झटका देने वाली खबर आई है। खुदरा महंगाई के बाद थोक महंगाई दर दिसंबर में बढ़कर 0.83 फीसदी पर पहुंच गई। खाद्य पदार्थों, गैर-खाद्य वस्तुओं और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में मासिक आधार पर बढ़ोतरी से थोक महंगाई दर में वृद्धि हुई है। यह पिछले 8 महीनों का उच्चतम स्तर है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया कि दिसंबर महीने में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर बढ़कर 0.83 फीसदी रही है। इससे पिछले महीने नवंबर में यह शून्य से नीचे 0.32 फीसदी और अक्टूबर में शून्य से नीचे 1.21 फीसदी रही थी। दिसंबर 2024 में थोक महंगाई दर 2.57 फीसदी थी।

उद्योग मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा,'दिसंबर 2025 में थोक महंगाई दर मुख्य रूप से अन्य विनिर्माण, खनिजों, मशीनरी एवं उपकरणों के विनिर्माण, खाद्य उत्पादों के निर्माण और वस्त्र आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण बढ़ी।

आंकड़ों के अनुसार दिसंबर में खाद्य पदार्थों की कीमतें 0.43 फीसदी कम हुईं, जबकि नवंबर में यह दर 4.16 फीसदी थी। सब्जियों की महंगाई दर में दिसंबर में 3.50 फीसदी की गिरावट आई, जबकि नवंबर में यह 20.23 फीसदी थी।

आंकड़ों के मुताबिक विनिर्मित उत्पादों के मामले में महंगाई दर नवंबर 2025 के 1.33 फीसदी के मुकाबले दिसंबर में 1.82 फीसदी रही। गैर-खाद्य वस्तुओं की श्रेणी की महंगाई दिसंबर में 2.95 फीसदी रही, जबकि नवंबर महीने में यह 2.27 फीसदी थी। वहीं, ईंधन और बिजली क्षेत्रों में महंगाई दर दिसंबर में 2.31 फीसदी रही, जबकि नवंबर में यह 2.27 फीसदी थी।

इससे पहले दिसंबर में खुदरा महंगाई दर सब्जी, अंडा और दाल समेत रसोई की आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण बढ़कर तीन महीने के उच्च स्तर 1.33 फीसदी पर पहुंच गई। नवंबर में यह 0.71 फीसदी थी। इसका पिछला उच्चतम स्तर सितंबर में 1.44 फीसदी दर्ज किया गया था। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) खुदरा महंगाई दर पर नजर रखता है। आरबीआई ने पिछले महीने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए महंगाई दर के अनुमान को पहले के 2.6 फीसदी से घटाकर दो फीसदी कर दिया था। केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष में अभी तक नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में 1.25 फीसदी की कटौती है, जो घटकर अब 5.5 फीसदी है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस में 390 करोड़ रुपए की वृद्धि दर्ज, यह वृद्धि मजबूत निवेश आय से हुई, प्रीमियम आय की वृद्धि रही सुस्त

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2026 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर 20 फीसदी के साथ 390 करोड़ रुपए की वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि मुख्य तौर पर मजबूत निवेश आय से हुई जबकि प्रीमियम आय की वृद्धि सुस्त रही। बीमाकर्ता की शुद्ध निवेश आय इस तिमाही में बीते साल की अवधि की तुलना में 7905.93 करोड़ रुपए के नुकसान के मुकाबले 10,745.64 करोड़ रुपए रही। बीमाकर्ता का वार्षिक प्रीमियम समतुल्य (एपीई) सालाना 3.57 फीसदी के साथ 2,525 करोड़ रुपए हो गया। एपीई वार्षिक प्रथम-वर्ष के नियमित प्रीमियम और 10 फीसदी भारित एकल प्रीमियम का योग है। जीवन बीमाकर्ता की शुद्ध प्रीमियम आय मामूली रूप से घटकर 11,809.26 करोड़ हो गई जो पहले 12,261.4 करोड़ रुपए थी। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के एमडी व सीईओ ने कहा कि व्यक्तिगत जीवन और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों को दी गई हालिया माल एवं जीएसटी छूट ने खुदरा सुरक्षा खंड में वृद्धि को बढ़ावा दिया है, जिससे तिमाही के दौरान बीमाकर्ता की खुदरा बीमा राशि में वृद्धि हुई है। सामान्य बीमा की सबसे बड़ी निजी कंपनी आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2026 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही (तीसरी तिमाही) में सालाना आधार पर 9.04 फीसदी गिरकर 658.88 करोड़ रुपए हो गया। इसका शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 724.38 करोड़ था। शुद्ध लाभ गिरना का मुख्य कारण व्यय बढ़ना है। इस तिमाही में बीमाकर्ता का खर्च सालाना आधार पर 16.19 फीसदी बढ़कर 6,039.06 करोड़ रुपए हो गया जबकि बीमाकर्ता का कमीशन सालाना आधार पर 15.5 फीसदी बढ़कर 1,343.1 करोड़ हो गया। इसके अलावा भारत सरकार की नई श्रम संहिताओं के कारण बीमा कंपनी का 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त तिमाही में इस तिमाही और नौ महीनों की पुरानी सेवाओं के तहत सकल गैच्युटी खर्च 53.06 करोड़ रुपए रहा। इससे कंपनी का लाभ घटा और ग्रैच्युटी पर खर्च बढ़ा। 31 दिसंबर, 2025 तक, ग्रेच्युटी दायित्व के संबंध में अनिर्धारित पिछली सेवा लागत 16.93 करोड़ रुपए है।

आज भारत में 33 करोड़ कनेक्शन वाला देशव्यापी एलपीजी सिस्टमः हरदीप पुरी

नई दिल्ली,14 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया के जरिए भारत की स्वच्छ तरीके से खाना पकाने के पहल के सकारात्मक और व्यापक प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि साफ-सुथरा खाना पकाना तभी काम करता है जब इसका रेगुलर इस्तेमाल किया जाए। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि भारत में 33 करोड़ कनेक्शन वाला देशव्यापी एलपीजी सिस्टम है। हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को 'एक्स' पोस्ट पर भारत की क्लीन कुकिंग पहलों के बड़े बदलाव लाने वाले असर पर बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस योजना की असली सफलता सिर्फ दिए गए कनेक्शन की संख्या में नहीं बल्कि लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के रेगुलर इस्तेमाल में है। मंत्री ने बताया कि देश में इस समय एक विशाल राष्ट्रीय एलपीजी नेटवर्क संचालित हो रहा है, जिसके तहत करीब 33 करोड़ एलपीजी कनेक्शन मौजूद हैं। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना से 10.41 करोड़ परिवारों को लाभ पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस मंत्री ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उनहोंने बताया कि इस योजना के तहत 10.41 करोड़ परिवारों को एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। सरकार अब इस योजना के तहत 10.60 करोड़ कनेक्शनों के अपने लक्ष्य के करीब पहुंच रही है। पुरी ने कहा कि उपभोक्ताओं के व्यवहार में आया बदलाव रिफिल के आंकड़ों से स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि इस योजना की असली सफलता केवल गैस कनेक्शन की संख्या में नहीं बल्कि एलपीजी के नियमित उपयोग में छिपी हुई है। उन्होंने बताया कि पीएमयूवाई योजना के तहत अब तक लगभग 276 करोड़ परिवारों को एलपीजी रिफिल वितरित किए जा चुके हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में उज्ज्वला योजना के तहत आने वाले परिवारों को औसतन 13.6 लाख रिफिल प्रतिदिन वितरित किए जा रहे हैं।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शुरू की टाइम टू ट्रैवल सेल

नई दिल्ली। अगर आप सस्ती हवाई टिकट के इंतजार में योजना टाल रहे थे, तो अब बुकिंग का सही समय आ गया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सीमित अवधि के लिए 'टाइम टू ट्रैवल' सेल शुरू की है, जिसमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों यात्राओं पर कम किराए पेश किए जा रहे हैं। इस सेल के तहत लाइट फेयर, जिसमें चेक-इन बैगेज शामिल नहीं होता, घरेलू उड़ानों पर 1,350 से और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 5,450 से शुरू हो रहा है। वहीं वैल्यू फेयर, जिसमें तय चेक-इन बैगेज की सुविधा मिलती है, घरेलू रूट्स पर 1400 से और अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर 5,550 से उपलब्ध है। बिजनेस फेयर की बात करें तो घरेलू उड़ानों के लिए किराया 8,300 से और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 8,500 से शुरू हो रहा है। इस ऑफर में टिकटों की बुकिंग 16 जनवरी तक की जा सकती है। रियायती किराए पर यात्रा की वैधता 20 जनवरी से 30 अप्रैल 2026 तक रहेगी। ऐसे में यह सेल उन यात्रियों के लिए खास हो जाती है जो बसंत के मौसम में छुट्टियां, पारिवारिक यात्रा, काम से जुड़ी ट्रिप या विदेश घूमने की प्लानिंग कर रहे हैं। यात्री एयर इंडिया एक्सप्रेस की आधिकारिक वेबसाइट, मोबाइल ऐप और सभी प्रमुख ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफॉर्म के जरिए टिकट बुक कर सकते हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस इस सेल में यात्रियों को कई और बचत के विकल्प भी दे रही है। मोबाइल ऐप से बुकिंग करने पर किसी भी तरह की कंवीनियंस फीस नहीं ली जा रही है। वेबसाइट पर नेट बैंकिंग के जरिए भुगतान करने पर भी कंवीनियंस फीस शून्य रखी गई है। लाइट फेयर चुनने वाले यात्रियों के लिए बैगेज ऐड-ऑन भी सस्ते दाम पर मिल रहे हैं। प्राइम और स्टैंडर्ड सीट्स के साथ-साथ गर्म खाने पर 20 फीसदी तक की छूट दी जा रही है। एयरलाइन के लॉयल्टी प्रोग्राम से जुड़े यात्रियों को अतिरिक्त लाभ मिलेंगे।

सर्राफा बाजार में नए शिखर पर चांदी, चेन्नई में 3 लाख के करीब पहुंची कीमत

नई दिल्ली,14 जनवरी (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर चांदी की कीमत में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। देश के अलग-अलग हिस्सों में ये चमकीली धातु पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 20,300 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हो गई है। दिल्ली में ये चमकीली धातु पौने तीन लाख के स्तर को पार कर गई है। वहीं चेन्नई और हैदराबाद में चांदी जोरदार छलांग लगा कर तीन लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर के काफी करीब पहुंच गई है। भाव में आई इस तेजी के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में चांदी 2,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 2,97,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है।

दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम उछल गई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु 2,75,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में चांदी 2,74,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 2,75,200 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं बेंगलुरु में चांदी 2,75,400 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 2,75,000 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसके अलावा हैदराबाद में चांदी 20,100 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी के साथ 2,97,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत भी चेन्नई में है, जहां ये चमकीली धातु 20,300 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी होकर 2,97,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि इंटरनेशनल से लेकर डोमेस्टिक मार्केट तक चांदी को लेकर पॉजिटिव नोट्स नजर आ रहे हैं। खासकर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड और ईरान को लेकर जो संकेत दिए हैं, उससे अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में हलचल की स्थिति बन सकती है। इसके साथ ही जनवरी के दूसरे पखवाड़े में चांदी की इंडस्ट्रियल डिमांड में भी और तेजी आने का अनुमान है। ऐसी स्थिति में चांदी के भाव में आगे भी तेजी जारी रहने की उम्मीद बनी हुई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आईएएस-मंत्री...

कार्य जिसका उद्देश्य किसी महिला की गरिमा का अपमान करना या उसकी निजता में घुसपैठ करना हो), 351(1) (आपराधिक धमकी) और 352(2) (शांति भंग करने या किसी अन्य अपराध को उकसाने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई।

इसके तुरंत बाद, तेलंगाना पुलिस ने हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार के नेतृत्व में आठ सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया।

दो दिन पहले, तेलंगाना आईएएस और आईपीएस अधिकारी संघ ने इस प्रसारण को ''पत्रकारिता की आड़ में चरित्र हनन''करार दिया था, जिसमें महिलाआईएएस अधिकारियोंऔर मंत्री को निशाना बनाया गया था, और सार्वजनिक माफी की मांग की थी। उनके बयान में कहा गया था, ''इस सामग्री ने निजता का उल्लंघन किया, सार्वजनिक सेवा में महिलाओं के खिलाफ प्रतिगामी सोच को बढ़ावा दिया और चरित्र हनन के समान है। हम इसे तत्काल वापस लेने की मांग करते हैं।''

केटीआर ने पत्रकारों की गिरफ्तारी की निंदा की

इस बीच, इन गिरफ्तारियों की विपक्षी नेताओं, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) और सिद्दिपेट विधायक हरीश राव ने कड़ी निंदा की।केटीआर ने कहा कि सरकार पत्रकारों के साथ ''अपराधियों जैसा व्यवहार'' कर रही है और उन्होंने इस स्थिति की तुलना भारत में 1975-1977 के आपातकाल से की। केटीआर ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा, आप उन्हें नोटिस भेजकर जांच के लिए बुला सकते थे। आधी रात को पत्रकारों के घरों में घुसना सरासर गलत है! मैं गिरफ्तार पत्रकारों की तत्काल रिहाई की मांग करता हूं। इनमें से कोई भी धारा गैर-जमानती नहीं है, तो तेलंगाना पुलिस ने आधी रात को इन गिरफ्तारियों से पत्रकारों और उनके परिवारों को क्यों डराया? मैं तेलंगाना के डीजीपी से अनुरोध करता हूं कि वे उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन करें और कांग्रेस पार्टी और उसके घटिया नेतृत्व की गंदी राजनीति में न पड़ें,।'

हरीश राव ने इस गिरफ्तारी को ''लोकतंत्र की हत्या'' करार दिया

'आधी रात को घरों में घुसकर गिरफ्तारियां की गई तो क्या वे लोग कट्टर आतंकवादी हैं? हम पत्रकारों की सिलसिलेवार गिरफ्तारियों की कड़ी निंदा करते हैं। यह रेवंत रेड्डी सरकार द्वारा लोकतंत्र पर हमला है।'पूर्व मंत्री हरीश राव ने एक्स पर अपने विचार साझा करते हुए रेवंत रेड्डी सरकार द्वारा पत्रकारों के खिलाफ की जा रही बदले की कार्रवाई पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, ''सत्ता से चिपके रहने की कोशिश कर रही कांग्रेस सरकार द्वारा तेलंगाना के पत्रकारों के आत्मसम्मान पर यह सीधा हमला है।'' उनके एक्स पोस्ट पर आगे लिखा था, रेवंत रेड्डी... क्या यही आपकी जनता का शासन है? क्या यही लोकतंत्र की बहाली है जिसका आपने वादा किया था?

ड्राइविंग लाइसेंस...

शहर में 10,000 से अधिक ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित हुए, जो सड़क सुरक्षा पर सीधा सवाल उठाते हैं।

दलालों की सेटिंग और टेस्ट प्रोटोकॉल की धज्जियाँ

सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों का आरोप है कि यह असाधारण सफलता दर दलालों की मिलीभगत और क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीए) की ढीली निगरानी का नतीजा है। इंडियन फेडरेशन ऑफ़ रोड सेफ्टी के विनोद कानुमाला कहते हैं, हमारा टेस्ट सिस्टम पूरी तरह फर्जी है। एक मोटर वाहन निरीक्षक को कम-से-कम 10-15 मिनट तक आवेदक की ड्राइविंग क्षमता जाँचनी चाहिए, पर ऐसा होता ही नहीं। लगभग 95% आवेदक एजेंट या ड्राइविंग स्कूल के ज़रिए बिना ठीक ट्रेनिंग के लाइसेंस हासिल कर लेते हैं और फिर सड़कों पर दूसरों की जान जोखिम में डालते हैं। ड्राइविंग केंद्रों के सूत्रों के मुताबिक़, दलाल 8,000-10,000 रुपये फीस लेकर बिना परीक्षा के ही दोपहिया और चौपहिया वाहनों के लाइसेंस की गारंटी देते हैं।

आरटीए की सफाई और ऑटोमेटेड ट्रैक की योजना

आरटीए अधिकारी इन कमियों को स्वीकार करते हुए कहते हैं कि पास दर को घटाकर लगभग 70% करने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। परिवहन आयुक्त के. इलमबरिती बताते हैं, सेंसर और कैमरों से लैस पूरी तरह ऑटोमेटेड टेस्ट ट्रैक बनाकर मानवीय हस्तक्षेप को खत्म किया जाएगा। शहर की बाहरी सीमा पर चार ऐसे ऑटोमेटेड ट्रैक स्थापित करने के लिए उपयुक्त ज़मीन तलाशी जा रही है। फिलहाल ग्रेटर हैदराबाद में कोंडापुर, उप्पल, नागोल, बंडलागुडा, मेडचल और इब्राहीमपटनम में कुल छह टेस्ट ट्रैक हैं, जिनमें आधे की हालत बेहद खराब है।

कुत्तों का...

अधिकतम सज़ा की माँग की है। उनका कहना है कि कुत्तों की आबादी नियंत्रित करने का एकमात्र वैज्ञानिक और मानवीय तरीका एनिमल बर्थ कंट्रोल और एंटी-रेबीज़ वैक्सीनेशन है, न कि ऐसा नरसंहार।

RTI और सामाजिक मीडिया पर तूफ़ान

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही JusticeForKamareddylogs हैशटैग ट्रेंड कर रहा है। कई यूज़र्स ने केंद्रीय पशु कल्याण मंत्रालय से हस्तक्षेप की माँग की है, जबकि कुछ ने RTI दायर कर पूछा है कि क्या ग्राम पंचायतों को ऐसे कुत्तों को पकड़ने-स्टरलाइज़ करने की कोई औपचारिक योजना मिली थी। पुलिस ने बताया कि 15 से अधिक लोगों की पहचान हुई है और कुछ को हिरासत में भी लिया गया है। अतिरिक्त एसपी कमरेड्डी ने कहा, हम सभी पहलुओं की जाँच कर रहे हैंचाहे वह इंजेक्शन ख़रीदने की रसीद हो या ग्राम सभा की मीटिंग की मिनट्स बुक। दोषियों को बख़्शा नहीं जाएगा।

कुत्तों के काटने पर देना होगा मुआवजा

सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों से जुड़े मामले में सुनवाई करते हुए अहम टिप्पणियां की। अदालत ने कहा कि बच्चों या बुजुर्गों को कुत्तों के काटने, चोट लगने या मौत के हर मामले में हम राज्य सरकारों से भारी मुआवजा दिलवाएंगे, क्योंकि उन्होंने पिछले 5 सालों में नियमों को लागू करने के लिए कुछ नहीं किया।' कोर्ट ने कहा, 'आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वालों की भी जिम्मेदारी होती है। आपको उन जानवरों से इतना प्यार है, तो इन्हें अपने घर क्यों नहीं ले जाते। ये कुत्ते सड़कों पर क्यों घूमते रहें, लोगों को काटें और डराएं। उन्हें हम ऐसे ही नहीं छोड़ सकते।' जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने कहा, 'कुत्तों में एक खास तरह का वायरस होता है, जिसका कोई इलाज नहीं है।' इस मामले में अब अगली सुनवाई 20 जनवरी को दोपहर 2 बजे से होगी। सीनियर एडवोकेट विकास सिंह ने दलील दी कि इस मामले को कुत्ते बनाम इंसान के मुद्दे के तौर पर नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे जानवर बनाम इंसान का मुद्दा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 15 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल द्वारा सोनू शर्मा के व्याख्यान का आयोजन

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल के तत्वावधान में नेतृत्व एवं व्यापार पर आधारित एक प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है। यह उद्बोधन प्रसिद्ध प्रेरक वक्ता, नेतृत्व सलाहकार एवं जीवन शैली प्रशिक्षक श्री सोनू शर्मा द्वारा दिया जाएगा। यह कार्यक्रम विशेष रूप से व्यापारी वर्ग के लिए अत्यंत उपयोगी तथा युवा पीढ़ी के लिए व्यापार क्षेत्र में प्रेरणादायी सिद्ध होगा।

यह कार्यक्रम गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी को शमशाबाद स्थित सीता डेल के प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में जारी प्रेस विज्ञप्ति में अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल के निवर्तमान अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक श्री राकेश जालान ने बताया कि इस कार्यक्रम से प्राप्त धनराशि का उपयोग भविष्य में एक और बैंक्वेट हॉल के निर्माण हेतु किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि यद्यपि यह एक धनोपार्जन कार्यक्रम है, फिर भी अग्रवाल समाज के कुछ सदस्यों के लिए सीमित संख्या में सीटें निशुल्क रखी गई हैं। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 100 रुपये का पूर्व पंजीकरण अनिवार्य होगा, जो ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। पंजीकरण का लिंक समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से अग्रवाल बंधुओं को उपलब्ध कराया जाएगा।

कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के उद्देश्य से आज अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल, पैराडाइस में एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल के अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, सेक्रेटरी आशीष डोचनिया, कोषाध्यक्ष राजिंदर जालान, उपाध्यक्ष सूर्या कमल गुप्ता, सह मंत्री दिनेश अग्रवाल, कार्यक्रम परामर्शदाता अंजनी कुमार अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल के ट्रस्टी एवं अग्रवाल समाज तेलंगाना के मंत्री विकास केसन, अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल ट्रस्टी एवं अग्रवाल समाज तेलंगाना के उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, अमित गोयल, ललित अग्रवाल, संदीप मित्तल, नितिन अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, लोकेश संघाई, अजय कुमार अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

सूरत में कृष्णगोपाल मूंदड़ा के निवास पर धनुर्मास के अवसर पर गोदमाँ के कार्यक्रम में भाग लेते हुआ भाजपा नेता गोविंद नारायण राठी एवं निकुंज मूंदड़ा, कमला राठी और विधि राठी।

42 वर्ष पूर्व शुरू हुई रात्रि पतंगबाजी की परंपरा आज भी जीवंत

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

42 साल पहले रात्रि में पतंगबाजी की शुरुआत रंजन ठाकुर ने की थी। उसी परंपरा और उत्साह को आगे बढ़ाते हुए आज भी ठाकुर परिवार इस अनोखी रात्रि पतंगबाजी का आनंद ले रहा है।

इस अवसर पर रंजन ठाकुर के साथ पटेल भाई, पवन सिंह, अनीश, रितेश, आदेश, दिनेश, महेश, विलास, हनी, मुकुल, नंदनी, पूजा, शिला, सुरेखा, दीपा और पूनम सहित पूरे ठाकुर परिवार ने मिलकर इस परंपरा को याद किया और उत्सव के रूप में मनाया। परिवार के सदस्यों ने बताया कि यह परंपरा आपसी प्रेम, एकता और सांस्कृतिक विरासत की पहचान बन चुकी है, जिसे आने वाली पीढ़ियों तक इसी तरह जीवित रखा जाएगा।

प्रदर्शनी सोसायटी पतंग महोत्सव : मकर संक्रांति पर आकाश में उड़े 'रंगों के जोश'

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर प्रदर्शनी सोसायटी ने अपने ऐतिहासिक मैदान में भव्य पतंग महोत्सव का आयोजन किया। सुबह 10 बजे से शाम के गुलाबी सूरज तक आकाश में रंग-बिरंगी पतंगों की कतारें नज़र आती रहीं, जिन्हें स्थानीय और बाहरी आगंतुकों ने उत्साह के साथ उड़ाया। कार्यक्रम का नेतृत्व उपाध्यक्ष सुकेश रेड्डी, मानद सचिव बी. एन. राजेश्वर, कोषाध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार, प्रबंध समिति सदस्य मंजीत रेड्डी और खेल-संयोजक बोल्ला आनंद ने किया।

एकता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बना आकाश

वाइब्रेंट गाजर-पीले, गुलाबी, हरित और चमकीले नीले रंगों से सजी पतंगें सर्दी की हवा में नाचती दिखीं। बच्चों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने अपने-अपने हाथों में डोर पकड़ी और काइट-कट की प्रतिस्पर्धा में भाग लिया।

सुकेश रेड्डी ने कहा कि यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर किसी भी सीमा से बँधी नहीं; आज का आकाश एकता और सामूहिक आनंद का प्रतीक है।

सांस्कृतिक मंच और स्थानीय स्वादों का जमावड़ा

मैदान के पश्चिम कोने में तेलंगाना लोककलाकारों ने पेरिनि शिवातांडव, धिम्सा नृत्य और संक्रांति विशेष ङ्गगोबिल्ला पटद्रद्वफ (गिलहरी-पतंग नृत्य) प्रस्तुत किया। फूड स्टॉल पर करीमनगर की सक्कर पोंगल, नल्लगोंडा की गुड़-नारियल बर्फी और हैदराबादी बिरयानी ने स्वाद का तड़का लगाया।

पर्यावरणीय संदेश देते हुए पतंगों पर सेव वॉटर, ग्रीन हैदराबाद जैसे स्लोगन भी नज़र आए।

सुरक्षा और स्वच्छता पर विशेष ध्यान डॉ. संजीव कुमार ने बताया कि प्लास्टिक डोर के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध था; केवल कागज़ और कॉटन डोर वाली पतंगों को अनुमति मिली। 20 स्वच्छता स्वयंसेवक दलों ने लगातार ग्राउंड साफ़ रखा, जबकि 4 मेडिकल बूथ और एक मोबाइल ऐम्बुलेंस तैनात रही। लगभग 8,000 आगंतुकों ने कार्यक्रम का आनंद उठाया और 1,200 से अधिक पतंगें आकाश में उड़ाई गईं।

समापन पर बी. एन. राजेश्वर ने घोषणा की कि अगले वर्ष से पतंग महोत्सव में ङ्गनाइट ग्लो पतंगफ सत्र भी जोड़ा जाएगा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देते हुए कहा एक्जीबीशन सोसायटी का मकसद त्योहारों को सिर्फ़ मनाना नहीं, बल्कि उन्हें सांस्कृतिक शिक्षा और सामाजिक एकता से जोड़ना है। आज का आकाश हमें वही संदेश दे गया।

कोटिपल्ली सुब्बाराव ने पीईपी में विलय कर तेलुगु को 'पालना भाषा' बनाने की माँग की

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वरिष्ठ अधिवक्ता, वास्तुविद् और ज्योतिषाचार्य कोटिपल्ली सुब्बाराव ने अपनी स्थापित प्रपंच तेलुगु भाषा परिरक्षण पार्टी (पीटीबीपीपी) को पूरी तरह विलय करते हुए प्रजा एकता पार्टी (पीईपी) की सदस्यता ग्रहण कर ली है। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र से लेकर दोनों तेलुगु राज्यों तक सरकारों से तेलुगु को केवल राजभाषा ही नहीं, बल्कि ङ्गपालना भाषाफ (Official Ad-ministA°ative Language) घोषित करने की तत्काल घोषणा की माँग की।विलय समारोह में उन्होंने कहा कि जब तक तेलुगु केंद्र सरकार के दफ्तरों में लेखन-प्रशासन की भाषा नहीं बनती, तब तक हमारी मातृभाषा का वास्तविक सशक्तिकरण संभव नहीं। मैं पीईपी में शामिल होकर बोनाला श्रीनिवास जी के नेतृत्व में इस लक्ष्य को संसद से सचिवालय तक पहुँचाने को प्रतिबद्ध हूँ।राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास ने कोटिपल्ली सुब्बाराव के विलय को भाषा-जन-विकास का त्रिवेणी संगम बताया और वादा किया कि पार्टी अगले चुनावी घोषणा-पत्र में तेलुगु को संविधान की आठवीं अनुसूची में शीर्ष प्राथमिकता दिलाने का वादा करेगी।

खेमदास मठ में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव हेतु आमंत्रण

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

चूड़ी बाजार, बेगम बाजार स्थित खेमदास मठ में नवनिर्मित मंदिर में 19 से 23 जनवरी तक आयोजित होने वाले मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए गणेश फाउंडेशन, भाग्यनगर की ओर से एनपीए के आईपीएस अधिकारी रामनिवास सेपट को निमंत्रण दिया गया।

गणेश फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने आईपीएस रामनिवास सेपट से भेंट कर उन्हें इस धार्मिक महोत्सव में मुख्य रूप से शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि पांच दिवसीय मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव धार्मिक विधि-विधान, पूजा-अर्चना और विशेष अनुष्ठानों के साथ श्रद्धा एवं भक्ति भाव से संपन्न होगा।

मां बनभौरी वाली जी के आठवें अमृत महोत्सव हेतु विधायक टी. राजा सिंह को आमंत्रण

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी 1 फरवरी को आयोजित होने वाले मां बनभौरी वाली जी के आठवें अमृत महोत्सव में सहभागिता के लिए गोसामहल विधायक टी. राजा सिंह को औपचारिक रूप से आमंत्रित किया गया।

संस्था की ओर से सुशील मित्तल और रमेश मित्तल ने विधायक टी. राजा सिंह से भेंट कर उन्हें इस धार्मिक एवं आध्यात्मिक महोत्सव में उपस्थित रहने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि यह आयोजन श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता के भाव के साथ भव्य रूप से संपन्न होगा। संस्था के पदाधिकारियों ने सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में अधिक संख्या में भाग लेकर मां बनभौरी वाली जी का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की।

मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर बुधवार को जलविहार, नेकलेस रोड पर एक भव्य पतंगबाजी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक एवं पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव और मुशीराबाद के विधायक मुत्ता गोपाल विशेष रूप से शामिल हुए और पतंग उड़ाकर उत्सव का आनंद लिया। इस आयोजन में तेलंगाना शेखर चारी बीसी सेल अध्यक्ष, गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र जामबाग डिवीजन, बीआरएस पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

श्री लक्ष्मी नारायण सेवा समिति के तत्वावधान में सोमाजीगुडा स्थित जया गार्डन में गुरुमाता दिव्यरमणा चक्रवर्तुलु द्वारा आयोजित श्री गोदा रंगनाथुला कल्याण उत्सवम मे उपस्थित कमलेश महाराज, अजय महाराज, जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, दैवज्ञ शर्मा, आलोक तिवारी एवं अन्य।

बाल आश्रम में मकर संक्रांति महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद धर्मार्थ ग्रुप परिवार के तत्वावधान में मकर संक्रांति के अवसर पर शिवरामपल्ली स्थित वेज बाई बाल आश्रम में भव्य सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान आश्रम में रह रहे 50 से अधिक बच्चों को पहनने योग्य नए कपड़े वितरित किए गए। साथ ही महिला स्टाफ को साड़ियां तथा पुरुष स्टाफ को भी वस्त्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रुप की ओर से लगभग 200 लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था भी अत्यंत सुव्यवस्थित ढंग से की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनपीए के आईपीएस रामनिवास सेपट रहे। उनके साथ राजेंद्र नगर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रेसिडेंट बालू सुब्रमण्यम, वरिष्ठ पत्रकार पवन भारती, मा टीवी रिपोर्टर श्रीकांत, शिवरामपल्ली रामदेवरा दरबार के पुजारी बालाजी परिवार के कमल जाजू सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने बच्चों एवं स्टाफ को कपड़े और साड़ियां वितरित कीं।

मौके पर वेज बाई बाल आश्रम के प्रभारी सत्यनारायण और रवि ने बताया कि हैदराबाद धर्मार्थ ग्रुप परिवार हर अमावस्या के दिन भी बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था करता है और हर वर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर इस तरह का सेवा कार्यक्रम आयोजित करता आ रहा है। उन्होंने बताया कि यह आयोजन लगातार पांचवें वर्ष नर सेवा नारायण सेवा की भावना से मित्रगणों के सहयोग से किया गया है। इस सराहनीय पहल के लिए उन्होंने धर्मार्थ ग्रुप परिवार का आभार व्यक्त किया।

दम्माईगुड़ा स्थित रामपल्ली में शर्मा परिवार द्वारा आयोजित पतंग उत्सव में भाग लेते गुमान सिंह, विकास शर्मा, सुनील शर्मा, आनन्द शर्मा, केके बन्ना,बृजपाल, मुकेश दान , विनय, शुभम, गौतम, आदित्य, मनीष सैनी, नवीन, गज्जू सिंह, महावीर सिंह, महिला मंडल माली देवी, मुन्नी देवी, कान्ता, रेखा, ज्योति, ट्विंकल, निकिता एवं अन्य।

श्री कच्छ कडवा पाटीदार समाज (हैदराबाद सिकंदराबाद) मूसापेट कुकटपल्ली विभाग की आगामी 18 जनवरी को समाज की 25 वर्षगांठ के विशाल कार्यक्रम मे पधारने का स्वामी नारायण गुरूकुल के शास्त्री कृष्णचरणदासजी, प्रमुख समाज सेवी नानजीभाई पटेल, लव फॉर काऊ के जसमत पटेल व रिद्धीश जागीरदार को निमंत्रीत करते हुए अध्यक्ष किशोर दडगा, उपाध्यक्ष पुरूषोत्तम रामाणी, संयोजक प्रफुल चौधवी, सहसंयोजक मनोज दडगा, पूर्व अध्यक्ष जसवंत सुराणी एवं अन्य।

सनातन संस्कृति में त्यौहारों का बड़ा महत्व : जगतनारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू-देवी माता मंदिर के सामने गौशाला परिसर में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं सेवा-भाव से जुड़े सदस्यों ने इसमें सहभागिता की।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म में पर्व-त्योहारों का विशेष स्थान है। ये पर्व समाज को जोड़ने, सेवा और सद्भाव का संदेश देने का कार्य करते हैं। मकर संक्रांति जैसे पर्व हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, दान और पुण्य के महत्व का स्मरण कराते हैं।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर अन्नदान, गौसेवा और मानव सेवा के माध्यम से समाज के जरूरतमंद वर्ग तक सहयोग पहुँचा रहा है, जो सनातन संस्कृति की सच्ची भावना है।

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों, साधु-संतों एवं राहगीरों को प्रेमपूर्वक भोजन प्रसाद वितरित किया गया। गौशाला परिसर में भक्ति, सेवा और सद्भाव का अद्भुत वातावरण देखने को मिला।

आज की सेवा श्रीमती रेणु जी शर्मा के जन्मदिवस के अवसर पर शर्मा परिवार (मैसर्स मेडिसिन, अत्तापुर) की ओर से की गई।

इस सेवा कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल, अरुण विजयवर्गीय, पन्ना लाल जी, शिव भगवान, गोविंद राम जी, अनिल भाई, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, पूजा सांघी, अर्चना शास्त्री एवं रेनू शास्त्री सहित अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

राधे-राधे ग्रुप के पदाधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी इसी तरह समाजोपयोगी एवं आध्यात्मिक सेवा कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

शापुरनगर स्थित गाजुलारामाराम में मुलेवा परिवार द्वारा आयोजित पतंग उत्सव में भाग लेते दुर्गाराम मुलेवा,लक्ष्मी देवी, रमेश, नरेश, सुरेश, ओमी देवी, प्रेम लता, ममता, रितेश, चेतन, भावना, मीनाक्षी, हर्षित, जिगीशा, दिव्यांशी,महिमा मुलेवा एवं अन्य।

डीपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

खेल के ज़रिए अनुशासन और एकता का संदेश

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । दादपल्ली मंडल मुख्यालय का मैदान क्रिकेट प्रेमियों की आवाज़ से गूँज उठा। डीपीएल (दादपल्ली प्रीमियर लीग) क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन मल्टीपोर्ट प्रमोटर मोहम्मद शमसुद्दीन, मंचल पुलिस स्टेशन के एसएचओ ए. मधु और दादपल्ली सरपंच नैनावत शांति राजू नायक ने संयुक्त रूप से किया। रचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट अधिनियम के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में खेल को अनुशासन, एकता और युवाओं के सकारात्मक आकर्षण का माध्यम बताया गया।उद्घाटन समारोह में ग्रामीणों, खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ी। एसएचओ मधु ने खिलाड़ियों से कहा कि मैदान पर जीत-हार होगी, पर जीवन की सबसे बड़ी जीत है अनुशासन और साझा भावना।सरपंच शांति राजू नायक ने बताया कि कुल 16 ग्रामीण टीमें 10-10 ओवर के तेज़ फॉर्मेट में भाग ले रही हैं; फाइनल 20 जनवरी को होगा। मोहम्मद शमसुद्दीन ने विजेता टीम को 51,000 और रनर-अप को 31,000 नगद पुरस्कार देने की घोषणा की।रचकोंडा पुलिस की ओर से 4 मोबाइल पेट्रोलिंग यूनिट और एक मेडिकल रूम तैनात रहे। स्वच्छता के लिए 15 युवा स्वयंसेवकों का दल मैदान साफ़ रखा।खेल ही नहीं, समाज को भी जोड़ता है ˉ इस संदेश के साथ डीपीएल टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ और गाँव के बच्चे-बूढ़े सभी गेंद-बल्ला के जादू में डूब गए।

डोंगरेजी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव हेतु सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं को आमंत्रण

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूज्य श्री रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला, इंजापुर के तत्वावधान में आयोजित होने वाले पूज्य डोंगरेजी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव में सहभागिता के लिए विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं को आमंत्रित किया जा रहा है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में गौशाला के अशोक पटेल एवं जयंती पटेल ने जानकारी दी कि आगामी 15 फरवरी, महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर एक विशाल लोक डायरो का आयोजन किया जाएगा। इस लोक डायरो में देश के जाने-माने साहित्यकार एवं कलाकार भाग लेंगे।इसी क्रम में पूज्य रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला की टीम ने चंदानगर स्थित पी.जे.आर. स्टेडियम में प्रातः 11 बजे आयोजित कार्यक्रम में साइबराबाद गुजराती एसोसिएशन के पदाधिकारियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया। गौशाला की ओर से मनसुख पटेल, वसंत पटेल, भरत पटेल, जसमत पटेल, अशोक पटेल सहित अन्य सदस्यों ने साइबराबाद गुजराती एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश मेहता, उपाध्यक्ष भाविक शाह, मानद मंत्री मुकेश सावलिया, वित्त सचिव अंकित कोठारी तथा कार्यकारिणी सदस्यों से शिष्टाचार भेंट कर कार्यक्रम में पधारने का निवेदन किया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लेने एवं सहयोग का आश्वासन दिया।

वहीं गौशाला की ओर से विशाल लोक डायरो के प्रधान संयोजक जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, लालजीभाई पटेल, बेचरभाई पटेल एवं किशोर पटेल ने मोइनाबाद स्थित स्वामीनारायण गुरुकुल के संस्थापक शास्त्री पूज्य श्री कृष्णचरणदास स्वामी से कार्यक्रम में सानिध्य एवं आशीर्वचन देने का अनुरोध किया।

इसके अतिरिक्त जसमत पटेल ने गुजरात स्थित गिरनार में विराजमान जैन आचार्य प.पू. अभयसेन विजयजी महाराज साहेब को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित रहने की घोषणा की। आयोजकों ने विभिन्न जीवदया एवं सामाजिक संस्थाओं से भी इस महोत्सव में भाग लेने की अपील की है।

सिखवाल युवा व महिला प्रकोष्ठ द्वारा 18 जनवरी को नि:शुल्क मेगा हेल्थ कैम्प

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल युवा प्रकोष्ठ तेलंगाना एवं महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में रविवार, 18 जनवरी 2026 को एक निःशुल्क मेगा हेल्थ मेडिकल कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह कैम्प प्रातः 9:30 बजे से श्री राम दरबार, पंचायती बाड़ा, फीलखाना में आयोजित होगा।

इस संबंध में आज श्री राम दरबार में रामदेव नागला की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम संयोजक नटवरलाल व्यास ने बताया कि अपोलो हॉस्पिटल की डॉक्टरों की टीम सुबह 9:00 बजे आयोजन स्थल पर पहुंचेगी। कैम्प में बीपी, शुगर, दांत, आंख, थायराइड, ईसीजी सहित अन्य स्वास्थ्य जांच की जाएगी और आवश्यक दवाइयां भी निःशुल्क वितरित की जाएंगी।

प्रकोष्ठ अध्यक्ष नरेश पांडे ने बताया कि जनमानस तक कैम्प की सूचना पहुंचाने के उद्देश्य से यह आपात बैठक बुलाई गई थी। मकर संक्रांति पर्व के कारण महिला प्रकोष्ठ की सदस्याएं बैठक में उपस्थित नहीं हो सकीं, लेकिन कैम्प के दिन उनका पूर्ण सहयोग एवं सहभागिता रहेगी।

रामेश्वर शर्मा ने सभी नागरिकों से समय पर पहुंचकर इस नि:शुल्क हेल्थ कैम्प का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। बैठक में रामदेव नागला, नरेश पांडे, रामेश्वर शर्मा, नटवरलाल व्यास, पवन पुरोहित, प्रभुदयाल पांडिया, भगीरथ पांडिया, नितेश व्यास उपस्थित रहे। बैठक का समापन विजय शर्मा पांडिया के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

फॉक्स सागर को 'मिनी टैंक बंड' बनाने की माँग

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीडिमेटला औद्योगिक क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक फॉक्स सागर झील के चारों ओर 1,000 से अधिक कथित अतिक्रमणों को तत्काल हटाने की माँग करते हुए स्थानीय नागरिकों ने हाइड्रा को एसओएस भेजा। याचिकाकर्ताओं ने झील को 'मिनी टैंक बंड' की तर्ज पर विकसित करने, उससे हुसैन सागर को जोड़ने वाले बाढ़ नहर को पुनर्जीवित करने और मछुआरों की आजीविका बहाल करने की अपील की है। यह माँग हाइड्रा के 'प्रजा-वणी' जनसुनवाई कार्यक्रम में आई 76 शिकायतों में सबसे प्रमुख थी, जो यह दर्शाती है कि शहर और उसकी परिधि में झीलों, सड़कों और सार्वजनिक सम्पत्तियों की सुरक्षा के लिए जनदबाव तेज़ी से बढ़ रहा है।

झीलों की री-इमेजिंग: बतुकम्मा कुंटा से लेकर बुम-रुक्न-उद-दौला तक की सफलता

नागरिकों ने हाल ही में बदले स्वरूप वाली झीलोंअंबरपेट का बतुकम्मा कुंटा, कुकटपल्ली का नल्ला चेरुवु और पुराने शहर की बुम-रुक्न-उद-दौला लेकका हवाला देते हुए कहा कि उनके इलाकों की उपेक्षित जल-निकायों के साथ भी ऐसा ही किया जाए। याचिकाकर्ताओं ने फीडर नहरों की सफाई, पूर्ण टैंक लेवल (एफ़टीएल) की पुनः अंकन और झीलों को स्वच्छ मीठे पानी के स्रोत के रूप में बहाल करने की माँग की, ताकि भू-जल रिचार्ज, सिंचाई और आजीविका जैसे ऐतिहासिक कार्य फिर से सक्रिय हों।

अब्दुल्लापुरमेट की मलकुंटा झील: मछुआरों की आजीविका खतरे में

रंगारेड्डी ज़िले के अब्दुल्लापुरमेट मंडल की गौरेल्ली गाँव की जनता ने मलकुंटा झील (सर्वे नं. 223) की तत्काल बहाली की माँग की। आरोप है कि झील की बंधाई को तोड़ा गया है और पानी को अतिक्रमण सुविधा के लिए मोड़ा गया है, जिससे मछलियाँ मर रही हैं और मछुआरों की आजीविका संकट में है। स्थानीय मछुआरों ने बंध के पुनर्निर्माण, झील के अंदर बिछाई गई सीमेंट पाइपलाइनों को हटाने और एफ़टीएल की सीमा को सीमांत पत्थरों से चिह्नित करने की माँग की है, ताकि भविष्य में कोई भी अतिक्रमण न हो सके।

सड़क-पार्क अतिक्रमण: कोंडापुर से पेद्दा अंबरपेट तक शिकायतें

झील से इतर, कई शिकायतें लेआउट सड़कों और सार्वजनिक पार्कों पर अतिक्रमण को लेकर आई हैं। कोंडापुर के सीएमसी लेआउट के निवासियों ने बताया कि मिट्टी और गिट्टी डालकर सीसी रोड को अवरुद्ध कर दिया गया है, जिससे ट्रैफिक बाधित हो रहा है। उन्होंने तत्काल मार्ग बहाली की माँग की, क्योंकि यह मुख्य सड़क से कनेक्टिविटी देता है। इसी तरह, पेद्दा अंबरपेट गाँव के बालाजी लेआउट के प्लॉट धारकों ने आरोप लगाया कि ओआरआर सर्विस रोड से जोड़ने वाली 40 फुट सड़क पर स्थायी संरचनाएँ खड़ी कर दी गई हैं, जिससे कई प्लॉट्स तक पहुँच बंद हो गई है।

हाइड्रा कमिश्नर का आश्वासन: मौके पर जाँच और त्वरित कार्रवाई

हाइड्रा कमिश्नर ए.वी. रंगनाथ ने सभी 76 शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतकर्ताओं की मौजूदगी में ज़िम्मेदारी लेकर निराकरण करने का निर्देश दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि चुनिंदा मामलों में फील्ड इंस्पेक्शन कराया जाएगा और उपयुक्त कार्रवाई शुरू की जाएगी। रंगनाथ ने दोहराया कि झीलों, सड़कों और अन्य सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण से बचाना एजेंसी की सर्वोच्च प्राथमिकता है और यह प्रशासन की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता है कि हैदराबाद को पारिस्थितिक रूप से संतुलित और टिकाऊ शहर बनाया जाए।

ईश्वर की कृपा है, हम राधे-राधे ग्रुप से जुड़े : सुनील टिबडेवाल

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम सेवा, करुणा और समर्पण का जीवंत उदाहरण बना। इस अवसर पर समाजसेवी सुनील अग्रवाल (टिबडेवाल) ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह ईश्वर की विशेष कृपा है कि उन्हें राधे-राधे ग्रुप जैसे सेवा भाव से जुड़े संगठन से जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाकर मानवता की सच्ची सेवा की जा रही है। ऐसे कार्यक्रम समाज में संवेदना, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। सुनील टिबडेवाल ने कहा कि यह कार्य केवल अन्नदान नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के जीवन में आशा और सम्मान का संचार है।इस अवसर पर उन्होंने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक सतीश कुमार गुप्ता, जगत नारायण अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इनके मार्गदर्शन और समर्पण से यह सेवा अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है और समाज के लिए प्रेरणा बन चुका है।

आज की सेवा विशेष रूप से श्री कन्हैयालाल सुरेश कुमार अग्रवाल परिवार (मैसर्स जगदंबा सेल्स, मलकपेट) की ओर से की गई, जिसके लिए ग्रुप की ओर से परिवार का आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा और सेवा भाव के साथ बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ सेवा कार्य में भाग लेकर इस आयोजन को सफल बनाया।

इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित रहे- रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई-जगन (चंपापेट), महेश अग्रवाल, गौरव गोयल, बरखा गोयल, मनीष अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा, रवि शर्मा, सुनील अग्रवाल, उम्मीद अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, भाकरराम कुमावत, कमला देवी कुमावत, भगतराम गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे ऐसे सेवा कार्य समाज में मानवता, करुणा और सकारात्मक परिवर्तन की मजबूत आधारशिला रख रहे हैं।

धूमधाम से मनाई गई भोगी

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। संक्रांति उत्सव के हिस्से के रूप में, अट्टापुर स्थित लक्ष्मीरम हरण अपार्टमेंट के परिसर में भोगी का कार्यक्रम अत्यंत भव्यता के साथ मनाया गया। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ जलाई गई इस पवित्र अग्नि ने परिसर में नई रोशनी और खुशियां बिखेरीं।

भोगी उत्सव के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं और स्थानीय निवासियों ने भाग लिया। निवासियों ने पारंपरिक गीतों और अग्नि की परिक्रमा कर उत्सव का आनंद लिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह आयोजन सामुदायिक एकता और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए किया गया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में लक्ष्मीरम हरण एसोसिएशन के अध्यक्ष और सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष सहित साई रेड्डी, कन्नाबाबू, हरिकिशन, अनुराग, पवन अग्रवाल, वरलक्ष्मी और अन्य सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और सभी को संक्रांति की शुभकामनाएं दीं।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की विशेष पूजा-अर्चना सम्पन्न

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क में श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ इच्छापूर्ति गणेशजी की विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भगवान गणेश से सुख-समृद्धि की कामना की।

पूजा कार्यक्रम में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, विट्ठलदास अग्रवाल (बड़े गांव वाले), अशोक लाखोटिया, विनोद टिकमानी, मोहनलाल मित्तल, किशनदास डागा, अशोक कुमार सरायवाला, सेसैया, प्रमोद कुमार सरायवाला, दीपक कुमार सरायवाला, पी.सी. जैन, विजय कुमार थंबी, रामनिवासजी, पंडित वेंकटेश रेड्डी, विजय कुमार अग्रवाल (एडवोकेट) सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए।

इसके साथ ही माया अग्रवाल, माया उमेश, मंजू अग्रवाल, विजया संध्या रानी अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, दुर्गा देवी एवं अन्य श्रद्धालुओं ने भी पूजा में भाग लेकर भगवान गणेश का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर शमशेरगंज स्थित शिव मंदिर गौशाला में श्री राम सेवा समिति, भाग्यनगर के तत्वावधान में गौ सेवा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धा और सेवा भाव के साथ गायों की सेवा कर पुण्य लाभ अर्जित किया गया। कार्यक्रम में पुरुषोत्तम अग्रवाल, पंकज वर्मा, प्रदीप सोनी, शरद वर्मा, नितेश कुमार अग्रवाल सहित अन्य सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अफ़ज़लगंज इंस्पेक्टर रवि कुमार की सराहनीय पहल

चाइनीज़ मांझा से बचाव के लिए 100 सेफ्टी बैंड वितरित

सीपी साहब और गोलकुंडा ज़ोन डीसीपी के निर्देश पर कार्रवाई

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आदरणीय सीपी महोदय और गोलकुंडा ज़ोन के डीसीपी के निर्देश तथा एसीपी गोशामाहल की देख-रेख में अफ़ज़लगंज थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रवि कुमार ने आज सुबह 11:00 बजे चादरघाट चौराहे पर दोपहिया वाहन चालकों को लगभग 100 गर्दन-सुरक्षा बैंड वितरित किए। यह बैंड विशेष रूप से उन पतंग-दोरों (चाइनीज़ मांझा) से बचाव के लिए हैं, जो गले में गहरी चोट या गंभीर दुर्घटना का कारण बनते हैं।

इंस्पेक्टर रवि कुमार ने बताया कि मकर संक्रांति के दौरान आकाश में उड़ती मांझा कई बार सड़क पर दो पहिया वालों की गर्दन को काट देती है। हमारा उद्देश्य सिर्फ़ बैंड बाँटना नहीं, बल्कि लोगों को यह समझाना है कि हेलमेट के साथ-साथ गर्दन-गार्ड भी ज़रूरी है।

ऑपरेशन के दौरान ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने वाहन चालकों को चाइनीज़ मांझा के खतरों, कानूनी प्रतिबंध और सुरक्षित पतंग उड़ाने की सलाह दी। यात्रियों ने इस पहल को समय पर और ज़िंदगी बचाने वाली बताते हुए सोशल मीडिया पर SafeNeckSafeRide हैशटैग ट्रेंड कराया।

एक प्रशंसनीय कदम, जो दुर्घटना-रोकथाम और जन-जागरूकता दोनों को साधता है।

थैंक यू राधे-राधे ग्रुप : कुंशी अग्रवाल

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर बेगम बाजार, नामपल्ली और केबीआर पार्क में निराश्रित एवं जरूरतमंद लोगों के लिए भव्य अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सैकड़ों लोगों को प्रेम, सेवा और सम्मान के साथ भोजन कराया गया।

इस सेवा अवसर पर एक भावनात्मक और प्रेरक प्रसंग भी जुड़ा, जब राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक रामप्रकाश अग्रवाल की पोती सुश्री कुंशी अग्रवाल एवं सौरभ अग्रवाल के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में अन्नदान सेवा समर्पित की गई।

आज की सेवा श्री हरचंदराय-कौशल्या देवी अग्रवाल (नांगलड्गूवाले) परिवार, मैसर्स ओम विष्णु एंड कंपनी, सिकंदराबाद, नथानी परिवार तथा श्री लता प्रसाद जी संघीपरिवार की ओर से की गई।

कुंशी अग्रवाल एवं लेहक अग्रवाल ने स्वयं जरूरतमंदों को भोजन परोसते हुए सेवा में भाग लिया। कुंशी ने भावुक होकर कहा थैंक यू राधे-राधे ग्रुप, मेरे दादाजी-दादी और आप सभी लोगों को, जिन्होंने आपके सानिध्य मे सेवा के साथ जन्मदिन मनाने का अवसर दिया।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, कुंशी अग्रवाल, लेहक अग्रवाल, राजेश नाथानी, अनिता नाथानी, इंद्रा मित्तल, माया अग्रवाल, वंदना गुप्ता, सुची गुप्ता, प्रेमलता अग्रवाल एवं सौरभ अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि बचपन से सेवा और करुणा के संस्कार मिलने से समाज का भविष्य उज्ज्वल बनता है। मकर संक्रांति के अवसर पर यह सेवा कार्यक्रम सेवा, समर्पण और मानवता का सुंदर उदाहरण बना।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, GANESHAN N Father of Service No. 16126821K Nk SANJAI GANESH, Resident of Charoor Vadakkathil, Kappil, Krishnapuram, Alappuzha, Kerala-690533 have changed my name from GANESAN to GANESHAN N vide affidavit dt 14-1-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

CHANGE OF NAME & DOB
I, REMA K Mother of Service No. 16126821K Nk SANJAI GANESH, Resident of Charoor Vadakkathil, Kappil, Krishnapuram, Alappuzha, Kerala-690533 have changed my name and DOB from REMA, DOB:10-06-1978 to REMA K, DOB:12-11-1978 vide affidavit dt 14-1-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, SHALU KUMARI spouse of JC 251345N Ris ANIL KUMAR, Resident of Vill:Harsi, PO:Harsi, Teh:Jai Singh Pur, Dist:Kangra, Himachal Pradesh have changed my name from SHALU KUMARI to SHALLU KUMARI vide affidavit dt:14-01-2026 before Smt.Zeenath Begum, Advocate and Notary, Karkhana, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Army No 6944430L Hav LOKENDRA SINGH of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO hereby declare that my name is to be changed from LOKENDRR SINGH to LOKENDRA SINGH.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No.15815299H Sep SANDEEP of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO hereby declare that my father name and DOB is to be changed from ROHTASH SHARMA, DOB:08-05-1960 to ROHTASH, DOB:01-01-1960

केंद्र ने तेलंगाना की स्थानीय निकायों को जारी किए 6,051 करोड़ रुपये : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बुधवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में तेलंगाना की ग्राम पंचायतों और अन्य स्थानीय निकायों को केंद्र सरकार ने कुल 11,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा जारी किए हैं। 2015-16 से 2019-20 तक 5,060 करोड़ दिए गए, जबकि 2020-21 से 2025-26 तक यह राशि 80 फीसदी बढ़ाकर 9,050 करोड़ कर दी गई इनमें से 6,051 करोड़ रुपये पहले ही खातों में पहुँच चुके हैं।

किशन रेड्डी ने कहा, ग्रासरूट लोकतंत्र को मज़बूत करना पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाता है, इसलिए राशि समय पर भेजी जा रही है।

2024-25 की पहली क़िस्त 260 करोड़ जल्द, बाक़ी 2,500 करोड़ चरणबद्ध

स्थानीय निकाय चुनाव पूरे होने और तेलंगाना सरकार द्वारा 2023-24 के उपयोग प्रमाण-पत्र जमा करने के बाद केंद्र शीघ्र ही 2024-25 की पहली क़िस्त 260 करोड़ रुपये जारी करेगा।

शेष लगभग 2,500 करोड़ रुपये भी उपयोग प्रमाण-पत्र मिलते ही चरणबद्ध तरीके से भेजे जाएँगे। दिशा-निर्देशों के मुताबिक़ हर ग्राम पंचायत को पीएफएमएस पोर्टल पर अद्वितीय एजेंसी कोड के साथ अलग बैंक खाता रखना होगा।

पिछली बीआरएस सरकार पर लगा धन डायवर्ज़न का आरोप

किशन रेड्डी ने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने ग्राम पंचायतों के बैंक खाते अपने नियंत्रण में ले लिए थे और इन फंडों को अन्य कार्यों में डायवर्ट किया। नतीजतन, कई सरपंचों को अपने कार्यकाल में हुए विकास कार्यों का भुगतान नहीं मिला और उन्होंने इस्तीफ़ा दे दिया, कुछ दुर्भाग्यपूर्ण मामलों में सरपंचों ने आत्महत्या तक कर ली, जो अत्यंत दुखद और निंदनीय है। उन्होंने तेलंगाना सरकार से अनुरोध किया कि वह ग्रामीण अधोसंरचना को मज़बूत बनाने और ङ्गविकसित भारतफ के लक्ष्य को साकार करने के लिए केंद्र के प्रयासों से पूरा सहयोग करे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.